VPL

वर्ष 11 अंक 38
पृष्ठ 12
नई दिल्ली, सोमवार
17 नवंबर 2025

मूल्य: 4 रुपये

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in

DELHIN/ 2015 / 65411
डाक पंजीयन सं.-DL(S)-17/3531/2018-20

03 जन सुराज की चुनावी हार: सियासी अखाड़े में उतरने वाले कुछ ही सफल होते हैं

06 बिहार के नतीजे : कांग्रेस के लिए चेतावनी!* ऋषभदेव शर्मा

11 हमें इस लक्ष्य को हासिल करना चाहिए था: पंत

वीरांगना ऊदा देवी हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर देने वाली शहीद ऊदा देवी को नमन करते हुए रविवार को कहा कि वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं।

योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ रविवार को यहां सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण और स्वाभिमान समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा, "नारी और वंचित का सम्मान 'डबल इंजन' सरकार का मुख्य ध्येय है और वीरांगना ऊदा देवी हमें याद दिलाती हैं कि नारी शक्ति कितनी सामर्थ्यवान है।"

उन्होंने कहा, "वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं। इसलिए इस अवसर पर मैं उनकी स्मृतियों को नमन करता हूं। उन्होंने विदेशी हुकूमत की चूलों को हिलाने और अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवंबर 1857 को 36 अंग्रेज सैनिकों

को ढेर कर दिया। उनका नाम भारत के इतिहास में अमर हो गया।"

योगी ने कहा कि "वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान हमें यह प्रेरणा देता है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि "प्रदेश सरकार ने भारत माता के हर सपूत को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। अगर आप बेसिक शिक्षा परिषद की पुस्तकों को देखें तो एक अतिरिक्त पुस्तक जिला, क्षेत्र और प्रदेश स्तर पर उपलब्ध कराई गई है, ताकि वर्तमान पीढ़ी अपने इतिहास को जान सके।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारी सरकार ने पीएसी की तीन नयी महिला बटालियन गठित की और तीनों को 1857 की महान वीरांगनाओं के नाम पर रखा।"

योगी ने कहा, "लखनऊ में स्थापित बटालियन का नाम वीरांगना ऊदा देवी के नाम पर ही रखा गया है। वहां पर हमारी सरकार उनकी आदमकद प्रतिमा की स्थापना का कार्य कर रही है। गोरखपुर में जो महिला बटालियन गठित हो रही है, उसको वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर और बदायूं में जो बटालियन गठित हो रही है उसे वीरांगना अवंती बाई लोधी के नाम पर रखा गया है।"

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन वीरांगनाओं ने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के सामने अपने शौर्य से उन्हें धूल चटाने का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि क्रांति की हुंकार भरने के कारण विदेशी हुकूमत ने उन्हें समाज की मुख्यधारा से काटने के लिए अलग-थलग कर दिया और परिणाम यह हुआ कि समाज की मुख्यधारा से कटी कोई भी जाति पिछड़ जाती है और यही स्थिति पासी समाज और अनुसूचित समाज के साथ हुआ। आज 'डबल इंजन' की सरकार इस दिशा में बेहतर पहल कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''लखनऊ में हमारी सरकार के द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का एक स्मारक और सांस्कृतिक केन्द्र के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है जिसमें अनुसूचित जाति से जुड़े हुए छात्रों को शोध करने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था करने जा रहे हैं।" उन्होंने कहा, "62 जिलों में 109 सर्वोदय विद्यालय की स्थापना का कार्य या संपन्न हो चुका है या कार्य मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यहां आश्रम पद्धति के अनुरूप छात्र-छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। 18 आवासीय विद्यालय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए मंडल मुख्यालयों पर निर्माण किया गया है।''

प्रधानमंत्री ने बुलेट ट्रेन परियोजना के अभियंताओं से अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने को कहा

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर काम कर रहे अभियंताओं से अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने को कहा है, जो अन्यत्र इसी तरह की परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में उपयोगी होगा।

मोदी शनिवार को सूरत में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेलवे (एमएएचएसआर) परियोजना के अभियंताओं और अन्य श्रमिकों के साथ बातचीत कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यदि परियोजना से प्राप्त अनुभवों को एक 'ब्ल्यू बुक' की तरह दर्ज और संकलित किया जाए तो देश बुलेट ट्रेन के बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को बार-बार प्रयोग करने से बचना चाहिए और इसके बजाय मौजूदा मॉडल से सीखी गई बातों को दोहराना चाहिए।

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दोहराव तभी सार्थक होगा जब यह स्पष्ट समझ हो कि कुछ कदम क्यों उठाए गए। उन्होंने आगाह किया कि अन्यथा, बिना किसी उद्देश्य या दिशा

के दोहराव हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस तरह के रिकॉर्ड रखने से भविष्य के छात्रों को लाभ होगा और राष्ट्र निर्माण में योगदान मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम अपना जीवन यहीं समर्पित करेंगे और देश के लिए कुछ मूल्यवान छोड़ जाएंगे।'' मोदी ने परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली, जिसमें गति और समय-सारिणी के लक्ष्यों का पालन भी शामिल था।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि श्रमिकों ने उन्हें आश्वासन दिया कि परियोजना बिना किसी कठिनाई के सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। केरल की एक इंजीनियर ने गुजरात के नवसारी स्थित नॉइज बैरियर फैक्ट्री में काम करने का अपना अनुभव साझा किया, जहां सरिया की वेल्डिंग के लिए रोबोटिक इकाइयों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मोदी ने उनसे पूछा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन बनाने के अनुभव को उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कैसा माना और इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में वे अपने परिवारों के साथ क्या साझा करती हैं। उन्होंने देश की पहली बुलेट ट्रेन में योगदान देने पर गर्व व्यक्त किया और इसे अपने परिवार के लिए एक "ड्रीम प्रोजेक्ट" और "गर्व का क्षण" बताया।

राष्ट्र सेवा की भावना पर चिंतन करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्र के लिए काम करने और कुछ नया योगदान देने की भावना जागृत होती है, तो यह अपार प्रेरणा का स्रोत बन जाती है।

सोनभद्र खदान हादसा : एक मजदूर का शव बरामद, राहत-बचाव कार्य जारी

सोनभद्र, (भाषा) उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के एक खनन क्षेत्र में शनिवार शाम को खदान धंसने की घटना के बाद एक मजदूर का शव बरामद किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस बीच, ओबरा पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। रॉबर्ट्सगंज से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा कि माफिया द्वारा चलाए जा रहे अवैध खनन के कारण यह घटना हुई। उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए 50 लाख रुपये का मुआवजा और प्रत्येक परिवार को एक सरकारी नौकरी देने की मांग की। वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया ने बताया कि बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में पहाड़ी से गिरे मलबे को हटाने का कार्य शनिवार रात से ही लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम पनारी (सोनभद्र) निवासी राजू सिंह (30) के रूप में हुई है। एडीजी ने बताया कि चूंकि पहाड़ी से गिरे पत्थर काफी बड़े हैं, इसलिए सावधानीपूर्वक कार्य किया जा रहा है और इसके कारण राहत कार्य में भी समय लग रहा है।

तीनों सेनाओं की सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा: सीडीएस ने सशस्त्र बलों के एकीकरण पर कहा

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान सेना का प्रत्येक अंग ''अपनी खुद की पहचान'' बनाए रखेगा और उसकी सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा। जनरल चौहान ने यहां शनिवार को आयोजित एक संवाद सत्र में हाल में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के उदाहरणों का भी हवाला दिया। इस ऑपरेशन के तहत सेना के तीनों अंगों - थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच एकजुटता प्रदर्शित हुई। वह रक्षा थिंक-टैंक यूएसआई की ओर से 14-15 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय भारतीय सैन्य विरासत उत्सव में शामिल हुए। जनरल चौहान ने अपनी नयी किताब 'रेडी, रेलेवेंट एंड रिसर्जेंट 2: शेपिंग ए फ्यूचर रेडी फोर्स' पर केंद्रित संवाद के दौरान संकेत दिया कि जल्द ही इसका तीसरा खंड भी आएगा।

मुझ पर धन और टिकट के बदले पिता को गंदी किडनी दान करने का आरोप लगाया : रोहिणी

पटना, (भाषा) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने रविवार को आरोप लगाया कि भाई तेजस्वी यादव के कुछ सहयोगी उनके बारे में कह रहे हैं कि ''मैंने अपने पिता को गंदी किडनी'' दी और इसके बदले करोड़ों रुपये व पार्टी का टिकट लिया।

आचार्य ने भावुक होते हुए 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि ''किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो।'' आचार्य ने ''राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने'' की घोषणा के एक दिन बाद सोशल

मीडिया पर पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। हाल में हुए बिहार चुनाव में राजद की हार के लिए रोहिणी ने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सहयोगियों, हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले राजद सांसद संजय यादव और उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले रमीज, को जिम्मेदार ठहराया था।

पिछले साल के आम चुनावों में सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाली आचार्य ने कहा, ''कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपये लिए, टिकट लिया...।''

एमबीबीएस की पढ़ाई कर चुकीं रोहिणी ने शनिवार को घोषणा की थी कि वह राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हैं।

एसजीटी यूनिवर्सिटी में डॉ. बी.एल. गौड़ की पुस्तकों "कैसे बने विश्वकर्मा" और "हाई राइज बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन" का लोकार्पण पद्म भूषण राम बहादुर राय व प्रमुख हस्तियों ने किया

बी एल गौड़ के जीवन वृत पर एक और पुस्तक लिखी जाय: राम बहादुर राय

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गुरुग्राम- एसजीटी यूनिवर्सिटी में शनिवार को साहित्य जगत के जाने माने लेखक डॉ. बी.एल. गौड़ द्वारा लिखित दो महत्वपूर्ण पुस्तकों, "कैसे बने विश्वकर्मा" और "हाई राइज बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन" का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण देश के जाने-माने प्रख्यात पत्रकार विचारक पद्म भूषण इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय जी के हाथों विमोचन किया गया इस अवसर पर एसजीटी यूनिवर्सिटी के संस्थापक श्री मनमोहन सिंह चावला, वाइस चांसलर अतुल नासा, पूर्व कुलपति श्री बलविंदर कुमार (पूर्व आईएएस) श्री मनोज गौड़ सीएमडी (गौड़ ग्रुप) संजय शर्मा सीएमडी (एस के ए ग्रुप) द्वारा किया गया। रिसोर्स पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पद्म भूषण श्री राम बहादुर राय ने कहा कि सरस्वती और लक्ष्मी का इतना सुंदर समन्वय देश में कहीं देखना हो तो बिल गॉड के व्यक्तित्व कृतित्व और उनके द्वारा किए गए साहित्यिक कविताओं रचनाओं और पुस्तकों में देखा जा सकता है। इस अवसर पर श्री राय ने कहा कि बी एल गौड़ की सभी पुस्तकों को समाहित करते हुए एक ऐसी पुस्तक लिखी

समारोह में संस्थापक मनमोहन चावला पूर्व कुलाधिपति बलविंदर कुमार व गौड़ ग्रुप के सीएमडी मनोज गौड़ भी रहे उपस्थित

जाए जिसमें गौड़ साहब के पूरे जीवन वृत को एक ही पुस्तक में पढ़ा जा सके। पुस्तकों इस मौके पर गौड़ ग्रुप के सीएमडी मनोज गौड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के आगमन से हुई, जिसके बाद VC ऑफिस में एक गरिमामय मीट-एंड-ग्रीट सत्र आयोजित किया गया। वाइस चांसलर द्वारा लोकार्पण के बाद डॉ. बी.एल. गौड़ ने पुस्तकों के विषय, उद्देश्य और इनके सामाजिक व तकनीकी महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. बी.एल. गौड़ ने अपने संबोधन में दोनों पुस्तकों के निर्माण क्षेत्र में उपयोग और भविष्य की तकनीकी जरूरतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि "कैसे बने विश्वकर्मा" विशेष तौर पर निर्माण क्षेत्र से जुड़े छात्रों और इंजीनियरों को व्यावहारिक ज्ञान देने के उद्देश्य से लिखी गई है। वहीं "हाई राइज बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन" आधुनिक इमारतों के निर्माण में उपयोग होने वाली तकनीकों, मापदंडों और सुरक्षा मानकों पर विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।इसके बाद गौड़ ग्रुप के सीएमडी, मनोज गौड़ ने मंच से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता की यह कृतियां न केवल निर्माण क्षेत्र को नई दिशा देती हैं बल्कि उद्योग जगत में गुणवत्ता और नवाचार की भावना को भी मजबूत करती हैं।उन्होंने आगे कहा, यह पुस्तकों का संग्रह युवा इंजीनियरों और छात्रों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा। मेरा मानना है कि तकनीक और गुणवत्ता का संतुलन ही भविष्य के विकास की असली कुंजी है।कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें प्रो. (डॉ.) अतुल नासा, प्रो वाइस चांसलर; प्रो. (डॉ.) बलविंदर कुमार, पूर्व VC एसजीटी यूनिवर्सिटी एवं RERA सदस्य (UP); संजय शर्मा, डायरेक्टर एसकेए ग्रुप, नेशनल एक्सप्रेस प्रकाशन समूह के संस्थापक व भारतीय मतदाता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गुप्ता हिंदी के प्रख्यात विद्वान तथा अमेरिका से पधारे इंद्रजीत शर्मा सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ शामिल रहे।

भारत में बढ़ रही पाकिस्तान परस्त विदेशी मुसलमानों की संख्या: गिरिराज सिंह

नेशनल एक्सप्रेस

भोपाल। केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत में विदेशी मुसलमानों की संख्या बढ़ रही है, जो कि पाकिस्तान परस्त हैं और देश के खिलाफ लोगों को भड़काते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घुसपैठिए पहले बच्चों का रोजगार छीनते हैं, संसाधनों का उपयोग करते हैं, फिर देश के खिलाफ आंदोलन करते हैं और पाकिस्तान की मदद करते हैं। उन्होंने देसी मुसलमानों से निवेदन किया कि वे विदेशी मुसलमानों को संरक्षण न दें, क्योंकि उनके कारण ही इन्हें चिह्नित करने में दिक्कतें आ रही हैं। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह रविवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के प्रवास दौरान अनूपपुर जिले की प्रसिद्ध पर्यटन नगरी अमरकंटक में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। वे यहां मप्र की जीवन दायिनी मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे थे। इस अवसर पर उन्होंने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को कहा कि मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में अवैध घुसपैठ की स्थिति चिंता का विषय है और इसपर गंभीरता से जांच की जरूरत है। अमरकंटक में मुस्लिम आबादी बढ़ने को लेकर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा ₹मैं अमरकंटक लगभग 25 सालों से आ रहा हूं। जब मैं पहली बार 1998 में आया था, तब यहां एक भी मुस्लिम परिवार नहीं था। अब यह अचानक कैसे बढ़ गए?

उन्होंने कलेक्टर से बाहरी लोगों की जांच करने की मांग की, साथ ही देश के मुसलमानों से अपील की कि वे इन घुसपैठियों को संरक्षण न दें। उन्होंने बिहार में अपनी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' का जिक्र करते हुए बताया कि वहां एक जिले में 'देसी मुसलमान' से ज्यादा 'विदेशी मुसलमान' हो गए हैं, खासकर बिहार के पूर्वांचल में। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घुसपैठिए पहले बच्चों का रोजगार छीनते हैं, संसाधनों का उपयोग करते हैं, फिर देश के खिलाफ आंदोलन करते हैं और पाकिस्तान की मदद करते हैं। उन्होंने देसी मुसलमानों से अपील की कि यदि कोई विदेशी मुसलमान आता है, तो वे इसकी सूचना अपने जिलाधिकारी को दें। गिरिराज सिंह ने कहा वे बिहार में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की पहचान करवाएंगे। बिहार में नई सरकार बनते ही घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने मां नर्मदा की पूजा अर्चना की इससे पहले केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने अमरकंटक प्रवास के दौरान मां नर्मदा के उद्गम स्थल में पहुंचकर मां नर्मदा की पूजा अर्चना की देश तथा प्रदेश के नागरिकों के कल्याण और सुख समृद्धि के लिए मां नर्मदा से कामना की। इस अवसर पर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी वसीम अहमद भट्ट, राहुल पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि,पुजारीगण, पत्रकार एवं प्रशासनिक अधिकारी, आमजन उपस्थित थे। स्थानीय शिल्प कलाओं का किया निरीक्षण, शिल्पकारों को तकनीकी व मार्केट लिंक उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने अमरकंटक में स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार की जा रही गोड़ी पेंटिंग एवं अन्य हस्तशिल्प कलाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिल्पकारों से सप्ताह में किए जाने वाले कार्य घंटे, मासिक आय तथा उत्पादन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कारीगरों से कहा कि पारंपरिक कलाओं को सुरक्षित रखते हुए उनमें तकनीकी नवाचार जोड़ने से गुणवत्ता में सुधार और बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाई जा सकती है।

भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ ने मॉस्को में मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता की समीक्षा की

नेशनल एक्सप्रेस

नई दिल्ली। भारत और पांच देशों के समूह यूरेशियन आर्थिक आयोग (ईएईयू) ने वस्तुओं के क्षेत्र में प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता की प्रगति की समीक्षा की। इस प्रस्तावित समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने मॉस्को में कई बैठकों में भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत की प्रगति की समीक्षा की। इन बैठकों में वाणिज्य सचिव ने यूरेशियन आर्थिक आयोग के व्यापार प्रभारी मंत्री आंद्रे स्लेपनेव और रूसी संघ के उद्योग एवं व्यापार उप मंत्री मिखाइल युरिन से मुलाकात की और भारतीय एवं रूसी उद्योग जगत के सदस्यों के साथ एक व्यावसायिक नेटवर्किंग पूर्ण अधिवेशन को भी संबोधित किया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह यूरेशियन आर्थिक आयोग के व्यापार प्रभारी मंत्री आंद्रे स्लेपनेव और रूसी उद्योग एवं व्यापार उप मंत्री मिखाइल युरिन के साथ वार्ता करने के लिए मास्को का दौरा किया था।

मंत्री स्लेपनेव के साथ बैठक में वाणिज्य सचिव ने वस्तुओं के क्षेत्र में भारत-ईएईयू एफटीए के लिए अगले कदमों की समीक्षा की। साथ ही भारत और रूस के वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं की उपस्थिति में आयोजित उद्योग सम्मेलन में वाणिज्य सचिव ने कंपनियों को अपनी परियोजनाओं को 2030 के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य के अनुरूप बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्रालय ने बताया कि 20 अगस्त 2025 को हस्ताक्षरित संदर्भ की शर्तें एमएसएमई, किसानों और मछुआरों सहित भारतीय व्यवसायों के लिए बाजारों में विविधता लाने के उद्देश्य से 18 महीने की कार्य योजना की रूपरेखा तैयार करती हैं।

कर्नाटक के चित्तपुर में शांतिपूर्ण निकला आरएसएस पथ संचलन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

कलबुर्गी। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद कर्नाटक के कलबुर्गी ज़िले के चित्तपुर में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पथ संचलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे के निर्वाचन क्षेत्र में आरएसएस कार्यकर्ताओं ने भगवा ध्वज फहराया। इस दौरान जिला प्रशासन ने सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की थी।

दरअसल, चित्तपुर में आरएसएस के पथ संचलन को लेकर एक महीने से ऊहपोह की स्थिति बनी थी। राज्य सरकार की ओर से पथ संचलन पर रोक लगाने के बाद मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचा। न्यायालय ने स्थानीय प्रशासन को इसके लिए सहमत बनाने के निर्देश दिए थे, लेकिन बाद में कोर्ट ने आरएसएस के पथ संचलन को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दे दी थी। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद चित्तपुर में दोपहर 3:45 बजे से आरएसएस का पथ संचलन शुरू हुआ और शाम 4:22 बजे तक लगभग 47 मिनट में 1.25 किलोमीटर की दूरी तय की। आरएसएस का पथ संचलन चित्तपुर स्थित बजाज कल्याण मंडप से शुरू होकर अंबेडकर सर्कल, बसव अस्पताल, एचडीएफसी बैंक रोड, बसवेश्वर सर्कल होते हुए बजाज कल्याण मंडप पर पहुंच कर समाप्त हुआ। इस पथ संचलन में तीन सौ गणवेश धारियों और 50 बैंड वादकों ने भाग लिया। आरएसएस के एक सौवें स्थापना दिवस समारोह की पृष्ठभूमि में आयोजित पथ संचलन के गणवेशधारियों पर महिलाओं, बच्चों और आम जनता ने सड़क के दोनों ओर खड़े होकर पुष्प वर्षा की रहे थे।

पथ संचलन के दौरान किसी भी गड़बड़ी को रोकने के जिला प्रशासन व पुलिस ने पूरे मार्ग पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक अदुर श्रीनिवासलु के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक, केएसआरपी डीएआर दस्ते और 250 होमगार्ड सहित 650 पुलिसकर्मी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए थे।

अमृतसर में हथियार व नार्को नेटवर्क का पर्दाफाश

चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच व्यक्तियों को 1.01 किलोग्राम हेरोइन और छह आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार करके पाकिस्तान से जुड़े हथियार एवं नार्को नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि अमृतसर ग्रामीण के पंडोरी गांव निवासी अकाश मसीह और प्रिंस, चौगांवां गांव निवासी करनबीर सिंह उर्फ करन हेतमपुरा गांव निवासी सुखविंदर सिंह और तरनतारन जिले के लाहियां गांव निवासी गुरभेज सिंह उर्फ भेजा को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से पांच .30 बोर की और एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपित पंजाब में अवैध हथियार और नशीले पदार्थ प्राप्त करने और उनकी डिलीवरी करने के लिए सोशल मीडिया ऐप्लिकेशनों के जरिए पाकिस्तान-आधारित संचालकों से तालमेल कर रहे थे।

घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार गिरावट, सोना और चांदी के घटे भाव

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में जोरदार गिरावट नजर आ रही है। सोना आज 1,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,080 रुपये से लेकर 1,25,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,14,650 रुपये से लेकर 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,69,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो आज की गिरावट के बावजूद सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी इस सप्ताह जबरदस्त तेजी आई है। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु पिछले सप्ताह की तुलना में 16,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,25,230 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

टॉप 10 की 8 कंपनियों का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 39,414.06 करोड़ रुपये की कमी हो गई।

जन सुराज की चुनावी हार: सियासी अखाड़े में उतरने वाले कुछ ही सफल होते हैं

नयी दिल्ली, (भाषा) बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की हार ने इस बात को रेखांकित किया है कि अक्सर कई नये राजनीतिक दल अपनी किस्मत आजमाने के लिए सियासी अखाड़े में उतरते हैं लेकिन उनमें से कुछ ही सफल हो पाते हैं।

हालांकि, जन सुराज पार्टी शिकस्त का सामना करने वाले दलों की इस फेहरिस्त में नया नाम है लेकिन अन्य पार्टियां भी हैं जो चर्चा के केंद्र में रही थीं लेकिन सफल नहीं हो पाईं। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्कल नीधि मैयम ऐसा ही एक उदाहरण है। 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में उसका खाता तक नहीं खुला था।

वहीं, अब सबकी निगाहें तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पर टिकी हैं, जिसकी स्थापना अभिनेता से नेता बने विजय ने पिछले साल की थी। हालांकि, फिल्म कलाकारों द्वारा गठित कई राजनीतिक दल दक्षिण भारत में पहले भी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में इस पर सभी की नजर रहेगी। पूर्व कांग्रेस नेता और राजनीतिक विश्लेषक संजय झा ने कहा कि नये राजनीतिक दल को आगे बढ़ने में कठिनाई होती है, क्योंकि वैचारिक स्पष्टता हासिल करने में समय लगता है। बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी की 'प्लुरल्स' पार्टी जैसे बहुत छोटे राजनीतिक दल भी हैं। उनकी पार्टी ने बिहार

में लगातार दो विधानसभा चुनाव लड़े हैं, लेकिन दोनों में उसे कोई सफलता नहीं मिली।

इसके अलावा, कुछ छोटी पार्टियां हैं जिनकी सीमित महत्वाकांक्षाएं हैं। वे जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा हैं। उत्तर प्रदेश में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) जैसी पार्टियां हैं। भारत में नये-नये राजनीतिक दलों का गठन होता रहता है और चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद अक्सर वे गायब हो जाते हैं। लेकिन किशोर के जन सुराज के बारे में फिलहाल ऐसा नहीं कहा जा सकता क्योंकि इसने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी थी और कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि यह आम आदमी पार्टी (आप) की तरह ही (बिहार) उभर सकती है। हालांकि, मीडिया में इसे लेकर जो उत्साह था वह मृगतृष्णा साबित हुआ क्योंकि पार्टी (जन सुराज) चुनाव में बुरी तरह हार गई और खाता तक नहीं खोल सकी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जन सुराज के ज़्यादातर उम्मीदवारों को कुल डाले गए वोटों के 10 प्रतिशत से भी कम वोट मिले और उनकी ज़मानत ज़ब्त हो गई।

अपवादों को छोड़कर, भारत में जिन पार्टियों ने पैर जमाए हैं, उन्हें मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में बांटा गया है -- किसी आंदोलन से उपजी और किसी नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द केंद्रित तथा किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या किसी विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित।

किशोर एक जानी-मानी हस्ती हैं, लेकिन वे उन लोगों से अलग हैं जिन्होंने चुनावी राजनीति में अतीत में सफलता पाई। उनमें से ज़्यादातर फ़िल्म कलाकार या स्थापित राजनेता थे जो अपनी मूल पार्टियों से अलग हो गए थे। देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नज़र डालें तो छह राष्ट्रीय दल हैं- भाजपा, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और आम आदमी पार्टी (आप)।

पनडुब्बी रोधी जलपोत 'माहे' का 24 नवंबर को जलावतरण किया जाएगा

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय नौसेना अगले सप्ताह स्वदेश निर्मित पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धकपोत 'माहे' का जलावतरण करेगी, जिससे उसकी युद्ध क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है।

नौसेना ने रविवार को कहा कि पनडुब्बी रोधी रॉकेट और उन्नत रडार से सुसज्जित 'माहे' को 24 नवंबर को मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बल में शामिल किया जाएगा।

इसने कहा कि कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा निर्मित पोत 'माहे' नौसेना पोत डिजाइन और निर्माण में देश की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का एक अत्याधुनिक उदाहरण है।

नौसेना ने कहा कि अपनी मारक क्षमता, पकड़ में नहीं आने के गुणों से लैस और रफ्तार के मिश्रण के साथ, इस पोत को पनडुब्बियों का पता लगाने, तटीय गश्त करने और भारत के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है।

सीएसएल ने 23 अक्टूबर को इस पोत को नौसेना को सौंपा था।

रुझानों की बजाय सच्चाई को प्राथमिकता दें: भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष रंजना देसाई

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई ने रविवार को कहा कि पत्रकारों को तेजी के बजाय सटीकता को महत्व देना चाहिए तथा रुझानों की अपेक्षा सत्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

न्यायमूर्ति देसाई ने यहां राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रेस कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और सबसे चिंताजनक बात प्रेस की विश्वसनीयता का खत्म होना है।

परिषद की अध्यक्ष ने कहा, ''जनसंचार में प्रौद्योगिकी के मनमाने उपयोग के कारण गलत सूचना का प्रसार बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है।

न्यायमूर्ति देसाई ने इस समारोह में कहा, ''उनका (प्रेस का) काम केवल किसी घटना की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है। उनका काम तथ्यों को सत्यापित करना, उनकी सटीक व्याख्या करना और उन्हें सही परिप्रेक्ष्य में रखना है, न कि (केवल)

समाचार बनाना।''

इस समारोह में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विजय जोशी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

न्यायमूर्ति देसाई ने कहा, ''गति की अपेक्षा सटीकता को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए तथा रुझानों की अपेक्षा सत्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद ने पत्रकारिता आचरण के मानदंडों को अद्यतन किया है और रिपोर्टिंग में अधिक सावधानी और जिम्मेदारी का आह्वान किया है। उन्होंने प्रेस से धर्म या सशस्त्र बलों से संबंधित मामलों पर लिखते समय संयम बरतने का भी आग्रह किया, जहां छोटी सी भी गलती के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

न्यायमूर्ति देसाई ने कहा कि परिषद का यह भी मानना है कि वित्तीय स्वतंत्रता सीधे तौर पर प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रखने से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि परिषद ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पत्रकारों के लिए समूह बीमा योजनाएं विकसित करने और लागू करने की सलाह दी है। उन्होंने पत्रकारों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका के प्रति सतर्क और विचारशील रहने का भी आग्रह किया।

न्यायमूर्ति देसाई ने कहा, ''प्रौद्योगिकी को हमें सत्य को खोजने में मदद करनी चाहिए, न कि उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना चाहिए या उसे ढक देना चाहिए। ये उपकरण चाहे कितने भी उन्नत क्यों न हो जाएं, वे कभी भी मानव मस्तिष्क के निर्णय, विवेक और जिम्मेदारी की भावना का स्थान नहीं ले सकते, जो प्रत्येक पत्रकार को गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए मार्गदर्शन करते हैं।''

दिल्ली पुलिस ने 49 लाख रुपये के डिजिटल धोखाधड़ी मामले में लखनऊ से छह लोगों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑनलाइन जबरन वसूली गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए इसके छह प्रमुख गुर्गों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई 71 वर्षीय एक महिला की शिकायत पर जांच के दौरान की गई। महिला से कथित तौर पर 49 लाख रुपये की ठगी की गई। कुछ लोगों ने खुद को कानून प्रवर्तन कर्मी बताकर उसे करीब 24 घंटे तक डिजिटल रूप से बंधक बनाकर रखा।

पुलिस के अनुसार, धोखेबाजों ने पीड़िता को फोन करके बताया कि वह एक आपराधिक मामले में शामिल है और लगातार वीडियो कॉल के जरिए उसे धमकाया।

लगातार दबाव ने उसे तोड़ दिया और उसने सिंडिकेट द्वारा नियंत्रित कई बैंक खातों में रकम भेजी।

जांच के सिलसिले में, क्राइम ब्रांच की एक टीम ने लखनऊ के अमीनाबाद, हसनगंज, मदेयगंज और सदर कैंट इलाकों में छापेमारी की, जिसके बाद गिरफ्तारियां हुईं। अधिकारी ने बताया कि छह लोगों की पहचान विशाल तिवारी (19) और शकील अहमद (53) तथा मोहम्मद ओवैस, मोहम्मद अहद, मोहम्मद आतिफ और मोहम्मद उज्जैब के रूप में हुई है। इन चारों की उम्र 25 वर्ष है।

अधिकारी ने कहा, ''गिरफ्तार किए गए लोग आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से थे और उन्हें धन शोधन में मदद के लिए 'म्यूल खाता' संचालक के रूप

होटलों और छोटे-मोटे कामों में काम करते थे, जबकि एक अन्य आपराधिक मामले में मुकदमे का सामना कर रहा था।''

'म्यूल खाते' ऐसे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल जालसाज अपराध से मिले पैसे को ठिकाने लगाने के लिए करते हैं। इन खातों का इस्तेमाल अपराधी अवैध रूप से कमाए गए पैसे को लेने, अंतरित करने या छिपाने के लिए करते हैं।

जांच के दौरान, टीम को पता चला कि गिरोह ने धोखाधड़ी की गई धनराशि को स्थानांतरित करने के लिए कई बैंक खातों का इस्तेमाल किया। पीड़ित द्वारा धनराशि भेजे जाने के बाद, उसे तुरंत अन्य खातों में भेज दिया जाता था और एटीएम से निकाल लिया जाता था।

अधिकारी ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

पारदी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, 60 से अधिक मामलों में थे वांछित

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने कुख्यात पारदी गिरोह के दो कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में दर्ज 60 से अधिक मामलों में वांछित थे। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों - अरुण पारदी (37) और तेगा पारदी (40) पर मध्य प्रदेश पुलिस ने 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। तेगा 2024 में भी पुलिस हिरासत से कथित तौर पर फरार हो गया था।

पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा की एक टीम ने हाल के दिनों में नेब सराय, हौज खास और मालवीय नगर में रात के समय चोरी की घटनाओं में वृद्धि के बाद यह अभियान शुरू किया था, जिसमें पारदी गिरोह की संलिप्तता का संदेह था। पुलिस अधिकारी ने बताया, ''सूचना मिली थी कि दोनों अपराधी 14 नवंबर को अपने एक साथी से मिलने द्वारका के शाहाबाद रेलवे स्टेशन के पास आएंगे।

'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल पिछले साल से आत्मघाती हमलावर की तलाश में था: अधिकारी

नयी दिल्ली/श्रीनगर, (भाषा) जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में डॉक्टरों के नेतृत्व वाले जिस 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, वह पिछले साल से ही एक आत्मघाती हमलावर की तलाश में जुटा था, और मुख्य साजिशकर्ता डॉ. उमर नबी इस एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहा था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार सह-आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि डॉ. उमर ''घोर कट्टरपंथी'' था और वह लगातार इस बात पर जोर देता था कि उनके अभियान की सफलता के लिए एक आत्मघाती हमलावर जरूरी था। माना जा रहा है कि डॉ. उमर विस्फोटकों से भरी उस कार में सवार था, जिसमें 10 नवंबर को लाल किले के पास विस्फोट हो गया था।

अधिकारियों के मुताबिक, श्रीनगर पुलिस ने डॉ. अदील राथर और डॉ. मुजफ्फर गनई सहित अन्य सह-आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अपनी एक टीम को फौरन दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड भेजा तथा राजनीति विज्ञान में स्नातक जसीर उर्फ 'दानिश' को

हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती के नेतृत्व में श्रीनगर पुलिस ने पूरे 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने पिछले साल अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में 'डॉक्टर मॉड्यूल' से मुलाकात की बात स्वीकारी, जहां से उसे फरीदाबाद (हरियाणा) के अल-फलाह विश्वविद्यालय में किराये के एक कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने बताया कि मॉड्यूल से जुड़े अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए 'ओवर-ग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू) बनाना चाहते थे, लेकिन डॉ. उमर ने कई महीनों तक उसे बरगलाया, ताकि वह आत्मघाती हमलावर बन सके।

'ओवर-ग्राउंड वर्कर' का मतलब आतंकवादियों के मददगार से है।

हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि डॉ. उमर और मॉड्यूल से जुड़े अन्य सदस्यों की योजना इस साल अप्रैल में विफल हो गई, जब हिरासत में लिया गया व्यक्ति अपनी खराब माली हालत और इस्लाम में खुदकुशी वर्जित होने की बात का हवाला देते हुए पीछे हट गया।

अधिकारियों के अनुसार, आत्मघाती हमलावर की तलाश की योजना जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क की जांच में एक नया खतरनाक आयाम जोड़ती है। जैसा कि 'पीटीआई-भाषा' ने पहले अपनी खबर में बताया था, पुलवामा का 28 वर्षीय डॉ. उमर कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले नेटवर्क का सबसे कट्टरपंथी सदस्य था और अधिकारियों का मानना है कि वह छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी के आसपास एक शक्तिशाली कार बम विस्फोट की साजिश रच रहा था।

हालांकि, अधिकारियों ने साक्ष्यों की कड़ियों को जोड़ते हुए बताया कि डॉ. उमर की साजिश राष्ट्रीय राजधानी या धार्मिक महत्व के किसी स्थान पर भीड़भाड़ वाली जगह पर विस्फोटकों से भरा वाहन छोड़कर गायब होने की थी।

अधिकारियों ने सह-आरोपी से पूछताछ के आधार पर बताया कि डॉ. उमर 2021 में सह-आरोपी डॉ. मुजम्मिल अहमद गनी के साथ तुर्किये की यात्रा के बाद कट्टरपंथी बनना शुरू हुआ, जहां दोनों कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के ओजीडब्ल्यू से मिले थे।

दिल्ली पुलिस ने 30 लाख रुपये की हेरोइन बरामद की, दो लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 16 नवंबर (भाषा) दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 30 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान 282 ग्राम हेरोइन जब्त की गई, जिसमें फिरोज (22) और उसके सहयोगी सोमपाल (26) को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में अलग-अलग छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार नवंबर को कथित हेरोइन आपूर्तिकर्ता फिरोज के बारे में सूचना मिली थी, जो शास्त्री पार्क में हेरोइन की खेप पहुंचाने के लिए आया था।

अधिकारी ने बताया, ''सूचना के आधार पर छापेमारी दल ने फिरोज को मौके से गिरफ्तार कर लिया और उसकी मोटरसाइकिल तथा उसके पास से 262 ग्राम हेरोइन जब्त कर

ली।''

पूछताछ के दौरान फिरोज ने खुलासा किया कि वह उत्तर प्रदेश के आपूर्तिकर्ताओं से हेरोइन खरीदता था और उसे दिल्ली में रिसीवर्स तक पहुंचाता था।

उसने अपने साथी सोमपाल की पहचान भी बताई, जो बरेली से नशीला पदार्थ लेकर आता था। अधिकारी ने बताया कि सुराग मिलने पर पुलिस ने आठ नवंबर को सोमपाल को बरेली से गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 20 ग्राम हेरोइन जब्त की।

पुलिस ने बताया कि आपूर्ति श्रृंखला के शेष सदस्यों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच जारी है।

आदर्श नगर रेलवे स्टेशन के पास महिला की हत्या; पुलिस जांच में जुटी

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के आदर्श नगर रेलवे स्टेशन के पास रविवार को एक महिला की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सब्जी मंडी इलाके में तैनात राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक जवान ने फोन कर सूचना दी कि लगभग 40-45 वर्षीया महिला का शव स्टेशन परिसर के पास झाड़ियों में पड़ा मिला है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''महिला के कपड़े फटे हुए थे और उसके चेहरे व सिर पर चोट के गहरे निशान थे। ऐसा प्रतीत होता है कि वह कूड़ा बीनने का काम करती थी या लावारिस थी।''

अधिकारी ने कहा कि चोटें किसी धारदार हथियार से किए गए हमले का संकेत देती हैं। उसके मुंह के पास भी खून के निशान पाए गए। महिला का शव स्टेशन परिसर के पीछे घनी झाड़ियों में मिला। घटनास्थल से महिलाओं की एक जोड़ी चप्पलें, पुरुषों की एक जोड़ी चप्पलें और कुछ अन्य सामान बरामद हुआ है।

पुलिस ने मध्य दिल्ली में बढ़ाए आतंकवाद रोधी सुरक्षा उपाय 34 लावारिस वाहन जब्त किए

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक हुए धमाके के बाद, मध्य जिले में आतंकवाद रोधी उपायों के तहत व्यापक सत्यापन अभियान चलाए जा रहे हैं, नाकों पर जांच बढ़ाई जा रही है और संवेदनशील स्थानों पर सशस्त्र तैनाती को मजबूत किया जा रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया, ''शनिवार रात को विशेष अभियान के दौरान टीम ने 34 लावारिस वाहन जब्त किए, जबकि पांच घंटे के जांच अभियान में दिल्ली पुलिस अधिनियम के तहत 417 चालान जारी किए गए।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षा बढ़ाए जाने की कार्रवाई विस्फोट के बाद लागू की गई व्यापक रणनीति का हिस्सा है। अधिकारी ने बताया कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (सेंट्रल रेंज) मधुर वर्मा, जिला पुलिस उपयुक्त, एसीपी, एसएचओ और विशेष इकाइयां, मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन (एमडब्ल्यूए), आरडब्ल्यूए,

दुकानदारों और विक्रेताओं के साथ लगातार समन्वय बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ''पुलिस टीम अभियान तत्परता का परीक्षण करने के लिए क्षेत्र में नियंत्रण अभ्यास, औचक निरीक्षण और मॉक ड्रिल कर रही हैं। भीड़-भाड़ वाले बाजारों, धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सशस्त्र कर्मियों को तैनात किया गया है।' अधिकारी ने बताया कि होटल, अतिथि गृह, साइबर कैफे, मॉल, सिनेमाघर, रसायन की दुकानों, सिम कार्ड विक्रेताओं और व्यावसायिक केंद्रों पर सत्यापन अभियान तेज कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने एक घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है जो एक नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार के मामले में तीन साल से अधिक समय से फरार था। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, 28 जून 2022 को 13 वर्षीय लड़की के लापता होने के बाद भरत नगर पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना बयान दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि 49 वर्षीय आरोपी ने उसका अपहरण किया और उसका यौन उत्पीड़न किया। बाद में बलात्कार, आपराधिक धमकी और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधान भी प्राथमिकी में जोड़े गए। अधिकारी ने बताया कि आरोपी तब से गिरफ्तारी से बच रहा था और दिल्ली की एक अदालत ने 15 दिसंबर, 2022 को उसे

भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया था। अधिकारी ने कहा, ''कई प्रयासों के बावजूद, पुलिस आरोपी का पता लगाने में नाकाम रही, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। हाल ही में एक गुप्त सूचना के जरिए पुलिस को सफलता मिली, जिसके बाद शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।''

पुलिस ने बताया कि आरोपी पहले हरियाणा और दिल्ली के बीच अवैध शराब की तस्करी में शामिल था। उसने बताया कि इससे पहले उसने डाबरी में एक कपड़ों की दुकान खोली थी जो बाद में बंद हो गई।

कोकीन तस्करी मामले में ईडी ने फर्जी खातों पर रोक लगाई, 70 लाख जब्त

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली में कथित मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े धनशोधन के मामले में तलाशी के दौरान 110 बैंक खातों पर रोक लगाई, 70 लाख रुपये जब्त किए।

NOTICE

I, Ex No. 9925158X Rank: Hav, Name: Sonam Wangail, Unit 1 Ladakh Scouts R/o Saspol, Distt Leh-Ladakh UT do hereby inform that my son's name has been wrongly recorded in my Army Record as Urgain Dadul instead of Urgan Dadul. That his actual and correct name is Urgan Dadul. I have applied for correction in the same. Objection, if any, conveyed within seven days of this publication.

प्रेस की विश्वसनीयता दरक रही, सटीकता और निष्पक्षता बनाए रखने की जरूरत: पीटीआई के सीईओ विजय जोशी

नयी दिल्ली, (भाषा) समाचार एजेंसी 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' (पीटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय जोशी ने रविवार को कहा कि फर्जी खबरें मीडिया की विश्वसनीयता के लिए चुनौती बन रही हैं और साथ ही प्रेस भी कभी-कभी असत्यापित खबरें प्रकाशित करके अपनी विश्वसनीयता को सवालों के घेरे में ला खड़ा करती है।

जोशी ने इसके लिए हाल ही में कई मीडिया संस्थानों द्वारा बीमार अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की गलत खबर प्रसारित किए जाने का उदाहरण दिया।

भारतीय प्रेस परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह को संबोधित करते हुए जोशी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के 'बढ़ते दखल' और गलत सूचना के कारण आने वाली चुनौतियों और मीडिया की विश्वसनीयता बहाल करने की आवश्यकता के बारे में बात की।

इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई, सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। जोशी ने पत्रकारों से 'सत्य, सटीकता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता' के चार आधारभूत सिद्धांतों का पालन करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, ''प्रेस आज अपने सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है, क्योंकि प्रेस की विश्वसनीयता - जो एक स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है - दरक रही है। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते दखल के साथ वैश्विक 'सूचना महामारी' (इन्फोडेमिक) के निरंतर प्रसार के कारण फर्जी खबरों के खतरे का भी सामना कर रही है। यह भरोसा इसलिए टूट रहा है क्योंकि हम अक्सर अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार लेते हैं। हम अपनी रिपोर्टिंग के तरीके से, बल्कि अपनी गलत रिपोर्टिंग से, खुद को ही नीचा दिखाते हैं।'

जोशी ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि पीटीआई ने धर्मेंद्र की कथित

मौत की खबर देने से इनकार कर दिया क्योंकि किसी भी आधिकारिक व्यक्ति ने इसकी पुष्टि नहीं की थी। उन्होंने कहा कि इसी तरह पीटीआई ने पूनम पांडे की कथित मौत की खबर भी नहीं दी, जो कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक ''प्रैंक'' साबित हुआ।

जोशी ने कहा कि पीटीआई ने बहुत ही सुविचारित दृष्टि के साथ तात्कालिकता की बजाय सटीकता को प्राथमिकता दी है और उसे गलती स्वीकार करने, समाचार रिपोर्ट में सुधार करने या अधिक संतुलन प्रदान करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है।

जोशी ने कहा, ''इस संस्थागत अनुशासन और तथ्यों को सही ढंग से प्रस्तुत करने की प्रतिबद्धता ने पीटीआई को लाखों भारतीयों और हमारी सेवा पर निर्भर मीडिया संस्थानों के लिए समाचार का एक विश्वसनीय स्रोत बने रहने में मदद की है।'' उन्होंने कहा कि मीडिया ने ठोस तथ्यों की बजाय जल्दबाजी को और विश्वसनीयता की बजाय 'क्लिक' के पीछे भागने को प्राथमिकता दी है, जिससे गलत सूचनाओं की बाढ़ सी आ गयी है। जोशी ने कहा, ''इससे जनता के विश्वास में खतरनाक गिरावट आई है। उस विश्वास को बहाल करना हर पत्रकार और मीडिया संगठन के लिए सबसे महत्वपूर्ण मिशन है।''

उन्होंने कहा, '' इन सभी दबावों - व्यावसायिक, राजनीतिक, गति- के बीच समाचार संस्थानों को हरसंभव तरीके से सटीकता, निष्पक्षता और जवाबदेही को बरकरार रखना चाहिए। यही विश्वसनीयता का मूल है।'' उन्होंने कहा कि पीटीआई ने गलत सूचनाओं की बाढ़ से निपटने के लिए एक 'फैक्ट चेक' डेस्क स्थापित किया है। उन्होंने कहा, ''हम किसी चीज को सिर्फ 'झूठा' नहीं कह देते; हम उसे साबित करते हैं। हम अपने काम के तौर-तरीके का विवरण देते हैं, सबूत पेश करते हैं, और बताते हैं कि गलत सूचना कैसे फैलाई गई।''

जोशी ने हर संवाददाता, संपादक और डेस्क को जटिल भ्रामक सूचनाओं की पहचान करने के कौशल से लैस करके इससे लड़ने के लिए एक बहुआयामी सहयोग के प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''आधुनिक पत्रकार को एक कहानीकार और एक डिजिटल जासूस दोनों होना चाहिए।''

जोशी ने शैक्षणिक संस्थानों, तकनीकी मंचों और सरकार के साथ साझेदारी करके राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रेस केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक जनसेवा है।

उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर हो रही है विद्या भारती: यतींद्र कुमार

विश्व के 75 देश में कार्य कर रही है विद्या भारती, सिविल सर्विसेज सेवा में प्रतिवर्ष चयन हो रहा है विद्या भारती के छात्र-छात्राओं का विश्व का सबसे बड़ा शैक्षिक संगठन है विद्या भारती

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली स्थानीय कान्ती कपूर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में द्वि दिवसीय प्रवास पर पहुंचे विद्या भारती के केन्द्रीय अधिकारी माननीय यतींद्र कुमार शर्मा अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री ने प्रथम दिवस में बंदना सत्र में छात्राओं को विद्या भारती के लक्ष्य, संस्कृति एवं स्मृति क्षमता से संबंधित विचारों द्वारा मार्गदर्शन किया। इसी के साथ कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न बैठकें आयोजित हुयी। जिसमें शिशु वाटिका अवलोकन, पंचपदी शिक्षण अवलोकन, अभिभावक बैठक, स्वावलंबी पूर्व छात्र, छात्राओं से वार्ता, संस्कार केन्द्र अवलोकन, प्रबन्ध समिति बैठक आदि विभिन्न चरणों द्वारा सम्पन्न हुई। अभिभावकों से बात करते हुए मा० यतीन्द्र कुमार शर्मा जी, अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री ने कहा विद्या भारती आज 35 लाख छात्र छात्राओं को शिक्षा प्रदान कर रही है जिसमें एक लाख से अधिक आचार्य, आचार्या शिक्षण कार्य कर रहे हैं हर्ष की बात यह है कि हम विश्व के 75 देशों के साथ जुड़कर अपनी प्रतिभा बिखेर रहे हैं, पूर्व छात्रों से विद्या भारती पोर्टल पर जोड़ने का आह्वान किया जिसमें अब तक पूरे देश में 10 लाख से अधिक पूर्व छात्र पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा चुके हैं। निकट भविष्य में उच्च शिक्षा के लिए विद्या भारती अपने प्रकल्प शिक्षण की दिशा में विचार कर रही है।

प्रवास के द्वितीय दिवस में ब्रज प्रांत के सभी प्रमुख जिला केंद्र के प्रबंध समिति टोली, प्रधानाचार्य, प्रबंधक और प्रांत कार्यकारिणी के साथ विद्या भारती के विकास पर चर्चा वार्ता की ।प्रवास के दौरान ब्रज प्रांत के संगठन मंत्री हरिशंकर जी,प्रदेश निरीक्षक नगरीय शिक्षा यशवीर सिंह राघव,सह प्रदेश निरीक्षक, शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश हरवीर सिंह जी ,मंत्री भारतीय शिक्षा समिति, डॉ अनिल गर्ग,प्रदेश प्रभारी, शिशु वाटिका राम किशोर श्रीवास्तव, जिला समन्वयक सुनील कुमार सिंह प्रधानाचार्य सुनील सिंह सरस्वती शिशु मन्दिर नैनीताल मार्ग बरेली, विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्षा डॉ रश्मि शर्मा, व्यवस्थापिका श्रीमती सरोज अग्रवाल, सह व्यवस्थापिका श्रीमती मोना शर्मा , कोषाध्यक्षा डॉ सुषमा दीक्षित, सदस्या डॉ माया खुल्वे एवं प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना जी आदि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रिया सक्सेना द्वारा किया गया। उक्त जानकारी शिशु शिक्षा समिति के जिला मीडिया प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने दी।

मूकबधिर के दृष्टिगत मानवीय पुलिसिंग की ओर ट्रैफिक पुलिस का ध्यान

मूक-बधिरों के लिए संवेदनशील बनेगी ट्रैफिक व्यवस्था, बरेली पुलिस ने आयोजित की विशेष कार्यशाला

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। यातायात व्यवस्था को और अधिक संवेदनशील व सुगम बनाने की पहल करते हुए बरेली पुलिस ने रविवार को पुलिस लाइन स्थित रवींद्रालय सभागार में मूक-बधिर संघ के साथ संयुक्त कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन, एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान के मार्गदर्शन और सीओ ट्रैफिक अंजनी कुमार तिवारी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था यातायात पुलिसकर्मियों को मूक-बधिर व्यक्तियों की संकेत भाषा की जानकारी देना, ताकि सड़क पर किसी भी आकस्मिक या सामान्य स्थिति में उन्हें बेहतर सहायता मिल सके। संघ के प्रतिनिधियों ने पुलिसकर्मियों को विशेष संकेत भाषा के माध्यम से बताया कि मूक-बधिर लोग सड़क पर संवाद कैसे करते हैं। इमरजेंसी, दिशा-निर्देश, पहचान और सहायता से जुड़े संकेतों को पहचानने के व्यावहारिक उदाहरण देकर उन्हें प्रशिक्षित किया गया। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और मौके पर ही संकेत भाषा सीखने का अभ्यास भी किया। अधिकारियों का कहना था कि इस प्रशिक्षण से पुलिसकर्मी न सिर्फ मानवीय पुलिसिंग को मजबूत करेंगे, बल्कि मूक-बधिर व्यक्तियों को समय रहते उचित सहायता भी उपलब्ध करा सकेंगे। मूक-बधिर संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि संवाद की कमी के कारण सड़क पर कई बार दुर्घटना या विवाद की स्थिति बन जाती है। ऐसे में पुलिसकर्मियों द्वारा संकेत भाषा की जानकारी होना बेहद महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान मूक-बधिर व्यक्तियों की गाड़ियों पर विशेष पहचान स्टीकर भी लगाए गए, ताकि चेकिंग या रोकने के दौरान पुलिसकर्मी उन्हें तुरंत पहचानकर सहयोग कर सकें। आयोजकों ने इसे मानवीय पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अमर ज्योति कंपनी ने सैकड़ों लोगों को लगाया लाखों का चूना

रोहिलखंड निधि के नाम पर करते थे प्रतिदिन दो सौ रुपए जमा

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। थाना कोतवाली क्षेत्र के बाग बिग्रटान निवासी कृष्ण मौर्या ने थाने में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाला अनूप मौर्या अपने तीन साथियों अमन मौर्या व सूर्यकांत मौर्या (जो आपस में रिश्तेदार हैं) के साथ मिलकर अमर ज्योति रूहेलखण्ड निधि लिमिटेड, कटरा चाँद खाँ नाम की कंपनी चलाता था। कृष्ण मौर्या के अनुसार, अनूप मौर्या स्वयं को कंपनी का डायरेक्टर/पार्टनर बताकर धन वापसी की गारंटी देता था। पड़ोसी होने के नाते उन्होंने अनूप पर विश्वास कर खाता खुलवाया।

उन्होंने बताया कि 9 मई 2024 को खाता संख्या 111390 (रसीद 638197) खोला, जिसमें वे रोजाना 200 रुपये जमा करते थे। एक वर्ष में उन्होंने 72,000 रुपये जमा किए थे, जिसकी मैच्योरिटी राशि 75,800 रुपये थी, जो 9 जून को पूरी हो गई। जब उन्होंने अनूप से पैसे मांगे तो उसने पासबुक लेकर पैसे लौटाने का आश्वासन दिया। उसी के कहने पर पीड़ित ने एक नया खाता भी खुलवाया – खाता संख्या 113152 (रसीद 662657, दिनांक 01.06.2025), जिसमें 4,300 रुपये और जमा किए।

इसी बीच अनूप मौर्या उनका कुल 80,100 रुपये लेकर फरार हो गया। पीड़ित का आरोप है कि जब वे अनूप के घर गए तो उसके परिवार वालों ने FIR कराने की धमकी, तथा ₹अगर अनूप के बारे में पूछा तो जान से मरवा देंगे₹ कहकर डराया धमकाया। पीड़ित का कहना है कि उन्हें नहीं पता की अनूप मौर्या कहाँ फरार है।

वह उसकी काफी तलाश कर चुका है। थक हारकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। कृष्ण मौर्या द्वारा पुलिस से अपने 80,100 रुपये वापस दिलाने, तथा अनूप मौर्या व सहयोगियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

जमीन माफिया की ठगी: शिक्षक के 68 लाख हड़पे, पत्नी संग रची हत्या की साजिश

शिकायत मंत्री-सांसद तक पहुँची तो दर्ज हुई एफआईआर, पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। जमीन के सौदे के नाम पर एक मासूम हिंदू शिक्षक को 68 लाख रुपये का चूना लगाने और फिर उसकी हत्या की साजिश रचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित शिक्षक की शिकायत प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर और सांसद छत्रपाल गंगवार तक पहुँचने के बाद पूरे मामले में हलचल मच गई। एसएसपी के आदेश पर थाना बिथरी पुलिस ने मुख्य आरोपी बाबू मोहम्मद, उसकी पत्नी और दो साथियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना बिथरी क्षेत्र के ग्राम इटौआ बैनीराम निवासी शिक्षक नरोत्तम सिंह ने बताया कि उन्होंने ग्राम उडला जागीर के रहने वाले बाबू मोहम्मद से जमीन का सौदा किया था। सौदा रजिस्टर्ड एग्रीमेंट पर हुआ, और नरोत्तम ने शुरूआत में चेक संख्या 484533 से 5 लाख रुपये दिए। जमीन का कब्जा भी उन्हें दे दिया गया। इसके बाद बाबू मोहम्मद लगातार रजिस्ट्री कराने के नाम पर रुपयों की मांग करता रहा और कुल 68 लाख रुपये हड़प लिए। लेन-देन के वीडियो और साक्ष्य भी नरोत्तम के पास मौजूद हैं। जब नरोत्तम ने रजिस्ट्री कराने की बात कही तो बाबू मोहम्मद दबंगई पर उतर आया। धमकी देते हुए बोला तय रकम से 15 लाख रुपये और दोगे तभी रजिस्ट्री होगी।जीवनभर की कमाई डूबने के डर से पीड़ित बेहद परेशान हो गया। शिक्षक के अनुसार, बाबू मोहम्मद ने 12 अगस्त 2025 की शाम उसे अपने घर बुलाया। जैसे ही वह पहुंचा, आरोपी और उसकी पत्नी ने उसे अंदर ले जाकर जाल में फंसा लिया। कमरे के अंदर पहले से दो अज्ञात युवक मौजूद थे। आरोप है कि बाबू मोहम्मद, उसकी पत्नी, दो साथी ने मिलकर नरोत्तम को पकड़ लिया और गमछे का फंदा डालकर जान से मारने की कोशिश करने लगे। पीड़ित ने बताया कि योजना थी कि उसकी हत्या कर लाश गायब कर दी जाए। काफी संघर्ष के बाद नरोत्तम हमलावरों को धक्का मारकर किसी तरह बाहर निकल भागा और अपनी जान बचाई।

मंत्री संसद से गुहार लगाई एसएसपी के आदेश पर कार्रवाई

डर और धमकियों से परेशान होकर पीड़ित ने प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर,सांसद छत्रपाल गंगवार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाई। मंत्री ने तुरंत कार्रवाई का निर्देश दिया। एसएसपी अनुराग के आदेश पर थाना बिथरी पुलिस ने बाबू मोहम्मद, उसकी पत्नी, दो साथियों के खिलाफ ठगी, जालसाजी, धमकी, साजिश व हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराओं में FIR दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

योगी सरकार में किसान खुशहाल, धान खरीद ने पकड़ी रफ्तार

बरेली मंडल ने अब तक 1.06 लाख एमटी धान की खरीद, 24,536 लाख का हो चुका भुगतान

किसानों के खेतों तक पहुंच रहे खाद्य विपणन विभाग के अधिकारी, हो रही सीधी खरीद

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली/ किसानों को उनकी फसल का 48 घंटे के अंदर भुगतान करवाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद खाद्य एवं विपणन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। किसानों के पास जाकर धान की खरीद की जा रही है। 1 नवंबर 2025 से शुरू होकर 28 फरवरी 2026 तक धान खरीद चलेगी। बरेली समेत समूचे पश्चिमी यूपी में 1 अक्टूबर 2025 से धान की खरीद की जा रही है। योगी सरकार धान किसानों को उनकी उपज के बदले न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत भुगतान कर रही है। योगी सरकार ने सामान्य धान के लिये 2369 रुपये क़्वींटल और ग्रेड ए धान के लिये 2389 रुपये क़्वींटल समर्थन मूल्य तय किया है। बरेली मंडल में धान खरीद और उतार को लेकर तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। क्रय केंद्रों से राइस मिलों को संबद्ध कर दिया गया है। रीजनल फूड मार्केटिंग ऑफिसर सचिन चौरसिया ने बताया कि बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं जिलों के लिए 7 लाख 19 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित है। अब तक मंडल में 1,06,853 मीट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है। मंडल के 17,077 किसानों के खातों में 24,536 लाख रुपये का भुगतान भेजा जा चुका है। उन्होंने सभी क्रय केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया है कि किसानों से लगातार संपर्क बनाए रखें। धान खरीद की गति बढ़ाएँ। भुगतान में एक भी दिन की देरी न हो, ताकि किसान समय से गेहूं की बुवाई कर सकें।

प्रदेश में 43105 से अधिक किसानों में 545 करोड़ का भुगतान: सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 2.86 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद नोडल एजेंसियों द्वारा की जा चुकी है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष से 65,820 टन अधिक है। पूरे प्रदेश में 43,105 से अधिक किसानों के खातों में अब तक 545 करोड़ रुपये सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजे जा चुके हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि किसी भी किसान का भुगतान लंबित नहीं रहेगा और आधार-लिंक्ड खाते में धनराशि सीधे स्थानांतरित होगी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जायेगा। एक-एक किसान को समय से उसका हक मिलेगा। जब तक किसानों के पास धान रहेगा। सरकारी क्रय केंद्र बंद नहीं होंगे। धान खरीद के मौजूदा आंकड़ों और फरवरी तक बढ़ाई गई अवधि के बाद उम्मीद है कि प्रदेश में 60 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के करीब पहुंच जाएगा।

अखाड़ा बना नगर निगम बरेली...

कभी अधिकारियों से बदसलूकी तो कभी कर्मचारी की पिटाई

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। नगर निगम के जन्म-मृत्यु कार्यालय में तैनात सफाई नायक से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का दबाव डालकर मारपीट और लूटपाट किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपियों ने कर्मचारी की बेरहमी से पिटाई कर उसकी जेब से पर्स और गले से सोने की चेन भी लूट ली। पीड़ित ने कोतवाली में हिस्ट्रीशीटर काशीनाथ समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वार्ड-62 चकमहमूद में तैनात सफाई नायक हेमंत कुमार ने बताया कि 7 नवंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे वह सरकारी कार्य से जन्म-मृत्यु कार्यालय पहुंचे थे। तभी सत्यार्थ प्रताप सिंह और उसका एक रिश्तेदार वहां आया और फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का दबाव डालने लगा। हेमंत के इनकार करने पर दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर विवाद शांत कराया। इसी दौरान दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन कर हेमंत को बाहर बुलाया गया। जैसे ही वह बाहर पहुंचे, वहां सत्यार्थ प्रताप सिंह, काशीनाथ अमित, अभिषेक भारद्वाज, काशीनाथ का भतीजा और कुछ अन्य अज्ञात लोग पहले से घात लगाए बैठे थे। आरोप है कि काशीनाथ ने कॉलर पकड़ते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और अन्य लोगों ने हेलमेट व मुक्कों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान हेमंत का पर्स गिर गया, जिसमें 6500 रुपये,आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज थे। साथ ही उनके गले की सोने की चेन भी गायब हो गई। हेमंत का कहना है कि काशीनाथ खुद को बरेली का हिस्ट्रीशीटर बताते हुए धमकी दे रहा था कि शिकायत की तो चौराहे पर जान से मरवा दूंगा। डर के चलते हेमंत को काशीनाथ के बेटे सत्यार्थ के पैर छूकर माफी मांगनी पड़ी, तब जाकर आरोपियों ने उन्हें छोड़ा। यहां आपको यह भी बताते चलें, अभी कुछ दिन पूर्व नगर निगम प्रांगण में एबीवीपी द्वारा नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों का घेराव किया गया और उत्तेजित होकर विरोध प्रदर्शन किया गया।यह विवाद नेशनल मीडिया की सुर्खियां बना, मेयर उमेश गौतम द्वारा बीच में पड़कर किसी तरह मामले को रफा दफा किया गया था। अब इस प्रकार खुद को हिस्ट्रीशिटर बताकर दबंगों द्वारा कर्मचारियों की पिटाई नगर निगम में अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों व साइबर अपराध की जानकारी देकर किया जागरूक

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता/बछरायूं। थाना क्षेत्रान्तर्गत पुलिस द्वारा महिलाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों पर महिला 1090, आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, व साइबर हेल्पलाइन 1930 की विस्तृत जानकारी देते हुए पैम्पलेट वितरित किए। पुलिस कर्मियों ने बताया कि बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए सतर्क रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने महिलाओं को अनजान लिंक, कॉल और संदिग्ध मैसेज से दूरी बनाए रखने तथा किसी भी धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी। साथ ही महिलाओं को घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या किसी भी असुरक्षा की स्थिति में तुरंत पुलिस से मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें तकनीकी और सामाजिक दोनों तरह से सशक्त बनाना बताया गया।

बिथरी चैनपुर में दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत, दो की मौत, मोर्चरी में हंगामा

नेशनल एक्सप्रेस/बरेली/बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में रविवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। अमित के परिवार को जब घटना के बाद पता चला कि शव जिला अस्पताल पहुंच गया है, तो परिजन तुरंत दौड़ पड़े। मोर्चरी में शव देखने को लेकर भारी हंगामा हुआ। गुस्साए परिजन मोर्चरी का दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकालने की कोशिश करने लगे। मौके पर मौजूद अस्पताल स्टाफ ने समझाकर किसी तरह हालात शांत कराए। अमित की पत्नी सर्वेश और देवेश की पत्नी अनामिका का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे ने दोनों परिवारों के छोटे बच्चों पर गहरा असर छोड़ा है, दोनों परिवार में मातम पसरा। मृतकों में से एक की पहचान ग्राम कमुआ खुर्द निवासी अमित पटेल (पुत्र सुरेश पाल) के रूप में हुई है। उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। अमित भगवतीपुर में किराना की दुकान चलाते थे और घटना के समय सुबह खाद लेने जा रहे थे। दूसरे मृतक की पहचान थाना हाफिजगंज के ग्राम अलइया निवासी देवेश गंगवार (27 वर्ष, पुत्र विशंभर सिंह) के तौर पर हुई है। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देवेश बरेली में अपना क्लब में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। उनके परिवार में एक साल का छोटा बेटा है। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। बिथरी चैनपुर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वार्ड गजेटियर तैयारी को लेकर उप नगरायुक्त ने ली बैठक

40 वार्डों में टीमों की ड्यूटी, 17 नवंबर को होगी ऑनलाइन बैठक

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो अमरोहा।

नगर पालिका परिषद अमरोहा में उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ सभागार में बैठक कर वार्ड गजेटियर तैयार किए जाने संबंधी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद मंडल के समस्त निकायों में वार्ड गजेटियर तैयार करने और वार्ड दिवस आयोजित करने के आदेश जारी किए गए हैं। कहा कि अपर जिलाधिकारी के निर्देश पर वार्डवार सर्वे के लिए पालिका कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। नगर के 40 वार्डों में प्रत्येक वार्ड पर चार-चार कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जिन्हें सर्वे के लिए आवश्यक कार्य योजना, भवनों पर जाकर ली जाने वाली सूचनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

उप नगरायुक्त ने बताया कि सर्वे को शुद्ध एवं सटीक बनाने हेतु सभी टीमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार वार्डों में जाकर व्यापक जानकारी जुटाएंगी। इसी क्रम में 17 नवंबर 2025 को मंडल के सभी निकायों के अध्यक्षों व सभासदों के साथ ऑनलाइन बैठक आयोजित की जाएगी, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इसके साथ ही पालिका अधिशासी अधिकारी ने भी वार्डवार लगाए गए कर्मियों की बैठक कर दिशा-निर्देश दिए तथा सर्वे को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश जारी किए।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल रहस्यमय तरीके से धू-धूकर जली

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। घर के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल में अचानक आग लग जाने से हड़कंप मच गया। कुछ ही पलों में आग की लपटों ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नाले का पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन पेट्रोल की आग आसानी से काबू में नहीं आ रही थी। करीब कुछ मिनटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया, हालांकि तब तक बाइक पूरी तरह जलकर राख बन चुकी थी। गनीमत रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते आग न बुझाई जाती तो पास खड़े अन्य वाहनों और आसपास के घरों को भी बड़ा नुकसान हो सकता था। जानकारी के अनुसार, रहरा थाना क्षेत्र के रहरा गांव में संभल जिले से धर्मपाल अपने साडू भोला से मिलने आए थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी कर दी थी और कुछ देर बाद अचानक उसमें धुआं उठने लगा, जिसके बाद आग भड़क उठी। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि आग शॉर्ट सर्किट या पेट्रोल रिसाव के कारण लगी हो सकती है। मौके पर मौजूद लोगों ने लगातार पानी डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन पेट्रोल की वजह से आग बार-बार भड़कती रही। आखिरकार काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पा लिया गया, हालांकि मोटरसाइकिल राख में तब्दील हो चुकी थी।

आवास विकास सेकंड से नई क्रेटा कार चोरी, इलाके में दहशत

तीन महीने में दूसरी वारदात, प्रिंसिपल ने पुलिस से बरामदगी की गुहार लगाई

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। नगर की पाश कॉलोनी आवास विकास सेकंड में बीती रात नई क्रेटा कार चोरी होने से हड़कंप मच गया। पिछले तीन, चार महीनों में हुई यह दूसरी कार चोरी की वारदात है, जिससे क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस द्वारा उचित पेट्रोलिंग की जाती, तो संभवतः चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगता। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल स्नेहलता वर्मा के घर के बाहर खड़ी उनकी नई क्रेटा गाड़ी गायब है। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक रात 12:33 बजे चोर गाड़ी को लेकर फरार हो गए। फुटेज से स्पष्ट हुआ कि चोर आई-20 कार से आए थे और लगभग दस मिनट तक रेकी करने के बाद शीशा तोड़कर गाड़ी को चोरी कर ले गए। घटना के समय परिवार गहरी नींद में था।

परिवार का कहना है कि तीन महीने पहले भी इलाके से एक कार इसी तरीके से चोरी हुई थी, जिससे लोगों में दहशत बढ़ गई है। स्नेहलता वर्मा ने पुलिस से अपनी गाड़ी की तत्काल बरामदगी की मांग करते हुए कहा कि यदि चोरी हुई गाड़ी का इस्तेमाल किसी गंभीर वारदात में हुआ तो जिम्मेदारी किसकी होगी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सीओ अंजलि कटारिया ने किया थाने का वार्षिक निरीक्षण

अभिलेख, शस्त्रागार, बैरक व सफाई व्यवस्था की गहन जांच

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता धनौरा।

रविवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने धनौरा थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। थाना परिसर में पहुंचते ही पुलिस कर्मियों ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद उन्होंने थाने में मौजूद सभी अभिलेखों की बारीकी से जांच की।

सीओ ने शस्त्रागार में शस्त्रों का निरीक्षण करते हुए उनके रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बैरक और थाना परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था भी परखी गई। उन्होंने बीटवार अपराध, निरोधात्मक कार्यवाही, गिरफ्तारी एवं लंबित विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा की।

सीओ अंजलि कटारिया ने लंबित विवेचनाओं को जल्द निपटाने और क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस गश्त को मजबूत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान, लोगों ने लिया सुरक्षित यातायात का संकल्प

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

सम्भल/बहजोई। रविवार को बहजोई में यातायात माह नवंबर 2025 के तहत सड़क सुरक्षा जनजागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक संभल के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात व प्रभारी यातायात के नेतृत्व में चले इस अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और वाहन चालक शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस टीम ने आमजन को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों और सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग, वाहन की सुरक्षित गति, ओवरलोडिंग से बचाव, तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यातायात नियमों के पालन से सड़क हादसों में बड़ी कमी लाई जा सकती है। इस अवसर पर राहवीर योजना की भी जानकारी दी गई, जिसके अंतर्गत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की सहायता करने

वाले को न केवल कानूनी संरक्षण मिलता है, बल्कि प्रशासन द्वारा प्रोत्साहन भी प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का सामूहिक संकल्प लिया। पुलिस टीम ने सभी से सुरक्षित, सतर्क और जिम्मेदार यातायात व्यवहार अपनाने की अपील की।

जिलाधिकारी सम्भल को दिल्ली में मिला राष्ट्रीय सम्मान

- चौथे वार्षिक नेक्सस ऑफ गुड अवार्ड 2025 में प्रशासनिक नवाचारों को मिली पहचान

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

सम्भल/बहजोई। जिला सम्भल के लिए गर्व का क्षण तब आया जब नेक्सस ऑफ गुड फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित चौथे वार्षिक पुरस्कार समारोह 2025 में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। दिल्ली स्थित पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में यह प्रतिष्ठित अवार्ड भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट सचिव बी.के. चतुर्वेदी आईएएस द्वारा जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट को प्रदान किया गया।

सम्भल के विकास मॉडल ने खींचा राष्ट्रीय ध्यान: जिलाधिकारी डॉ. पैंसिया के नेतृत्व में जिला सम्भल में प्रशासनिक सुधारों और विकास की दिशा में किए गए प्रयासों ने जनपद को नई पहचान दिलाई है। इन्हीं कार्यों के आधार पर नेक्सस ऑफ गुड फाउंडेशन ने सम्भल को देश के उत्कृष्ट जिलों में शामिल करते हुए यह सम्मान प्रदान किया। जिला प्रशासन द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों में प्राथमिक शिक्षा में क, ख, ग, घ मिशन के माध्यम से शिक्षा की पुनर्कल्पना पीएम श्री स्कूलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने हेतु ह्यसम्भल संवाद्ह्न ऐप विकास योजनाओं की निगरानी के लिए डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट उद्घटव एक जिला पाँच नदियाँ अभियान के अंतर्गत नदियों का पुनरुद्धार सम्भल की 68 प्राचीन तीर्थ स्थलों 19 महा कूपों और 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग के संरक्षण एवं विकास ग्राम्य

विकास आंगनवाड़ी तंत्र और पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए शुरू किए गए कई प्रयास इन सभी पहलों ने सम्भल को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान दिलाया।

ज्यूरी ने माना सम्भल में हो रहा है रचनात्मक परिवर्तन

अवार्ड का चयन संघ लोक सेवा आयोग UPSC के पूर्व अध्यक्ष दीपक गुप्ता की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ ज्यूरी द्वारा किया गया। ज्यूरी ने माना कि सम्भल में शासन, शिक्षा, तकनीक, पर्यावरण, जल संरक्षण और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यों ने जनपद की छवि को बदला है और ये प्रयास अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा बने हैं। समारोह में पूर्व आईपीएस किरण बेदी के एनजीओ सहित कई राष्ट्रीय संस्थाओं और अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। बताते चलें कि नेक्सस ऑफ गुड फाउंडेशन की स्थापना भारत सरकार के पूर्व मानव संसाधन विकास सचिव अनिल स्वरूप द्वारा समाज में अच्छाइयों के प्रसार और सकारात्मक पहलों को पहचान देने के उद्देश्य से की गई थी।

सम्भल प्रशासन के प्रयासों को मिली बड़ी उपलब्धि

अवार्ड समारोह में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि यह सम्मान सम्पूर्ण सम्भल प्रशासन और टीम भावना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी डॉ. पैंसिया के नेतृत्व में प्रारंभ किए गए नवाचार आगे भी जारी रहेंगे ताकि सम्भल को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सके।

युवा मोर्चा ने आयोजित किया आत्मनिर्भर भारत संकल्प युवा सम्मेलन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत आज भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वाधान में नगर कार्यालय सुभाष रोड पर भव्य युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता कर आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी चंद्रपाल सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग समय की मांग है। साथ

ही वर्तमान में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में अधिक से अधिक युवाओं को जुड़ने और जागरूकता फैलाने की अपील की जिला उपाध्यक्ष मनोज कठेरिया ने अपने संबोधन में स्वदेशी वस्तुओं के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाने से न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है बल्कि स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा मिलता है। नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता दे। संगठन के माध्यम से इस संदेश को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त आकाश आहूजा ने किया। सम्मेलन में पूर्व नगर अध्यक्ष गिरीश रतन, तरुण कुमार नीरज, रोहित दिवाकर, देवेंद्र गुप्ता मोनू, चिंटू शर्मा, शुभम अग्रवाल, क्रांति कुमार, अनुभव श्रीवास्तव, विमल कश्यप, अजय प्रजापति, शोभित धवन, सावन शर्मा, अनमोल वार्ष्णेय, सुमित कश्यप सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्पीड ब्रेकर पर झटका लगने से टेंपो से गिरा डेढ़ साल का मासूम, मौत

- मौके पर ही मासूम ने तोड़ा दम टेंपो चालक फरार

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चन्दौसी। भवानीपुर से अपने गांव कन्हैया नगला लौट रहे इकरार का परिवार रविवार दोपहर नरौली में दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। इकरार अपनी पत्नी शबीना दो बेटियों और डेढ़ साल के बेटे अनस के साथ टेंपो से घर जा रहा था।नरौली कस्बे की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी के सामने बने स्पीड ब्रेकर पर अचानक चालक ने जोर से ब्रेक लगा दिया। झटके के कारण शबीना अपनी गोद में लिए बेटे अनस के साथ संतुलन नहीं

बना सकीं और दोनों टेंपो से सड़क पर गिर पड़े। गिरने से मासूम अनस को गंभीर चोट आ गई जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि शबीना घायल हो गईं। परिजन बच्चे को तुरंत सीएचसी नरौली लेकर पहुंचे लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजन अनस को चंदौसी के मौलागढ़ स्थित निजी अस्पताल ले गए जहाँ चिकित्सकों ने भी उसकी मौत की पुष्टि कर दी। हादसे के दौरान मची अफरातफरी का फायदा उठाकर टेंपो चालक मौके से फरार हो गया और वाहन अस्पताल के बाहर छोड़ दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना बनियाठेर प्रभारी मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि घटना के संबंध में अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन फरार चालक की तलाश जारी है।

भाजपा एकता यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, विपक्ष की हवा निकल चुकी है : रिंकू चौधरी

नेशनल एक्सप्रेस

गुन्नौर/बबराला। सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी भाजपा ने बबराला से जुनावई तक भव्य एकता यात्रा का आयोजन किया। भाजपा के पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ.राजू यादव और जिला अध्यक्ष रिंकू सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और आमजन शामिल हुए। लोग बाइक, चारपहिया वाहनों और पैदल मार्ग से यात्रा में भाग लेकर भाजपा के प्रति अपने उत्साह और समर्थन का प्रदर्शन कर रहे थे।यात्रा मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। भाजपा कार्यकताओं को फूलमालाओं से सम्मानित किया गया और

जनता ने हाथ हिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। यात्रा के दौरान सेजना मुस्लिम क्षेत्र में विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रिंकू सिंह ने कहा, ₹बिहार में भाजपा की सरकार बनने से यह स्पष्ट हो गया है कि विपक्ष की हवा निकल चुकी है। अब हर तरफ भाजपा की लहर है और आने वाले समय में प्रदेश सहित देश के हर क्षेत्र में भाजपा ही मजबूत होगी। पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ.राजू यादव ने भी अपने संबोधन में कहा, ₹भाजपा की शक्ति दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। बुलडोजर बाबा की सरकार जल्द ही फिर लौटकर आएगी और विकास की नई लहर लेकर आएगी। कार्यक्रम के पश्चात एकता यात्रा का काफिला जुनावई की ओर रवाना हुआ। इस दौरान भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें दीपक यादव, भगवान सिंह विजुआनगला, कुमोद वार्ष्णेय, शंकर सिंह, राजाराम यादव, सौदान सिंह और मानपाल यादव शामिल थे। भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने पूरे मार्ग में अपने जोश और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए यह संदेश दिया कि पार्टी हर मोर्चे पर मजबूत स्थिति में है और आगामी चुनावों में भी उसकी विजय सुनिश्चित है।

अभायु उद्योग व्यापार मंडल ने बिजली कटौती को लेकर सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी ।अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में उप-विभागीय अधिकारी अजय चौरसिया के माध्यम से प्रबंध निदेशक विद्युत विभाग उत्तर प्रदेश सरकार को प्रेषित ज्ञापन दिया ज्ञापन के माध्यम से वर्तमान समय में जो विद्युत शेड्यूल है उस पर असंतोष जाहिर कर बदलने कि मांग की।विद्युत कटौती उस समय की जाती है जब आम जानता को विद्युत की अति आवश्यकता होती है घर के सभी कार्य सुबह में किए जाते है उस समय विद्युत की सप्लाई ना होना एक परेशानी वन जाता है ।नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि सुबह के समय

की यह कटौती लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह बिगाड़ रही है। घरों में महिलाएं गैस या इंडक्शन पर नाश्ता नहीं बना पा रहीं, बच्चों के स्कूल जाने की तैयारी प्रभावित हो रही है। बिजली के ना होने से पानी की सप्लाई भी बाधित हो जाती है । सुबह के समय सेहत के लिए टहलने वाले बुजुर्गों के लिए विद्युत का सुबह के समय ना होना एक बहुत बड़ी समस्या बन गया है बताया कि सुबह का यही समय दिन की सबसे व्यस्त घड़ी होती है, जब हर घर में भागदौड़ चलती है-बच्चों को स्कूल भेजना, नौकरी या व्यापार के लिए तैयारी करना। ऐसे में बिजली जाने से पूरा कामकाज ठप पड़ जाता है।

छात्राओं का अंधेरे में तैयार होकर निकलना खतरे से खाली नहीं है। गलियों और रास्तों में स्ट्रीट लाइटें बंद होने से किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। अत जनमानस की गंभीर समस्या को देखते हुए विद्युत कटौती सुबह पांच से दस बजे तक और शाम पांच से रात के दस बजे तक किसी भी हाल में कटौती नहीं की जाए ।

जनमानस की परेशानी को देखते हुए तत्काल विद्युत शेड्यूल बदला जाए।ज्ञापन में प्रदेश युवा उपाध्यक्ष शाह आलम मंसूरी जिलाध्यक्ष सागर गुप्ता प्रभात कृष्णा मोहित अमोल शर्मा पिंटू सन्नी शर्मा वरुण शर्मा रितिक वार्ष्णेय भाजपा नेता शुभम अग्रवाल मौजूद रहे।

बिहार चुनाव में 32 वैश्य विधायक विजयी होने पर

वैश्य एकता समिति ने मिष्ठान बांटा, आतिशबाजी कर मनाया जश्न

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। बिहार में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव का परिणाम वैश्य समाज के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा मैदान में उतारे गए 63 वैश्य समाज के प्रत्याशियों में से 32 उम्मीदवारों की जीत ने पूरे समाज में नए उत्साह, विश्वास और गौरव का संचार कर दिया है। इस उपलब्धि ने न केवल बिहार, बल्कि उत्तर प्रदेश सहित देशभर में वैश्य समुदाय में खुशी का माहौल पैदा कर दिया है। इसी क्रम में रविवार को वैश्य एकता समिति रजि० उत्तर प्रदेश संगठन के अस्थायी कार्यालय चंदौसी पर समाजजन बड़ी संख्या में एकत्र हुए और भव्य तरीके से विजय जश्न मनाया। कार्यालय परिसर में शुरूआत समिति पदाधिकारियों द्वारा एक-दूसरे को मिठाई खिलाने से हुई। इसके बाद

आतिशबाजी और पटाखों के बीच माहौल उत्साहपूर्ण हो उठा। उपस्थित लोगों ने बिहार में वैश्य समाज के राजनीतिक उभार पर गर्व व्यक्त किया और इसे समाज की एकता का परिणाम बताया। समिति अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार चुनाव में वैश्य समाज ने अभूतपूर्व एकजुटता दिखाते हुए बड़ी संख्या में मतदान किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न दलों द्वारा 63 वैश्य उम्मीदवारों को टिकट दिया जाना समाज की बढ़ती राजनीतिक पकड़ का संकेत है। वहीं उनमें से 32 का विधानसभा में पहुँचना ऐतिहासिक उपलब्धि है। वार्ष्णेय ने कहा यह केवल 32 नेताओं की जीत नहीं बल्कि पूरे वैश्य समाज की प्रतिष्ठा और सम्मान की जीत है। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों को समाज की ओर से शुभकामनाएं दीं और उनकी राजनीतिक सफलता की कामना की। समिति महामंत्री आकाश वार्ष्णेय ने कहा कि बिहार के चुनाव परिणामों ने समाज को नई दिशा और नई प्रेरणा दी है।

उन्होंने कहा कि वैश्य समाज ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है और आज की यह सफलता उसी निरंतर मेहनत और ईमानदारी का प्रतिफल है। साथ ही उन्होंने भविष्य में समाज को और मजबूत करने हेतु कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में मौजूद सदस्यों ने भी अपने विचार रखे। उनका कहना था कि बिहार में वैश्य समाज की जीत से न केवल राजनीतिक शक्ति बढ़ी है बल्कि समाज की नई पीढ़ी को भी राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा मिली है। कई सदस्यों ने कहा कि यह जीत अब पूरे देश में समाज की एकता और सामूहिक शक्ति को प्रदर्शित करेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख सदस्य

दीपेश वार्ष्णेय,डॉ. दिशांत गुप्ता,विपिन बालाजी,क्षितिज गुप्ता,अभिषेक गुप्ता,चंदौसी नगर अध्यक्ष सुमित वार्ष्णेय,मोहित बंसल,बृजेश चंद वार्ष्णेय,हेमंत वार्ष्णेय,सजल सिंघल,संजीव वार्ष्णेय,मधुर गुप्ता,अभिनव वार्ष्णेय सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरे आयोजन स्थल पर खुशी और गर्व का वातावरण छाया रहा। आतिशबाजी की चमक और मिठाइयों की खुशबू के बीच चंदौसी में वैश्य समाज ने इस ऐतिहासिक जीत को उत्सव की तरह मनाया और आने वाले समय में समाज की मजबूती और एकजुटता का संकल्प लिया।

स्कूल में 100 उठक-बैठक कराने पर हुई छठी कक्षा की छात्रा की मौत के विरोध में लोगों ने किया प्रदर्शन

पालघर,(भाषा)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में देर से स्कूल पहुंचने पर कथित तौर पर 100 उठक-बैठक लगवाने के कारण हुई 12 वर्षीय एक लड़की मौत पर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने शनिवार देर रात इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि परिवार, गवाहों और स्कूल कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। स्थानीय लोग शनिवार रात वसई पूर्व के सातीवली में बड़ी संख्या में एकत्र हुए और छठी कक्षा की एक छात्रा के शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। शुक्रवार रात मुंबई के एक अस्पताल में इस छात्रा की मौत हो गई थी। आठ नवंबर को स्कूल में देरी से पहुंचने पर इस लड़की से कथित तौर पर 100 उठक-बैठक करवाया गया था। उसकी मां ने आरोप लगाया है कि उसकी बेटी की मौत उसके शिक्षक द्वारा दी गई अमानवीय सजा के परिणामस्वरूप हुई, जिसने उसे स्कूल बैग पीठ पर रखकर उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया था। स्थानीय लोगों ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया और तत्काल जवाबदेही तय करने की मांग की। जब लड़की का शव इलाके में लाया गया, तो सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए और स्कूल एवं संबंधित शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग करने लगे। पुलिस द्वारा मामला दर्ज किये जाने और परिवार को सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिये जाने के बाद ही देर रात अंतिम संस्कार किया गया। वसई के प्रखंड शिक्षा अधिकारी पांडुरंग गलांगे ने पीटीआई-भाषा से कहा कि अधिकारी शनिवार को स्कूल गए थे, लेकिन कोई भी विद्यालय कर्मी मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा, शिक्षा अधिकारी सोमवार को जांच के लिए स्कूल का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग पुलिस जांच में पूरा सहयोग करेगा और निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई करेगा।

भाषा सम्मान से ही राष्ट्र का उत्थान संभव: कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गजरौला। नगर के सनातन धर्म संस्कृत माध्यमिक विद्यालय में रविवार को वार्षिकोत्सव एवं नव-निर्मित भवन का लोकार्पण कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि विश्व के विकसित देशों ने अपनी भाषा के माध्यम से ही उन्नति की है, जबकि हम अंग्रेजी के पीछे भागकर अपनी ही भाषा की उपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सोच को बदलना होगा और सनातन संस्कृति व भाषा के संरक्षण एवं विस्तार के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे।

अनन्त विभूषित 1008 स्वामी श्री महानंद ब्रह्मचारी ने संस्कृत भाषण देते हुए संस्कृत विद्यालयों के संरक्षण और विकास पर समाज का ध्यान आकर्षित किया। कहा कि संस्कृत से बच्चों में संस्कार और चरित्र दोनों का निर्माण होता है। श्यामलाल शास्त्री, इंजीनियर केशवशरण शर्मा और प्रबंधक बसंत सारस्वत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय के छात्रों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में महेन्द्रपाल शर्मा, मुकेश शर्मा, निर्भय शर्मा, मदनपाल शर्मा, मनोज शर्मा, अश्वनी शर्मा, समीर प्रभाकर, खेमराज शर्मा, डॉ. रविन्द्र शुक्ल, देवेश कुमार शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, ध्यान सिंह सहित कई सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य कुमार प्रभाकर ने किया।

स्वामी भूमानंद सेवा ट्रस्ट ने 1194वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ का किया आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। स्वामी भूमानंद सेवा ट्रस्ट द्वारा रविवार को चंदौसी स्थित संयुक्त चिकित्सालय परिसर में स्थित श्री महामृत्युंजय मंदिर में 1194 वां संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ बड़े भक्ति और श्रद्धा भाव के साथ संपन्न हुआ। यह धार्मिक आयोजन स्थानीय भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत में श्री योगेंद्र प्रसाद जोशी द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद के. जी. शर्मा और राजेश शंखधर ने वंदनाओं और चालीसा पाठ के माध्यम से पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण स्थापित किया। सुंदरकांड के चौपाइयों का विस्तारपूर्वक

पाठ अजय सक्सेना और विशाल शर्मा ने किया, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने ध्यानपूर्वक सुना और पूरे श्रद्धा भाव से आदर व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने सुंदरकांड पाठ में सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। इस धार्मिक आयोजन ने सभी उपस्थित भक्तों के मन और आत्मा को आध्यात्मिक अनुभव से भर दिया। आयोजन में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे डॉ. बी.पी. जोशी, वाई.के. शर्मा, जे.एन. मिश्रा, आलोक दुबे, विजेंद्र शर्मा, बृजेश वार्ष्णेय, कल्पना वार्ष्णेय, सुरेश चंद्र शर्मा, संजीव शर्मा, एस.सी. दुबे, सच्चिदानंद शर्मा, राकेश चौबे, टी.सी. शर्मा, रमेश ग्रेवाल, अशोक पाठक, गंगाराम शर्मा, रामकिशन अग्रवाल, पी.एन. शर्मा, सुदर्शन वार्ष्णेय, मयंक, पवन, मनोज शर्मा, सुमित शर्मा, सूरज पाराशरी सहित अनेक भक्तजन। कार्यक्रम का समापन आरती के साथ हुआ और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन ने स्थानीय समुदाय में धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देने का काम किया।

पूर्व मुख्यमंत्री वसंतराव नाइक सरकार की जल संरक्षण योजना के प्रेरणास्रोत: फडणवीस

छत्रपति संभाजीनगर,(भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार की प्रमुख जल संरक्षण योजना जलयुक्त शिवार पूर्व मुख्यमंत्री (दिवंगत) वसंतराव नाइक द्वारा शुरू की गई पहल पर आधारित है। फडणवीस ने नाइक के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि जल संरक्षण की दिशा में उनके काम ने महाराष्ट्र को खाद्यान्न और पानी के मामले में आत्मनिर्भर बनाया है। मुख्यमंत्री ने छत्रपति संभाजीनगर में नाइक की प्रतिमा और स्वतंत्रता सेनानी स्वामी रामानंद तीर्थ की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र को 1972 में भयंकर सूखे का सामना करना पड़ा था। उस चुनौतीपूर्ण समय में नाइक ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को रोजगार प्रदान किया। जल संरक्षण में उनके निरंतर कार्य ने महाराष्ट्र को खाद्यान्न और पानी के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। हमने उनके पदचिह्नों पर चलते हुए जलयुक्त शिवार योजना बनाई। फडणवीस ने बंजारा समुदाय के कल्याण के लिए सरकार द्वारा किए गए निवेश का भी उल्लेख किया, जिस समूह से वसंतराव नाइक आते थे।

संपादकीय

सीबीएसई के आईने में शिक्षक

हिमाचल के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई बोर्ड का प्रवेश दरअसल अध्ययन और अध्यापन की परिपाटी बदलने का एक यज्ञ है। सरकार के सौ स्कूल अपने परिसर को मुकम्मल करने के चिराग जला रहे हैं। यहां स्कूल की पहचान, शिक्षा का ज्ञान, अध्यापक की आन और परिसर की शान बदल रही है। वैसे तो हिमाचल ने शिक्षा क्षेत्र के दायित्व में प्राइमरी से विश्वविद्यालय तक के सफर को हर छोर से जोड़ा है, लेकिन अब मसला गुणवत्ता के हिसाब से अभिभावकों के विश्वास का है। हिमाचल के अभिभावक को एक स्कूल में क्या चाहिए, इस प्रश्न की तलाशी में प्रदेश का अपना स्कूल शिक्षा बोर्ड पिछड़ गया या शिक्षा विभाग का ढर्रा ढह गया। यह दीगर है कि अपनी शर्तों के आखेट में स्कूल शिक्षा बोर्ड परीक्षा बोर्ड बनकर रह गया। बोर्ड की आमदनी में निजी पाठशालाओं के छात्रों ने इतनी क्षमता तो जाहिर की कि सरकारी स्कूल सिर्फ एक सियासी तरबूज बन गया। बहरहाल सरकारी अध्यापक के सामने सीबीएसई का आईना रखा जा रहा है। तस्वीर तो सुंदर है, मगर शर्त यह भी है कि आईने के सामने नहा कर आना पड़ेगा। शिक्षा के फलक पर शिक्षक का मूल्यांकन अनेक तरह से नहीं हो सकता, लेकिन हिमाचल में इस प्राणी को सरकारी नौकरी ने ढोया है। यानी वह केंद्रीय, राज्यीय योजनाओं के अलावा बच्चों के भविष्य की कठपुतली बन चुका है। बच्चे स्कूल में प्रवेश कराए जाएं या परीक्षा में आगे बढ़ाए जाएं, यह पूरी व्यवस्था पिछले बेंच में बैठा शिक्षक तय नहीं करता, फिर भी सारे दोष उसके ऊपर लाद दिए गए। क्या सरकारी स्कूल सरकारी अध्यापक ने बर्बाद किए या शिक्षा विभाग के लक्ष्यों में वह कठपुतली बन गया। ऐसे में अब सरकारी स्कूलों के बीच प्रथम व दोयम होने की वकालत में शिक्षक का स्वरूप भी बंटेगा।

सीबीएसई पाठ्यक्रम ने स्कूल शिक्षा बोर्ड के एकछत्र साम्राज्य के तहत बिगड़े माहौल, अभिभावकों के अविश्वास और शिक्षकों के नाच को बदलने की चुनौती दी है। स्कूल परिसर में सीबीएसई का निबंध सर्वप्रथम सरकारी अध्यापक पढ़ेगा। वह नेट से गुजरे या सेट से अव्वल हो, आइंदा अध्यापकों की एक 'प्रथम कैटेगिरी' हमें सीबीएसई स्कूलों में मिलेगी। एक स्थायित्व के कॉडर से ये अध्यापक अब भविष्य का दारोमदार ओढ़ सकेंगे। दूसरी ओर राज्य के सामान्य स्कूलों की चारित्रिक पड़ताल में केवल शिक्षक और पाठ्यक्रम को ही चिन्हित करके कमजोरियां दूर नहीं होंगी। दरअसल हमने शिक्षा की नींव को कमजोर करने की सियासी अठखेलियां की हैं। स्कूलों के औचित्य को पहचाने बिना इन्हें स्तरोन्नत करते गए। स्कूल का मकसद ही अगर क्षेत्रीय राजनीति को संतुष्ट करना रहा, तो अध्यापक भी इसी जुगाड़ की मशीन बन कर स्थानांतरण के विशेषाधिकार की काबिलीयत में स्तरोन्नत हो गया। ऐसे में सीबीएसई स्कूल परिसर से परिकल्पना तक शिक्षक की भूमिका बदलने की अभिलाषा पैदा कर रहे हैं, लेकिन इस यात्रा का अगला पड़ाव इसी संदर्भ में ऐसे कालेजों की श्रेष्ठता में दर्ज होना चाहिए, जो दिल्ली विश्वविद्यालय की तरह राष्ट्रीय योग्यता का परचम फहरा दें। भले ही हिमाचल में शिमला, मंडी और केंद्रीय विश्वविद्यालय के तहत उच्च अध्ययन की पाठशाला चल रही हैं, लेकिन छात्रों का एक समूह अब हिमाचल के बाहर कालेज-विश्वविद्यालय खोज रहा है। कहीं तो हिमाचल के कालेज-विश्वविद्यालयों से हट कर शिक्षा का जहां मुकम्मल करने की चुनौती है।

राजनीतिः

बिहार में उड़े 'गर्दे' के गूढ़ार्थ !

एनडीए को प्रचंड बहुमत, महागठबंधन को भारी घाटा !

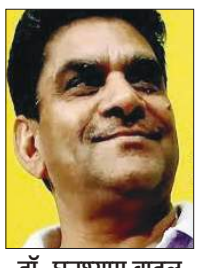
डॉ. घनश्याम बादल

इस विधानसभा चुनाव में बिहार ने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए नीतीश कुमार और भाजपा नीत एनडीए को प्रचंड जीत दिलवाते हुए राजनीति का एक नया मिथ रच बड़ा संदेश दिया है । यह संदेश बहुत साफ है कि यदि आप सरकार में रहकर सचमुच जनकल्याण के कार्य आगे बढ़ाते हैं तो फिर गलतियों के बावजूद जनता आपको सर आंखों पर बिठाती है।

हालांकि पहले दौर के मतदान के बाद ही सर्वेक्षण एजेंटीयों ने राजग की बढ़त की भविष्यवाणी कर दी थी और दूसरे दौर के बंपर मतदान के बाद ज़्यादातर एजेंसियां एनडीए को 130 से 160 सीटें दे रही थी हालांकि तब mumm एजेंसियों के परिणामों पर उंगलियां भी उठाई जा रही थीं लेकिन वास्तविक परिणाम ने जिस तरह राष्ट्रीय जनता दल और सहयोगी दलों के महागठबंधन का सफाthe या किया है वह हैरतअंगेज है।

राहुल तेजस्वी की जोड़ी, एस आई आर और वोट चोरी के साथ-साथ हर घर को नौकरी, माई बहन मान योजना और रैलियों में उमड़ रही भीड़ तथा तेजस्वी एवं राहुल की हुंकार से माहौल भरमा रहा था कि इस बार एनडीए को बहुमत प्राप्त करना आसान नहीं होगा लेकिन बिहारियों के मन को समझना विशेषज्ञों के भी बस से बाहर की बात रही और अंततः एनडीए प्रचंड बहुत के साथ फिर सत्ता में आ गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने न सिर्फ सत्ता बरकरार रखी, बल्कि प्रचंड बहुमत के साथ राजनीति-मंच पर नये समीकरण भी गढ़े हैं। इस जीत के पीछे कई कारण हैं। रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी अमित शाह योगीआदित्यनाथ, नीतीश कुमार और उनके सहयोगियों ने जमकर लाभ उठाया। इसी पृष्ठभूमि में प्रशांत किशोर और राहुल गांधी की रणनीतिक विफलता राजग के लिए सफलता का आधार बनी है।

यदि चुनाव से पहले की स्थितियों पर नजर डालें तो पहले से ही एनडीए लीड ले चुका था। उसने प्रत्याशियों की पहले घोषणा की जबकि महागठबंधन के नेता आपस में लड़ते रहे। टकराव तो राजग में भी दिखाई दिया लेकिन सुगठित चुनाव प्रचार,जनता के मन तक पहुंचना, सरकार की उपलब्धियां, शाह-मोदी तथा नीतीश की तिकड़ी के चमत्कार और लालू यादव के जंगल राज की यादों को ताजा करने की कुशल रणनीति ने एनडीए के चमत्कार को नमस्कार करवा दिया।

एन.डी.ए.इस चुनाव में विकास-विचारधारा को मुद्दा बनाकर, "डबल इंजन सरकार" और सुशासन एजेंडे के साथ मैदान में उतरा था और विपक्ष के एम वाई' (मुसलमान + यादव) के मुकाबले अपने एम वाई (महिला+युवा) की प्रस्तुति ने इस गठबंधन को व्यापक समर्थन दिया। इसके विपरीत, महागठबंधन ने जातिगत वोट बैंक विशेष रूप से मुस्लिम-यादव और नौकरियों-मुद्दों पर ज़ोर दिया लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने "गाँव-गाँव, मुद्दा-मुद्दा" की पहल की और नौकरियों-माइग्रेशन जैसे विषय उठाये, लेकिन उसका असर सीमित रहा। राहुल गांधी की ओर से "वोट चोरी" व एस आई आर मैं गड़बड़ी जैसे आरोप लगाए गए, उनकी रेलिया में भीड़ तो उमड़ी लेकिन 'वोट चोर गद्दी 'छोड़ की अपील जनादेश में बदल नहीं पायी।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा निर्णायक रहे हैं। इस बार एन.डी.ए. ने पिछड़ी अति पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियों दलितों, ओबीसी-गैर-यादवों के हर वर्ग में सेंध लगाने में सफलता प्राप्त की और हर वर्ग से वोट मिलने की वजह से ही इतना प्रचंड बहुमत मिलना संभव हो पाया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार अति पिछड़ी एवं पिछड़ी जातियों के करीब 58 % वोट एन.डी.ए. को मिले। वहीं महागठबंधन की अपने परंपरागत मुस्लिम यादव वोट बैंक पर अत्यधिक निर्भरता और अन्य समूहों के जुड़ पाने की विफलता से राजनीतिक रूप से भारी नुकसान हुआ और वह पहले जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं कर पाया। महागठबंधन की सफलता में एक बड़ा कारण वहां कांग्रेस का ज़मीनी संगठन ने रहना भी रहा ।साथ ही साथ दो साल तक तेजस्वी का नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करना और फिर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाना भी भारी पड़ा।

मिथिलांचल, मगध, शिवहर-सीमांचल आदि में एन.डी.ए. को संतुलित आधार मिला। विरोधी गठबंधन मुख्य रूप से एक-दो क्षेत्रीय और जातिगत धड़ों तक सीमित रहा, जिससे उनकी व्यापक पहुँच ढीली पड़ गयी।

इस जीत में नीतीश कुमार का 'सुशासन बाबू' का ब्रांड भी महत्वपूर्ण रहा। उनका दल जनता दल यूनाइटेड 80% जीत दर के साथ इस बार पहले से लगभग दुगनी सीटों पर जीता तो भारतीय जनता पार्टी ने 90% का स्ट्राइक रेट पाया। इतना ही नहीं इस गठबंधन के तीसरे घटक लोक जनशक्ति पार्टी ने भी 19 सीटें जीतकर बड़ा योगदान दिया। विपक्षी महागठबंधन में नेतृत्व का मुख्यमंत्री का चेहरा बने तेजस्वी यादव और कांग्रेस-आरजेडी-साझेदारी में स्पष्ट अभियान-रणनीति की कमी दिखी और कई स्थानों पर फ्रेंडली मुकाबला भी भारी पड़ा । अस्तु, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एन.डी.ए. की जीत एक रणनीतिक सफलता का पर्याय बनकर सामने आई है जिसमें व्यापक सामाजिक गठबंधन, क्षेत्र-समीकरणों का संतुलन, महिलाओं-युवाओं का सक्रिय हिस्सा और सुशासन-विकास के मुद्दे निर्णायक सिद्ध हुए । इसके विपरीत, महागठबंधन ने अपने परंपरागत वोट बैंक पर बहुत अधिक निर्भरता दिखाई मगर उसमें भी एनडीए को सेंध लगाने से नहीं रोक पाए। प्रशांत किशोर विधानसभा में सीट जीतने में तो सफल नहीं हुए, पर उन्होंने एक लैंड मार्क जरूर स्थापित किया कि अब बिहार की राजनीति अब सिर्फ जातिगत घेराबंदी तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि मुद्दा-आधारित नया वोटर समूह भी अहम होगा। यदि परिणाम पर निगाह डाली जाए तो करीब 50 सीट ऐसी दिखाई देंगी जिनमें हार जीत का अंतर और जन सुराज पार्टी या स्थानीय दलों को मिलने वाली वोट लगभग बराबर रहे यानी इन्होंने यह तय कर दिया कि किसे जिताना है और किसे हराना है।

भले ही एनडीए 2010 के 206 सीटों के निशान को नहीं छू पाया मगर उसने प्रचंड और ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता में वापसी की है। बस, आने वाले दिनों में यह ज़रूर देखने को मिल सकता है कि इस बार भी सबसे बड़ी पार्टी बनकर भाजपा क्या नीतीश कुमार को पहले की तरह ही मुख्यमंत्री बनाएगी या फिर खुद बीजेपी के किसी नेता को बिहार का नेतृत्व सौंपेगी यह प्रश्न इसलिए भी उठेगा क्योंकि इस बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव ज़रूर लड़ा गया लेकिन भी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किए गए थे।

17 नवंबर : इतिहास की अहम घटनाएं

1944 द्वितीय ब्रिटिश सेना ने वासेम पर कब्जा कर लिया।

1950 15 साल के तेनज़िग ग्यात्सो 14वें दलाई लामा बने।

1950 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो को पंद्रह वर्ष की आयु में तिब्बत के लिए राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था।

1953 इतालवी स्टीमर, विटोरिया क्लाउडिया और फ्रांसीसी अयस्क वाहक के बीच टक्कर के कारण इंग्लिश चैनल विटोरिया क्लाउडिया में 20 इतालवी नाविकों की मौत हो गई।

1968 एनबीसी ने विवादास्पद रूप से अमेरिकी फुटबॉल गेमबैटन को ओकलैंड रेडर्स और न्यूयॉर्क जेट्स से दूर रखा और हेइडी को प्रसारित करने के लिए, पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका के दर्शकों को खेल का नाटकीय अंत दिखाने से इनकार कर दिया।

1970 सोवियत संघ का मून रोवर, पहला रोसिंग रिमोट-नियंत्रित रोबोट था जिसने आज चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग की और उड़ान भरी, जिससे वह ऐसा करने वाला पहला रोबोट बन गया।

1970 अमेरिकी आविष्कारक डगलस एंजेलबार्ट को द फायर कम्प्यूटर माउस के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ।

1993 अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने उत्तरी अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (नाफ्टा) को मंजूरी दे दी।

1993 जनरल सानी अब्चा ने अर्नेस्ट शोनकान को नाइजीरिया की अनंतिम सत्तारूढ़ परिषद का अध्यक्ष बनाया।

1997 दक्षिणी मिस्र में चरमपंथियों द्वारा पर्यटकों की बस पर किये गये हमले में 68 विदेशी पर्यटक मारे गये।

2000 अल्बर्टो फुजीमोरी को पेरू के राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया।

2002 पेनकेन से लैस एक अपहरणकर्ता ने इज़राइल से तुर्की के इस्तांबुल जा रहे एक विमान का अपहरण करने की कोशिश की। हालाँकि, वह पकड़ा गया और विमान को सुरक्षित उतार लिया गया।

2005 यूरोपीय संसद के सदस्यों द्वारा रासायनिक सुरक्षा से संबंधित एक विवादास्पद विधेयक पारित किया गया है। इसे पंजीकरण, मूल्यांकन और प्राधिकरण रसायन (पहुँच) कानून के नाम से जाना जाता है।

2005 इल कैंटो डेग्ली इटालियन आधिकारिक तौर पर एक राष्ट्रीय गान बन गया, इटली को इतालवी गणराज्य के जन्म के बाद अस्थायी रूप से चुना गया था।

2006 सोनी के नए कंसोल प्लेस्टेशन 3 को 14 लॉन्च टाइटल के साथ उत्तरी अमेरिका में जारी कर दिया गया है।

2007 पंजाबी में सड़क किनारे हुए बम विस्फोट में दो नाटो कनाडाई सैनिक तथा एक दुभाषिया मारे गए तथा तीन अन्य घायल हो गए।

2009 सोमाली समुद्री डाकुओं ने सिंगापुर से संचालित एक रासायनिक टैंकर एम.वी. थेरेसा VIII सेशेल्स पर कब्जा कर लिया, जिसमें 28 उत्तर कोरियाई लोग सवार थे।

2009 यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के जलवायु अनुसंधान इकाई के प्रशासकों ने पाया कि उनके सर्वर हैक कर लिए गए थे तथा जलवायु परिवर्तन से संबंधित ईमेल और फाइलें चुरा ली गई थीं।

2010 जर्मनी ने अपने हवाई अड्डों पर सुरक्षा की मौजूदगी को इस बात का ₹ठोस संकेत₹ बताया है कि नवंबर माह में आतंकवादी हमले की संभावना है।

2011 चीन का शेनझोउ 8 अंतरिक्ष यान, जिसे किसी मानव द्वारा संचालित नहीं किया गया था, ने सफलतापूर्वक अपना मिशन पूरा किया और तियांगोंग -1 बोरियल प्रयोगशाला मॉड्यूल के साथ दो बार डॉकिंग करने के बाद, पृथ्वी पर सुरक्षित लैंडिंग करने के बाद आंतरिक मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में उतर गया।

2012 शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का निधन हो गया।

समसामयिक

ऋषभदेव शर्मा

बिहार के नतीजे : कांग्रेस के लिए चेतावनी!

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने एक बार फिर भारतीय राजनीति के परिदृश्य को नया आकार दे दिया है। 14 नवंबर को घोषित नतीजों में एनडीए ने 202 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल की, जबकि महागठबंधन को मात्र 35 सीटें नसीब हुईं। लेकिन इस पूरे समीकरण में सबसे ज्यादा निराशा कांग्रेस को ही मिली - मात्र 6 सीटें ! कांग्रेस की यह दुर्दशा इस पुरानी पार्टी के अस्तित्व पर सवाल उठाती है। बिहार का यह फैसला कांग्रेस के लिए बहुआयामी संदेश है - एक ऐसी चेतावनी जो संगठन, रणनीति और विचारधारा सबको चुनौती देती है !

सबसे पहले बात करें संगठनात्मक कमजोरी की। बिहार में कांग्रेस का ढाँचा लंबे समय से जर्जर है। 1990 के दशक से जाति-आधारित दलों के उदय के बाद कांग्रेस की जड़ें कमजोर पड़ गईं। इस चुनाव में पार्टी को अधिकांश स्थानों पर उम्मीदवारों के नामांकन तक में मुश्किल हुई। ग्रामीण स्तर पर कार्यकर्ताओं की कमी और शहरी अभिजात वर्ग का दबदबा - यह पुरानी बीमारी अब घातक रूप ले चुकी है। मतदाता डेटा से पता चलता है कि कांग्रेस को अपने पारंपरिक वोट बैंक - ऊपरी जातियाँ और मुस्लिम समुदाय - का भी भसरोसा हासिल नहीं हो सका। क्योंकि कांग्रेस न तो स्थानीय मुद्दों पर मजबूत आवाज बन पाई और न ही युवा नेतृत्व को आगे बढ़ा सकी। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की निगाह में बस दिल्ली की कुर्सी रहती है, जबकि बिहार की जमीनी हकीकत से वह कट चुका लगता है !

दूसरा आयाम है गठबंधन की राजनीति का। महागठबंधन में कांग्रेस की भूमिका हमेशा गौण रही। आरजेडी के लालू-तेजस्वी परिवारवाद और मुस्लिम-यादव गठबंधन की धुरी रहा, लेकिन कांग्रेस को इसमें सिर्फ 'फिलर' का दर्जा मिला। इस चुनाव में सीट बँटवारे में कांग्रेस को कमजोर जिले मिले, जहाँ भाजपा का दबदबा पहले से था। नतीजा ? कई सीटों पर कांग्रेस के वोट आरजेडी के उम्मीदवारों को ट्रांसफर हो गए, लेकिन उलटा प्रभाव नहीं पड़ा। सयानों की मानें तो, बिहार का वोटर अब 'जाति+विकास' के मॉडल पर चल रहा है। यह संकेत देता है कि गठबंधन रणनीति में कांग्रेस को अपनी अलग पहचान बनानी होगी, 'टेल' बनकर रहेगी तो कभी भी कटकर गिरने का खतरा है !

तीसरा, विचारधारा का संकट। कांग्रेस का 'सॉफ्ट हिंदुत्व' और सामाजिक न्याय का मिश्रण अब पुराना पड़ गया है। बिहार में राम मंदिर (सीता मंदिर) और हिंदू एकता के मुद्दे पर भाजपा ने फिर से ध्रुवीकरण किया, जिसका फायदा नीतीश कुमार की जेडीयू को भी मिला। कांग्रेस की ओर से कोई मजबूत काउंटर-नैरेटिव नजर नहीं आया। वोट चोरी का नारा खोखला निकला। पर्यावरण, बाढ़ और कृषि संकट जैसे स्थानीय मुद्दों पर पार्टी चुप रही। वोटर को लगता है कि कांग्रेस अब 'पुरानी किताब' है, जो न तो प्रगतिशील दिखती है और न ही आक्रामक। युवा मतदाताओं - जो सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं - ने इंस्टाग्राम और ट्विटर पर एनडीए के कैंपेन को ज्यादा पसंद किया, जहाँ मोदी-नीतीश की जोड़ी ने 'विकास की गारंटी' का नारा दिया।

अंत में, बिहार का यह संदेश कांग्रेस के लिए एक आईना है: पुनरुद्धार का समय आ गया है। पार्टी को बिहार में स्वतंत्र संगठन निर्माण पर जोर देना होगा - स्थानीय नेताओं को सशक्त बनाएँ, जाति-आधारित गठजोड़ से ऊपर उठें, मुद्दा-केंद्रित राजनीति अपनाएँ। राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी का 'भारत जोड़ो' अभियान अच्छा था, लेकिन बिहार जैसे राज्यों में उसे 'बिहार जोड़ो' में बदलना जरूरी है। यदि कांग्रेस ने इस संदेश को नजरअंदाज किया, तो 2029 के लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय हार और गहरी हो जाएगी। बिहार के वोटर ने कांग्रेस को चेताया है - जागो, बदलो, या फिर इतिहास के पन्नों में खो जाओ !

भारत में कौशल अंतर: शैक्षणिक शिक्षा को व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ मिलाकर भविष्य की नौकरियों का महत्व क्यों है

डॉ विजय गर्ग

भारत में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे युवा कार्यबलों में से एक है, फिर भी यह महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर रहा है: कौशल में भारी अंतर। मूल्यांकन का अनुमान है कि युवाओं में से केवल 51.25% ही रोजगार योग्य हैं, और यह समस्या इस तथ्य के कारण बढ़ जाती है कि केवल 4.4% युवा कर्मचारियों को औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। यह अंतर लोगों की कमी नहीं है, बल्कि पारंपरिक शैक्षणिक संस्थानों द्वारा दिए जाने वाले सैद्धांतिक ज्ञान और आधुनिक उद्योग के लिए आवश्यक व्यावहारिक, नौकरी-तैयार कौशल के बीच एक मौलिक असंगति है। समस्याः तैयारता के बिना डिग्री पारंपरिक भारतीय शिक्षा प्रणाली ने लंबे समय से शैक्षिक योग्यता और नियमित सीखने को प्राथमिकता दी है, अक्सर व्यावहारिक आवेदन की कीमत पर। यह एक डिग्री के साथ कार्यबल बनाता है, लेकिन बिना किसी दर्शाए गए कौशल के। इस अकादमिक-केंद्रित दृष्टिकोण के परिणाम कठोर हैं

कम रोजगारः 50% तक स्नातक बेरोजगार माना जाता है क्योंकि उन्हें नौकरी के लिए आवश्यक तकनीकी और नरम कौशल (जैसे आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और संचार) की कमी होती है।

पुराने पाठ्यक्रमः कई पाठ्यक्रम संरचनात्मक कठोरता, अप्रासंगिक सामग्री और अप्रचलित उपकरणों के उपयोग से पीड़ित हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में तेजी से तकनीकी प्रगति का अनुसरण करने में विफल रहते हैं।

सामाजिक स्टिग्माः व्यावसायिक शिक्षा को अक्सर उन लोगों के लिए दूसरा स्तर का विकल्प माना जाता है जो कम शैक्षणिक इच्छुक हैं। यह खराब सामाजिक धारणा कम नामांकन का कारण बनती है और कुशल व्यवसायों की गरिमा को कमजोर करती है।

समाधानः एकीकरण अनिवार्य है भविष्य-प्रूफ भारत के कार्यबल और उसके जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए, स्पष्ट समाधान शैक्षणिक कठोरता को व्यावसायिक व्यवहार्यता के साथ मिलाकर है। यह एकीकृत मॉडल सुनिश्चित करता है कि छात्र एक मजबूत अवधारणा आधार प्राप्त करें और साथ ही व्यावहारिक, उद्योग-संबंधित विशेषज्ञता प्राप्त करें। इस बदलाव को कई प्रमुख पहलों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है

पॉलिसी पुश (एनईपी 2020): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेईपी) 2020 व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के सहज एकीकरण की वकालत करती है, जिससे छात्रों को अपने मुख्य विषयों के साथ तकनीकी कौशल और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना आसान हो जाता है।

डिग्री प्रशिक्षुताः डिग्री प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम औपचारिक रूप से शैक्षणिक सीखने को संरचित, कार्यस्थल पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ मिला रहे हैं। यह दृष्टिकोण शिक्षा को आर्थिक आवश्यकताओं और रोजगार बाजार की वास्तविकताओं के साथ सीधे संरेखित करता है।

उद्योग-अकादमी सह निर्माणः नियोक्ता अंतराल को दूर करने के लिए तेजी से कदम उठा रहे हैं। कंपनियां शैक्षिक संस्थानों के साथ पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम को सह-डिज़ाइन कर रही हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्राप्त प्रशिक्षण उनकी भर्ती आवश्यकताओं से सीधे जुड़ा हुआ हो। ₹नियोजित की अगली लहर₹ को परिभाषित करना भारत में भर्ती की अगली लहर अब केवल डिग्री से ही नहीं, बल्कि नौकरी के लिए प्रदर्शित तत्परता से परिभाषित की जा रही है। नियोक्ता परियोजनाओं, इंटर्नशिप और डेटा-आधारित क्षमता मूल्यांकन द्वारा मान्य कौशल का आकलन करते हुए एक भूमिका में तुरंत योगदान देने की योग्यता पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मुख्यधारा के शैक्षणिक ढांचे में व्यावसायिक प्रशिक्षण को सामान्य बनाकर और प्राथमिकता देकर, भारत कर सकता है

भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाएं: स्वचालन और एआई द्वारा पुनर्गठित अर्थव्यवस्था में पनपने के लिए युवाओं को अनुकूलन योग्य कौशल प्रदान करें।

राष्ट्रीय उत्पादकता को बढ़ावा देनाः यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक वर्ष कार्यबल में शामिल होने वाले 12 मिलियन नए प्रवेशकर्ता पहले दिन से ही सक्षम और उत्पादक हों।

व्यक्तिगत आय में सुधारः स्नातकों को रोजगार के लिए एक स्पष्ट और अधिक विश्वसनीय मार्ग प्रदान करना तथा कम बेरोजगारी से उत्पन्न निराशा का सामना करना। अकादमिक और व्यावसायिक शिक्षा का सफल मिश्रण भारत की युवा आबादी को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कुशल प्रतिभाओं के एक वास्तविक पावरहाउस में बदलने का आवश्यक लीवर है।

पनकी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 330 लीटर नकली मोबिल ऑयल बरामद

कानपुर। पनकी थाना अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया चौकी क्षेत्र में पुलिस ने नकली मोबिल ऑयल कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पनकी पड़ाव स्थित हरीश चंद्र दुबे की दुकान पर छापेमारी कर पुलिस ने छह गत्तों में भरे 330 लीटर नकली मोबिल ऑयल बरामद किया। मौके से दुकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया।कार्रवाई थाना प्रभारी मनोज भदौरिया के नेतृत्व में चौकी प्रभारी लोकेश पटेल और उनकी टीम ने की। पुलिस के अनुसार मोबिल ऑयल पर प्रसिद्ध कंपनी वाल्वोलाइन कमिंस प्रा. लिमिटेड के नाम और मार्का की नकली पैकिंग का उपयोग किया जा रहा था।कंपनी के मैनेजर सुनील कुमार को नकली ऑयल बिकने की सूचना मिली थी। जांच के बाद टीम ने मोरंग मंडी, पनकी पड़ाव स्थित दुकान पर छापा मारा, जहां बड़ी मात्रा में फर्जी ब्रांडिंग वाला मोबिल ऑयल बरामद हुआ।पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है ताकि सप्लाई चेन और नेटवर्क का पता लगाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे और भी संलिप्त लोग सामने आ सकते हैं।

रसूलाबाद में विपणन अधिकारी सुभाष चंद्र पर धान खरीद में धांधली के गंभीर आरोप

कानपुर देहात रसूलाबाद में विपणन अधिकारी सुभाष चंद्र पर धान खरीद में धांधली के गंभीर आरोप लगे हैं। बार एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप मिश्रा और अधिवक्ताओं की टीम ने तहसील दिवस पर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपणन अधिकारी माफिया और दलालों के धान को प्राथमिकता दे रहे हैं, जबकि किसानों की सुनवाई नहीं हो रही है।

ज्ञापन में बताया गया कि किसानों को आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी धान की खरीद नहीं हो पा रही है। आरोप है कि व्यापारियों को सेट करके लेनदेन किया जाता है और दूर-दूर से व्यापारियों को बुलाकर धान खरीदी जा रही है। बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने यह भी बताया कि विभागीय लक्ष्य पूरा करने के लिए बाहर से लोगों को बुलाकर धान खरीदा जा रहा है। इस दौरान, झींझक के एक व्यापारी द्वारा भेजी गई बाजरे की ट्रॉली मौके पर मिली थी। अधिकारियों के आने की सूचना मिलते ही मौके से ट्रैक्टर-ट्रॉली को हटा दिया गया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने उपजिलाधिकारी से मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की है।

कानपुर में वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तेज, लेकिन प्रपत्र वितरण में देरी से बढ़ी चिंताएं

- कार्य में लापरवाही या निर्देशों की अनदेखी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी

उत्कर्ष सिंह नेशनल एक्सप्रेस

कानपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 22 वर्ष बाद शुरू किया गया वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची का शुद्धिकरण करना और पात्र मतदाताओं का डेटा सही रूप में उपलब्ध कराना है। इसके लिए जिले में लगभग 34 लाख से अधिक मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, हालांकि आयोग द्वारा निर्धारित 15 नवंबर तक प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण पूरा नहीं हो सका।निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। यदि किसी मतदाता को एस.आई.आर.(विशेष गहन पुनरीक्षण)से संबंधित कोई समस्या है, तो वह 1950 वोटर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करा सकता है। इसके साथ ही Book a Call with BLO सुविधा या voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से सीधे बीएलओ से बात करने का अनुरोध भी कर सकता है। नियमों के अनुसार, बीएलओ को शिकायत प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर संपर्क कर समस्या का समाधान करना अनिवार्य होगा।अभियान के दौरान किसी भी भ्रामक पोस्ट या सूचना पर तुरंत तथ्यात्मक उत्तर देने और सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। वहीं, कार्य में लापरवाही या निर्देशों की अनदेखी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिले में विधानसभावार इलेक्ट्रोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ई. आर.ओ.) भी तैनात किए गए हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर समस्याओं का निस्तारण देखेंगे।मतदाता सूची के शुद्धिकरण को अधिक कुशल बनाने के लिए सभी बीएलओ को बीएलओ ऐप का एडवांस वर्ज़न 8.7 डाउनलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। गणना प्रपत्र वितरित करते समय बीएलओ को इसे ऐप पर मार्क करना होगा, ताकि वितरण प्रगति रियल-टाइम में अपडेट होती रहे। मतदाता चाहें तो voters.eci.gov.in पोर्टल पर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर और EPIC नंबर दर्ज कर गणना प्रपत्र ऑनलाइन भी भर सकते हैं।अभियान की सुचारु प्रगति और मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी से उम्मीद है कि आगामी चुनावों के लिए मतदाता सूची और अधिक सटीक और विश्वसनीय बनेगी। वहीं इस प्रक्रिया में उच्च अधिकारियों की अनदेखी के चलते बी.एल.ओ.भी अपने अपने क्षेत्रों में देरी से पहुंचे हैं बल्कि आम जनता को पूरी जानकारी दिए बिना ही कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्य कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी गढ़ भी सिर्फ़ खाना पूर्ति करते दिख रहे हैं।जिसके कारण आम जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर थाना क्षेत्र के मैंदू ताहरपुर गांव में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला। मृतका के भाई शिव सिंह, निवासी घनामती रायपुर (थाना सजेती, कानपुर नगर) ने डायल 112 पर सूचना दी कि उसकी बहन सोनम सिंह (28) घर के अंदर फंदे से लटकी हुई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और फोरेंसिक टीम को बुलाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सोनम का शव गेट की चौखट से साड़ी के सहारे लटका हुआ मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मृतका सोनम सिंह का विवाह नवंबर 2019 में देवेंद्र सिंह से हुआ था, जो ई-रिक्शा चलाते हैं। दंपती के दो छोटे बच्चे हैं। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए विस्तृत जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच संदेह की हर संभावना को ध्यान में रखकर की जा रही है। फॉरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

कानपुर देहात पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में "मिशन शक्ति 5.0" अभियान चलाया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

- अभियान का उद्देश्य महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना

कानपुर देहात पुलिस ने 16 नवंबर 2025 को पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में ₹मिशन शक्ति 5.0₹ अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना था। जनपदीय थाना पुलिस द्वारा विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में सैकड़ों महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबरों, कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं और साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान के दौरान महिलाओं को 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) और 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी प्रदान की गई। इसका मुख्य उद्देश्य उन्हें आपात स्थिति में सहायता प्राप्त करने के तरीके बताना था। साथ ही, उन्हें UPCOP ऐप के माध्यम से पुलिस सेवाओं का लाभ उठाने के बारे में बताया गया। सोशल मीडिया पर होने वाले साइबर अपराधों, जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग और फर्जी खातों से बचाव के लिए भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए गए। कानूनी अधिकारों के अंतर्गत महिलाओं को POCSO एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम और साइबर क्राइम से संबंधित आईटी एक्ट की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रह सकें।

बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, कालाबाजारी रोकने और उचित मूल्य पर उपलब्धता बनाए रखने के लिए कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर देहात जिले में बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, कालाबाजारी रोकने और उचित मूल्य पर उपलब्धता बनाए रखने के लिए कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलेभर में 52 बीज दुकानों पर औचक छापे मारे गए, जिसमें 53 बीज नमूने लिए गए और 8 दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

इस अभियान के तहत, डॉ. उमेश कुमार गुप्ता, जिला कृषि अधिकारी, और प्रद्युम्न कुमार, उपजिलाधिकारी सिकंदरा, की संयुक्त टीम ने सिकंदरा तहसील में 12 बीज दुकानों पर छापे मारे। यहां से 17 नमूने एकत्र किए गए। न्यू बालाजी बीज भंडार, राजपुर, और अजय बीज भंडार को अभिलेख प्रस्तुत न कर पाने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

इसी क्रम में, उप कृषि निदेशक कानपुर देहात और उपजिलाधिकारी मैथा की टीम ने मैथा तहसील में 9 बीज प्रतिष्ठानों पर छापा मारकर 9 नमूने लिए और चार प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया। डेरापुर तहसील में उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी और एसडीएम डेरापुर की टीम ने 5 दुकानों पर छापा मारा, जहां से 2 नमूने लिए गए और एक दुकानदार को नोटिस दिया गया।

प्रतिष्ठा यादव, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (जिला कृषि अधिकारी कार्यालय), और एसडीएम भोगनीपुर की टीम ने भोगनीपुर तहसील में 10 बीज दुकानों पर छापा मारकर 9 सैंपल भरे। इसी तरह, संदीप कुमार, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी अकबरपुर कार्यालय), और एसडीएम अकबरपुर की टीम ने अकबरपुर तहसील में 7 दुकानों पर छापामारी कर 6 नमूने एकत्र किए।

सभी बीज दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे बीजों का वितरण निर्धारित मूल्य से अधिक पर न करें। नियमों का उल्लंघन करने पर बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 और बीज अधिनियम 1966 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ पत्रकार के घर पर हमला, बेटी से छेड़छाड़ के बाद विवाद बढ़ा

कानपुर। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में वरिष्ठ पत्रकार रुस्तम खान के घर पर हमला कर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक, जो उनकी पुत्री से छेड़छाड़ करता था, शिकायत किए जाने पर अपने परिजनों के साथ घर में घुस आया और परिवार पर हमला कर दिया।हमले में पत्रकार रुस्तम खान के सिर में गंभीर चोट आई है और उन्हें चांदनी नर्सिंग होम के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। हमलावरों ने पत्रकार की पत्नी से भी मारपीट की और बेटी के कपड़े फाड़कर छेड़छाड़ की। परिजनों का आरोप है कि कर्नलगंज पुलिस ने अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की, बल्कि शिकायत से छेड़छाड़ की धाराएं हटाने का दबाव बनाया जा रहा है।

दो ट्रकों से 50 लाख की कर चोरी का भंडाफोड़

- एसजी एसटी टीम ने बाबूपुरवा थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

नेशनल एक्सप्रेस

कानपुर। एसजीएसटी की टीम ने कर चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए दो ट्रकों को कब्जे में लिया है। अधिकारियों के अनुसार दोनों ट्रकों में निर्धारित सीमा से अधिक माल भरा था, जबकि संबंधित जीएसटी और ई-वे बिल दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं कराए गए। प्राथमिक आकलन में करीब 50 लाख रुपये की कर चोरी सामने आई है।

पहली कार्रवाई शहर के नीलम रोड, गोशाला क्षेत्र में की गई, जहाँ एक ट्रक को रोककर जांच की गई। ट्रक की बिल्टी में केवल 20 माल की प्रविष्टि दर्ज थी, जबकि उसमें कई गुना अधिक सामान लदा मिला। तीन अलग-अलग फर्मों के ई-वे बिल मिलने पर यह स्पष्ट हुआ कि माल का वजन और कीमत बिल्टी में दर्शाई गई मात्रा से काफी अधिक है।इसी प्रकार दूसरी कार्रवाई विजय नगर चौकी के पास की गई। यहां पकड़े गए ट्रक में भी बिल्टी की तुलना में अधिक और महंगा माल पाया गया। जांच में दिल्ली और अंबेडकर नगर की तीन फर्मों के दस्तावेज़ मिले, जिनमें दर्ज माल और वास्तविक लदे सामान में भारी अंतर पाया गया।अधिकारियों ने पूरी कार्रवाई का विवरण दर्ज कराते हुए बाबूपुरवा थाने में केस दर्ज कराया है। एसजीएसटी टीम अब पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और दस्तावेज़ों की फॉरेंसिक जांच भी कराई जाएगी।

आज का राशिफल

ज्योतिषी
डॉ. श्याम सुंदर पाठक 'अनन्त'
Mob:-9760800271

मेष- किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा।

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

कर्क - स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

सिंह - लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

कन्या - स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा।

तुला - प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे।

वृश्चिक - स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

धनु - शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

मकर- लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

कुंभ- माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा।

मीन- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

नवाबगंज में पूछताछ के दौरान महिला की मौत के मामले में थाना प्रभारी आशीष द्विवेदी हुए बर्खास्त

- नोटिस का जवाब नहीं मिला, सीधे बर्खास्तगी
- चौकी इंचार्ज के खिलाफ कार्रवाई अभी जारी

नेशनल एक्सप्रेस डी के सिंह

कानपुर में वर्ष 2022 में चर्चा में आए महिला मौत प्रकरण में बड़ी कार्रवाई की गई है। नवाबगंज थाना क्षेत्र में घर में चोरी के मामले की जांच के दौरान हिरासत में ली गई महिला की मौत के मामले में दोषी पाए जाने पर तत्कालीन थाना प्रभारी आशीष द्विवेदी को बर्खास्त कर दिया गया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने "क्यों न सेवामुक्त कर दिया जाए" संबंधी नोटिस का समयसीमा में जवाब न देने पर यह कार्रवाई की।

महिला की मौत के बाद प्रारंभिक जांच में थाना प्रभारी और चौकी इंचार्ज नवाबगंज रानू रमेश चंद्र की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। विभागीय जांच में दोनों पर गंभीर लापरवाही की पुष्टि हुई।

थाना प्रभारी को नोटिस देकर एक सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा गया था, लेकिन तय समय बीतने के बावजूद कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त ने तत्काल प्रभाव से उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं।

एनआरआई सिटी, नवाबगंज निवासी एक व्यापारी के घर में 17 अप्रैल 2022 को चोरी की वारदात हुई थी। मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी और चौकी इंचार्ज ने घर में काम करने वाली मां-बेटी को पूछताछ के लिए उठाया था। देर रात करीब 2 बजे दोनों को वन स्टाफ सेंटर में दाखिल कराया गया। अगले दिन महिला का शव बाथरूम में फांसी के फंदे से लटकता मिला। बताया गया कि उसने आत्महत्या कर ली, लेकिन परिवार तथा स्थानीय लोगों ने पुलिस पर उत्पीड़न के आरोप लगाए। मामले ने तीखी चर्चा और विरोध दोनों को जन्म दिया था।

बर्खास्त किए गए इंस्पेक्टर का नाम कानपुर के चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे से भी जुड़ा बताया गया है, जिससे मामला उस समय और अधिक सुर्खियों में रहा।जांच में दोषी पाए गए थे इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर वन स्टाफ सेंटर में फांसी के फंदा लगाकर महिला के आत्महत्या करने के मामले में जांच बताई गई थी। जांच में तत्कालीन थाना प्रभारी आशीष द्विवेदी और रानू रमेश चंद्र जोशी पाए गए थे। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी को बर्खास्तगी के मामले में नोटिस देकर 15 नवंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा था, लेकिन समय बीत जाने के बाद भी इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी का जवाब नहीं आया।

एडीजी आलोक के नेतृत्व में अपराधियों पर बरकरार कानपुर जोन पुलिस का शिकंजा, कई गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस डी के सिंह

कानपुर। आतंकियों द्वारा दिल्ली में किए गए ब्लास्ट के बाद यहां कानपुर जोन पुलिस लगातार सतर्क है। वह ए डीजी आलोक सिंह की कुशलतम अगुवाई में हर क्षेत्र में पैनी नजर के साथ ही अपराध/कानून-व्यवस्था, हत्या शीर्षक अन्तर्गत अनावरण हेतु शेष अभियोग,जब्तीकरण की कार्यवाही,अवैध खनन एवं परिवहन,साइबर क्राइम, यू0पी0-112 में प्राप्त शिकायतों पर कृत कार्यवाही ,वाहन/संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग तथा निरंतर पैदल गस्त अभियान भी लगातार जारी किए हुए हैं।

मतलब मामला चाहे घटनाओं के सटीक खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी का हो या फिर जन समस्याओं के निस्तारण से संबंधित आईजीआरएस का। यहां की चुनौती पूर्ण कानपुर जोन के अंतर्गत आने वाले आठ जिले कानपुर देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज, फतेहगढ़, जालौन ,ललितपुर और झांसी अपराधियों के खिलाफ कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर दृष्टिकोण से अव्वल भी चल रही है। याद रहे कि आजकल एडीजी के रूप में कानपुर जोन की कमान योगी सरकार की मंशा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की सहायता में भी सदैव अव्वल राष्ट्रपति तक के गोल्ड और प्लेटिनम समेत सभी तरह के मेडलों और पुरस्कारों के रुप में अनेक दुर्लभ उपलब्धियों के प्रसंसनीय धारक नोएडा के पहले सफल और सर्वोत्तम पुलिस कमिश्नर भी रहे भारत के कर्तव्यनिष्ठ और इमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक वरिष्ठ आई पी एस आलोक सिंह के हाथ में है।

सराहनीय और अनुकरणीय कार्यशैली वाले व्यवहार कुशलता के भी धनी, शिवत्व स्वभाव वाले सुप्रसिद्ध वरिष्ठ आईपीएस एडीजी आलोक सिंह का अबतक का जुझारू इतिहास यह साबित करता है कि उनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा हर छोटी से छोटी घटना को भी बहुत गम्भीरता से लेकर पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की सहायता में भी सदैव अग्रणी रही है।

इस बारे में खास बात यह भी कि कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा वाले तेज तर्रार और व्यवहार कुशल एडीजी आलोक सिंह के पास आने वाला कोई भी पीड़ित निराश नहीं लौटता। प्रभावी कार्रवाई के रूप में उसकी समस्या का निदान होकर ही रहता है।

कुल मिलाकर अपनी नेतृत्व कुशलता के फलस्वरूप यूपी शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आई जी आर एस) में भी कानपुर जोन को लगातार अव्वल रखने वाले

भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले जुझारू एडीजी आलोक सिंह की नेतृत्व कुशलता योगी सरकार की मंशा के अनुरूप जनहित में हर दृष्टिकोण से सफल है।

इसके बारे में आध्यात्मिक दृष्टिकोण के मुताबिक इस संसार में लोगों की सहायता करने के लिए परमेश्वर शंख, चक्र और गदा लेकर नहीं आता है। वह किसी ना किसी महामानव को ही अपना माध्यम बनता है।मतलब इस कथन का आईपीएस आलोक सिंह जैसे ही कर्मयोगियों से ही नाता है। मतलब जनहित में विशुद्ध ईमानदारी का नाम आलोक सिंह है। दबाव में नहीं झुकने वाली निडरता का नाम भी आलोक सिंह है। पीड़ितों की हर संभव सहायता का नाम आलोक सिंह है। अपराधियों के उनके कर्मों का फल देने की कर्तव्य निष्ठा का नाम आलोक सिंह है। वही आलोक जो प्रकाश का भी पर्याय है और वही प्रकाश जिसके दायरे में आने वाला कोई अपराधी बच नहीं पाता है, क्योंकि परमेश्वर देश, कालखंड और परिस्थितियों के अनुरूप योगी ,मोदी ही नहीं बल्कि आईपीएस आलोक सिंह भी बन जाता है।

सनातन यात्रा: जन सैलाब का भाव देख, धीरेंद्र शास्त्री के छलके आंसू

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा।वृंदावन इस यात्रा को लेकर हिंदुओं की अंतर्य आत्मा में बड़ा भाव पैदा हुआ है जिससे इस यात्रा में जन सैलाब उमर पाड़ा है। सनातन हिंदू एकता पदयात्रा कल आखिरी दिन भावनाओं, विनम्रता और अध्यात्म के चरम पर पहुंची। भगवान बांके बिहारी की नगरी वृंदावन में रविवार को एक अद्भुत और भावुक दृश्य देखने को मिला, जब सनातन हिंदू एकता की 10 दिवसीय पदयात्रा धाम के मुख्य प्रवेश मार्ग पर पहुंची। जैसे ही बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और साथ चल रहे सभी संतों ने वृंदावन धाम में कदम रखा, उन्होंने दंडवत प्रणाम कर अपनी श्रद्धा अर्पित की। इस दौरान उनके साथ मौजूद सभी संतों ने वृंदावन की पावन रज उठाकर अपने माथे पर लगाई और एक-दूसरे को गले लगाकर यात्रा की सफलता के लिए मंगलकामनाएं दीं। इस पवित्र क्षण में पूज्य सरकार की आंखें भावनाओं से भर आईं और उनके आँसू खुशी, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का प्रतीक बनकर बह निकले। एमपी के मुख्यमंत्री ने यात्रा में पहुंच कर ग्रहण किया प्रसाद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज पदयात्रा में शामिल हुए। यात्रा आज वृंदावन की सीमा में प्रवेश हुई। यहां मप्र के सीएम बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री के साथ सड़क पर बैठकर सुबह का बालभोग प्रसाद ग्रहण करते दिखाई दिए। छटीकरा मार्ग पर वाहनों का संचालन रहा बंद बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पदयात्रा के वृन्दावन आगमन को लेकर आज पुलिस-प्रशासन ने इस क्षेत्र की ओर आने वाले बाहरी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह बंद कर दिया। छटीकरा पर सभी प्रकार के वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध रहा। पुलिस प्रशासन ने कल देर रात से ही यहां आने वाले प्रवेश मार्गों पर। प्लीज प्रशासन के सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त में आज यात्रा वृंदावन में पहुंची लोगों में सुरक्षा का विश्वास बना रहा।

मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

कोसीकलां ।पुलिस ने सनातन एकता पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के मोबाइल चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 19 मोबाइल फोन (16 एंड्रॉयड, 1 आईफोन और 2 कीपैड रोड, थाना रामगढ फिरोजाबाद, राहुल पुत्र पूरन सिंह निवासी टापा कलां कवीरनगर फिरोजाबाद, सलमान पुत्र राजू निवासी कोहिनूर रोड, शैलेश पुत्र पप्पू निवासी मोहल्ला टापा कवीनगर, अरविन्द कुमार पुत्र भोलेराम निवासी गांव मोहम्मदपुर बिहारीपुर थाना बसई मोहम्मदपुर फोन), तीन अवैध चाकू और एक कार (यूपी 83 डीटी 3520) बरामद की गई है। यह कार्रवाई शनिवार रात मुखबिर की सटीक सूचना पर नई कोसी कामर रोड स्थित श्मशान घाट के पास की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर टीटू उर्फ लालता पुत्र हरीसिंह निवासी मोहल्ला खेडा फिरोजाबाद, शहवान पुत्र जलालुद्दीन निवासी कोहिनूर फिरोजाबाद को पकड़ लिया। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध कार को रोका। तलाशी में बड़ी मात्रा में चोरी के फोन और तीन अवैध चाकू मिले। इस कार्रवाई में थाना कोसीकलां प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल और उनकी टीम में उपनिरीक्षक मुनेन्द्र पाल सिंह, उत्तम चौहान, हेड कांस्टेबल सुमित कुमार तथा कांस्टेबल अमित, राकेश धनखड़, सोनू सांगवान और सौरभ कुमार शामिल रहे। कार में मिले थे बहुत सारे मोबाइल पुलिस को सूचना मिली थी कि नई उम्र के लड़के मोबाइल फोन चोरी की घटनाओं को कारित कर रहे है जो पुनः सनातन एकता पद यात्रा में सम्मलित होकर मोबाइल फोन चोरी की घटना कारित करेंगे।

हिंदू कालेज मुरादाबाद व जेएसएच कालेज अमरोहा की टीम फाइनल में पहुंचीं

मुरादाबाद। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद की अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-26 के दो सेमीफाइनल मैच रविवार को खेले गए। हिन्दू कालेज मुरादाबाद ने वर्धमान कालेज बिजनौर को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि जेएसएच कालेज अमरोहा ने केजीके कालेज मुरादाबाद को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच की खिताबी भिड़ंत 17 नवम्बर को हिन्दू कालेज और जेएसएच कालेज अमरोहा के बीच होगी। केजीके कालेज मैदान पर टॉस जीतकर जे.एस.एच. कॉलेज, अमरोहा ने पहले गेंदबाज़ी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए केजीके कॉलेज ने 20 ओवर में 158 रन बनाए। सार्थक चौधरी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 55 गेंदों पर 91 रन की सर्वोच्च पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए जे.एस. एच. कॉलेज, अमरोहा ने मात्र 18 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर 5 विकेट से जीत दर्ज की तथा फ़ाइनल में प्रवेश किया।

अखिल भारतीय समता फाउंडेशन द्वारा पुष्पांजलि कार्यक्रम

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

मथुरा अखिल भारतीय समता फाउंडेशन, जनपद मथुरा द्वारा कल कृष्णा नगर स्थित कैंप कार्यालय पर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चित्रसेन मौर्य ने की। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि रमेश सैनी, महानगर अध्यक्ष—बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी, समाजवादी पार्टी मथुरा, ने बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण एवं प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने पराधीन भारत में सामंतशाही और पूंजीवादी अत्याचारों के विरुद्ध झारखंड क्षेत्र में एक प्रभावशाली आंदोलन खड़ा किया। मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में ही सन 1900 में उनका निधन हैजा (डायरिया) से हो गया, किंतु उनका क्रांतिकारी योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर लुकेश कुमार राही, अध्यक्ष—अखिल भारतीय समता फाउंडेशन, मथुरा, ने बताया कि धरती आवा आंदोलन के जनक बिरसा मुंडा ने अपना संपूर्ण जीवन मानवता, समानता और समाज सुधार के लिए समर्पित कर दिया। आज भी उनके विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं, जिसके चलते केंद्र एवं राज्य सरकारें उनकी स्मृति में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं तथा उनके जन्मदिवस पर प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रमेश सैनी, नरेश कुमार, चित्रसेन मौर्य, चौधरी वासुदेव सिंह प्रधान, सरदार महेंद्र सिंह, साबिर खान, फिरोज खान, संजय सैनी, अजय कुमार, आकाश बाबू, विवेक, तथा लुकेश कुमार राही सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ओम क्रांति का होगा आगाज, दिल्ली से कश्मीर तक होगी यात्रा

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा/वृंदावन सनातन यात्रा को लेकर पूरे भारत के हिंदुओं में अलग ही उत्साह है इस यात्रा में शामिल होने के लिए अन्य राज्यों से लोग आए हैं।बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री की हिंदू सनातन एकता पदयात्रा का आज आखिरी दिन है। जैंत के राधगोविंद मंदिर से पदयात्रा छटीकरा स्थित चारधाम मंदिर पर पहुंच गई। यहां पदयात्रा का भव्य तरीके से स्वागत किया गया। काशी के ब्राह्मणों ने संतों की आरती उतारी। जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज को लेकर धीरेंद्र शास्त्री मंच पर पहुंचे। सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा के अंतिम पड़ाव पर मंच से जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि प्रत्येक हिन्दू को थोड़ी-थोड़ी संस्कृत जरूर आनी चाहिए। मैं चित्रकूट में 26 मार्च से ऑनलाइन संस्कृत पढ़ाऊंगा। प्रत्येक हिन्दू कन्या अब झांसी की रानी बनेगी। अब आज से ही दिल्ली से कश्मीर यात्रा की तैयारी शुरू कर दीजिए। प्रत्येक हिन्दू हनुमान चालीसा का पाठ करे। नारी का सम्मान करें। नारी नर्क की खाई नहीं हो सकती। जगद्गुरु ने कहा, अब ओम शांति बंद करो, ओम क्रांति क्रांति क्रांति शुरू करो। प्रत्येक हिन्दू घर में तुलसी व द्वार पर गाय रखे। एक गाय के दर्शन से 99 करोड़ देवी देवताओं के दर्शन होते हैं। कश्मीर को एक बार फिर से भारत का स्वर्ग बनाएंगे। आगामी समय में दिल्ली से कश्मीर तक यात्रा की जाएगी।

शिव पार्वती रसोई ने 1500 जरुरतमंदों को बांटा खाना

मुरादाबाद। शिव पार्वती रसोई द्वारा प्रत्येक रविवार की भांति आज भी 1500 जरुरतमंदों को निःशुल्क खाना दिया गया । रसोई का शुभारंभ दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद के महासचिव कपिल गुप्ता एडवोकेट एवं उनकी धर्मपत्नी शिक्षिका शिवी गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर संस्था ने दोनों अतिथियों का पटका पहनाकर एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया ।

अध्यक्ष पुष्प यादव ने बताया कि शिव पार्वती रसोई का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक प्रेम व सम्मान के साथ भोजन पहुँचाना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रत्यूष यादव, आशुतोष त्यागी, सुमित टंडन, डॉ सतवीर चौहान, योगेश भारती, नितेश कुमार आदि संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

धनबाद रेलवे पार्सल कार्यालय में अवैध रूप से रखे गए 500 खरगोश, हंगामा

धनबाद, : धनबाद रेलवे पार्सल कार्यालय में रविवार को उस समय हंगामा मच गया जब पशु अधिकार कार्यकर्ता शौमिक बनर्जी अपने सहयोगियों के साथ कार्यालय पहुंचे। उन्हें सूचना मिली थी कि पार्सल कार्यालय में कई दिनों से करीब 500 खरगोश अवैध रूप से रखे गए हैं और उन्हें ट्रेन के जरिए किसी अन्य स्थान पर तस्करी कर ले जाने की योजना थी।

जांच में पता चला कि शाहा एंटरप्राइजेज इन खरगोशों को धनबाद से मुरादाबाद भेजने की तैयारी कर रहा था। पशु अधिकार कार्यकर्ता शौमिक बनर्जी ने बताया कि प्रत्येक पिंजरे में अधिकतम 10 खरगोश ले जाने की अनुमति है, लेकिन यहां भारी ओवरलोडिंग की गई थी। न तो भोजन की कोई व्यवस्था थी और न ही पानी की । इसी लापरवाही के कारण लगभग चार खरगोशों की मौत हो चुकी है, जबकि कुछ ने वहीं बच्चे भी दिए हैं। शौमिक के अनुसार, यदि इन खरगोशों को शीघ्र ही नहीं बचाया गया, तो सभी की जान जा सकती है।

इस बीच पार्सल कर्मचारी रूपक कुमार ने कहा कि उचित कागजात न होने और नियमों का पालन न किए जाने के कारण पार्सल को रोक दिया गया था। वहीं, खरगोश लाने वाला व्यक्ति अपनी तबीयत खराब होने का हवाला देकर कार्यालय से बाहर चला गया।

रिंग रोड पर अंडरपास को लेकर ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

भोजपुर थाना क्षेत्र के लखनपुर ठीकरी रिंग रोड पर अंडरपास बनवाने की मांग करते हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि एनएचआई के अधिकारियों ने रास्ता बंद कराने के उद्देश्य से मिट्टी डालवाना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह रिंग रोड 25 से 30 गांव को जोड़ता हैं। अगर इसको बंद कर दिया गया तो ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी। भारतीय किसान यूनियन मजदूर के उत्तर प्रदेश प्रभारी अतीक अहमद ने मौके पर पहुंचकर कहा कि अगर रिंग रोड पर अंडरपास नहीं बनता है तो हम आंदोलन करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही प्रोजेक्ट मैनेजर मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा बुझाकर कहा कि रिंग रोड पर जबतक कोई कार्य नहीं किया जाएगा, जबतक अंडरपास बनाने की मंजूरी नहीं हो जाती। ग्रामीण आश्वासन मिलने के बाद मान गए।

मिशन शक्ति : साइबर अपराध की दी जानकारी

नेशनल एक्सप्रेस

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मुरादाबाद के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति अभियान फेज पांच में महिला सुरक्षा दल थाना पुलिस द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गयी व महिला हिंसा से संबंधित अन्य शिकायतों के निवारण हेतु वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, वन स्टाप सेन्टर 181, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर 102, एम्बुलेन्स सेवा 108, जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, राष्ट्रीय, राज्य महिला आयोग के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। मिशन-शक्ति-अभियान के तहत जनपद के समस्त थानों द्वारा पुलिस की पाठशाला, चौपाल लगाकर जागरूकता के क्रम में महिलाओं, बालिकाओं को जागरुक किया गया।

पुलिस कर्मियों और परिजनों की मेडिकल कैंप में हुई जांच

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। रविवार को नारी एवं बाल उत्थान समिति, मुरादाबाद द्वारा रिज़र्व पुलिस लाइन, मुरादाबाद में पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक मुनिराज जी मुरादाबाद परिक्षेत्र तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल मुरादाबाद द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारीगण ने स्वयं अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराकर पुलिस कर्मियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। शिविर में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनों ने प्रतिभाग किया तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जांच, परामर्श एवं अन्य आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं का लाभ उठाया। इस पूरे आयोजन में नारी एवं बाल उत्थान समिति, मुरादाबाद के अध्यक्ष मुकुल अग्रवाल एडवोकेट का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा, जिनके सौजन्य से यह स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर के उपरान्त पुलिस उप महानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा पुलिस लाईन परिसर में हरिशंकरी वृक्ष पाकड़, पीपल, व बरगद आदि का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अवसर पर पुलिस अधीक्षक यातायात, क्षेत्राधिकारी यातायात, क्षेत्राधिकारी लाइन, क्षेत्राधिकारी कोतवाली सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे एवं स्वास्थ्य जांच कराई गई।

अग्नि सुरक्षा उपायों एवं आपातकालीन स्थिति में प्रक्रिया का अभ्यास

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में फायर मॉक ड्रिल एवं इवैक्यूएशन ड्रिल का आयोजन एवं प्रशिक्षुओं को प्रदान किया गया प्रशिक्षण, रविवार को पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज, मुरादाबाद में व्यापक फायर मॉक ड्रिल एवं इवैक्यूएशन ड्रिल का आयोजन किया गया। ड्रिल का नेतृत्व डॉ.आर.के. पांडेय, सीएफओ मुरादाबाद द्वारा किया गया। इस मॉक ड्रिल में 1470 प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग कर अग्नि सुरक्षा उपायों एवं आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित रूप से बाहर निकलने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। प्रशिक्षण के दौरान FSSO मोहित कुमार एवं स्वतंत्र कुमार ने मय अग्निशमन स्टाफ के साथ उपस्थित प्रशिक्षुओं को अग्निशमन, रेस्क्यू तकनीक एवं आपदा से निपटने की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया।

डेम्पियर नगर चर्चित लॉटरी घपले के बाद अब कृष्णा नगर चर्चा में

दावेदारी मजबूत करने के लिये नेताजी को पाले से बाहर पहुंचाने की स्कीम

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा । जनपद में लॉटरी हर गली मोहल्ले में छोटी रकम से बड़ी रकम तक चल रही हैं। लाखों करोड़ों रुपए को देखकर लोगों की नियत में खोट पैदा हो रहा है। इससे तमाम परिवार बबादीं की कगार पर हैं। लॉटरी के इस धन को जमीनों में लगाया जा रहा है और उससे दूसरे खेल खेले जा रहे हैं। शहर में अभी हाल में डॉक्टर अनुराग का मामला सामने आ चुका है। इसमें एक सपा नेता पर भी एफआईआर हुयी। तमाम आरोप लगाये। करोड़ों रुपए के लॉटरी के के इस खेल में तमाम सफेदपोश परोक्ष रूप से शामिल हैं और वे इसके जरिये दूसरे कामों को अंजाम दे रहे हैं। शहर में डैम्पियर नगर, कृष्णानगर, मसानी क्षेत्र में भी कई लॉटरी चल रही हैं। इनमें भी रोजाना फजीते हो रहे हैं। डॉक्टर की घटना के बाद अब लॉटरी डालने वाले भी चिंतित हैं। कृष्णानगर में साड़ी और मसानी पर पोशाक से जुड़े लोग इस समय चचाओं में हैं। यह पैसा कहां से आ रहा है और कैसे लॉटरियों में जमा हो रहा है? यह भी एक जांच का विषय है। आयकर विभाग को इस संबंध में जांच पड़ताल करनी चाहिये। लॉटरी के धंधे में तमाम दुश्मनियां सामने आ रही हैं। इसमें अपराधी किस्म के लोगों को भी जोड़ दिये जाने से लॉटरी वाले परेशान हैं। विभिन्न स्थानों पर इसको लेकर विवाद हुये हैं। अभी हाल में डैम्पियर क्षेत्र में विव विवाद होकर

जमीनों-चुनावों में लग रहा है लॉटरी का पैसा

मथुरा । शहर में लॉटरी का धंधा कहीं और भी पहुंच रहा है। इससे आने वाली धनराशि को चुनावों में लगाने का खेल भी चल रहा है। इसमें कुछ नेता शामिल हैं जो पहले तो लॉटरी संचालकों से सांठगांठ और उनकी पैरवी करते रहे हैं। इनका सीधा सा मकसद लॉटरी के धन को जमीनों के काम में लगाना और फिर उससे राजनैतिक क्षेत्रों में इसका प्रयोग गोग होने की जानकारियां सामने आ रही हैं। बताते हैं कि एक नेता को लाइन से हटाने के लिये उस पर आरोप लगाये गये। यह आरोप भी दूसरे राजनैतिक दल के लोगों ने सिर्फ इसीलिये लगाये ताकि वह चुनाव से हट जाये। पूरा प्रकरण बड़ा रोचक है।

छात्रों ने बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में बनाया भव्य अलौकिक चित्र

मुरादाबाद। चित्रगुप्त इंटर कालेज के छात्रों ने डा नवनीत गोस्वामी के नेतृत्व में भगवान बाबा बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रविवार को कालेज परिसर एक भव्य चित्र बनाकर सम्मान प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मेजर सुदेश कुमार भटनागर ने कहा कि बाबा बिरसा मुंडा त्याग और बलिदान के प्रतीक होने के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन के रक्षक तथा आदिवासी संस्कृति के महान लोकनायक भी थे। उन्होंने बताया कि उनके आदर्श आज भी देश को नई दिशा प्रदान करते हैं। केंद्र सरकार बाबा बिरसा मुंडा के विचारों और बलिदान को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने स्वतत्रंता संग्राम को स्वाभिमान और स्वदेशी की चेतना दी। स्वराज, स्वदेशी और ग्राम स्वावलम्बन का संदेश दिया। भगवान बिरसा मुंडा ने मंत्र दिया कि अपने धर्म, अपनी धरती और अपने देवता को पहचानो। इस मंत्र के साथ उन्होंने अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा का संकल्प लिया।

चित्र बनाने वाले छात्रों में अंश, वंश, ध्रुव, केशव आदि छात्र प्रमुख रहे। वहीं विद्यालय के शिक्षकों में राजीव कुमार पाठक, अनिल कुमार, मेजर शिवकुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

दैनिक नेशनल एक्सप्रेस
43 वर्षों से निष्पक्ष व निर्भीक समाचार पत्र
आवश्यकता है
नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नेशनल एक्सप्रेस को हिंदी पत्रकारिता में ब्यूरो प्रमुख, अनुभवी पत्रकार / विज्ञापन प्रसार के लिए दिल्ली व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आवश्यकता है। जर्नलिज्म में अपना कैरियर बनाने को इच्छुक व्यक्ति संपर्क कर सकते हैं।
7080333338 011-49065569
news.vpl@gmail.com
VPL MEDIA PRIVATE LIMITED
S-561, Greater Kailash- II, New Delhi-110048
15/240 G Civil Lines Kanpur - 208001

लोकमानिलाल एवं दयाकांति देवी पुरस्कार-2025: शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मान समारोह

भारत का भविष्य कक्षाओं में बैठा हर विद्यार्थी: स्वामी चिदानन्द सरस्वती

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

प्रयागराज/ऋषिकेश। महर्षि पतंजलि समूह के प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित ''लोकमानिलाल एवं दयाकांति देवी पुरस्कार-2025'' का दिव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन आज विवेकानंद ऑडिटोरियम, एमपीवीएम, गंगा गुरुकुलम्, प्रयागराज में संपन्न हुआ। यह पुरस्कार उन शिक्षकों, शिक्षाविदों और संस्थानों को समर्पित है जिन्होंने भारतीय ज्ञान, परंपरा, संस्कार, समृद्ध शिक्षा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से समाज में विशिष्ट योगदान दिया है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, अध्यक्ष परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश ने अपने मंगल आशीष देते हुए कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल जानकारियों का संचय नहीं, अपितु ज्ञान, विवेक, सेवा, चरित्र और संस्कार का समन्वय है।

पूज्य स्वामी जी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा को राष्ट्रनिर्माण, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, सेवा और मानवता के कल्याण में लगाएँ। उन्होंने कहा ''भारत का भविष्य कक्षाओं में बैठा हर विद्यार्थी है। हमारे युवाओं में दिव्यता है, क्षमतायें है और परिवर्तन का सामथ्य है। आवश्यकता है उन्हें सही दिशा, संस्कार और प्रेरणा प्रदान करते की।''राष्ट्रीय पत्रकार दिवस के पावन अवसर पर स्वामी जी ने सभी पत्रकार बंधुओं के हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि सत्य, नैतिकता और समाज सेवा का पवित्र मार्ग है।

विशिष्ट अतिथि श्री अनिल कुमार जैन जी ने शिक्षा क्षेत्र में एमपीवीएम समूह के योगदान की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुये कहा कि आज जब विश्व मूल्य, संकट से गुजर रहा है, तब भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा ही वह आधार है जो युवा पीढ़ी को स्थिरता, समृद्धि और आदर्शों से जोड़ सकती है।

कार्यक्रम में प्रोफेसर कृष्णा गुप्ता, सचिव, एमपीवीएम समूह, प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी श्री विनोद बागरोडिया जी, श्री रविंदर कुमार गुप्ता जी, श्री यशोवर्धन गुप्ता जी तथा वरिष्ठ शिक्षाविदों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकमानिलाल एवं दयाकांति देवी पुरस्कार का उद्देश्य शिक्षा के उन अनदेखे नायकों को सम्मानित करना है, जो निःस्वार्थ भाव से विद्यार्थियों में ज्ञान, अनुशासन, विज्ञान, दृष्टि और मानवीय मूल्यों का संचार कर रहे हैं। श्री यशोवर्धन ने आगामी शैक्षिक योजनाओं व संस्थान के सांस्कृतिक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।महर्षि पतंजलि समूह के संस्थानों, विशेषतः एमपीवीएम, गंगा गुरुकुलम् और महर्षि पतंजलि ग्रुप ऑफ स्कूल्स, ने सदैव भारतीय मूल्य, आधारित आधुनिक शिक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। यहाँ योग, ध्यान, संस्कृति, विज्ञान, नवाचार और चरित्र, निर्माण को समान महत्त्व दिया जाता है। यही कारण है कि विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक परिणामों में उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि जीवन, मूल्यों, सेवा, भाव, पर्यावरण चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व के मार्ग पर भी अग्रसर हैं।

कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों व विद्वानों को सम्मानित करते हुए कहा कि गुरुकुल परंपरा से लेकर आधुनिक शिक्षण, प्रणाली तक, भारत ने पूरे विश्व को सदैव ज्ञान का प्रकाश दिया है। आज आवश्यकता है कि इस परंपरा को युवाओं तक पहुँचाया जाए, ताकि वे नई तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विज्ञान और नवाचार के साथ साथ अपने संस्कार, संस्कृति और राष्ट्रीय चरित्र को भी सुदृढ़ रखें।पूरे समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, वैदिक मंत्र, उच्चारण और प्रेरणादायी वचनों ने एक आध्यात्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण का सृजन किया।

उपस्थित जन समुदाय ने संकल्प लिया कि वे शिक्षा के माध्यम से समाज को उच्चतर दिशा देने में अपना योगदान देंगे।कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय परिवार द्वारा किया गया। अंत में सभी अतिथियों एवं शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए यह विश्वास व्यक्त किया गया कि यह पुरस्कार परंपरा आगे भी शिक्षकों और युवाओं को प्रेरित करती रहेगी, तथा भारतीय ज्ञान विज्ञान और सनातन संस्कृति की ज्योति विश्व में और अधिक उज्ज्वल होगी।इस अवसर पर सोनिया दत्त, डॉ. उर्वशी साहनी, चारु सेठ, सौम्या तनेजा को पुरस्कृत किया गया।

चरणबद्ध तरीके से हो संभल का विकास, प्राचीन तीर्थों व कूपों का करें पुनरुद्धार : योगी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संभल जिले में जारी विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की और कहा कि पहले चरण में प्राचीन तीर्थों और कूपों का पुनरुद्धार कराया जाए।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि चरणबद्ध तरीके से संभल का विकास करें।

उन्होंने कहा कि संभल का विकास सरकार की प्राथमिकता है इसलिए पहले चरण में प्राचीन तीर्थों व कूपों का पुनरुद्धार कराया जाए जबकि दूसरे चरण में संग्रहालय और लाइट एंड साउंड आदि विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

मुख्यमंत्री ने संभल में जिला अदालत, कारागार और पीएसी इकाई के लिए जरूरी निर्माण की प्रक्रिया पर जल्द कार्रवाई के लिए भी कहा। उन्होंने राजस्व, गृह, न्याय, धर्मार्थ कार्य, लोक निर्माण, पर्यटन-संस्कृति, नगर विकास समेत कई विभागों के कार्यों की समीक्षा की।

आदित्यनाथ ने कहा कि संभल में 68 तीर्थ और 19 कूप हैं। प्रदेश सरकार इन तीर्थों के जीर्णोद्धार व पहचान के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को इन कार्यों को तेज गति से कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटीग्रेटेड कॉम्पलेक्स भवन में सभी विभागों का कार्यालय हो। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आवासीय व अनावासीय भवन के लिए 93 फीसदी भूमि खरीद ली गई है।

जयंत चौधरी एक बार फिर चुने गए रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष

मथुरा/लखनऊ, (भाषा) केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी रविवार को मथुरा में आयोजित राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अधिवेशन में एक बार फिर निर्विरोध पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए।

चौधरी ने इस अवसर पर विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''हम राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के साथ मजबूती से खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने मुझे बड़ी जिम्मेदारी दी है। आज विपक्ष के पास परिवार तो है लेकिन नेता या नीति नहीं है इसलिए विपक्ष विफल हो रहा है।'' उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की नीतियों को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा, ''गांव, किसान और गरीबों की चर्चा ही रालोद की जीत की कुंजी है।'' चौधरी ने पार्टी नेताओं से महिलाओं को आगे बढ़ाने में सहयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि महिलाओं को जल्द ही आरक्षण का लाभ मिलेगा। चौधरी ने कहा कि छाता में चीनी मिल फिलहाल बंद है, जिसे चालू कराया जाना जरूरी है।

रालोद ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 125वीं जयंती पूरे देश में मनाई जाएगी और इस दौरान सवा करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

राष्ट्रीय लोक दल सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का एक घटक दल है। जयंत चौधरी ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में मथुरा में आयोजित राष्ट्रीय लोक दल के अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस बीच, रालोद के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने एक बयान में कहा, ''मथुरा की पावन और ऐतिहासिक धरती पर राष्ट्रीय अधिवेशन 2025 का सफल आयोजन हुआ।

रन फॉर डायबिटीज कार्यक्रम का आयोजित किया गया

गोंडा। जिले में आज रेडबिन हेल्थ केयर और अभिलाषा फाउंडेशन द्वारा रन फॉर डायबिटीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां गोंडा के गुरु नानक चौराहे से 1 किलोमीटर लंबी दौड़ और जागरूकता रैली को गोंडा सीएमओ डॉक्टर रश्मि वर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर के रवाना किया गया। खुद इस दौड़ और जागरूकता कार्यक्रम में गोंडा सीएमओ डॉक्टर रश्मि वर्मा शामिल हुई और 1 किलोमीटर तक दौड़ते हुए इस कार्यक्रम में डायबिटीज को लेकर जागरूक करते हुए भी गोंडा के गांधी पार्क पहुंची। जहां पर इस कार्यक्रम का समापन किया गया है भारी संख्या में मौजूद लोगों को डायबिटीज मुक्त भारत बनाने के लिए जागरुक करते हुए उन्हें शपथ दिलाई गई है।

डॉ रश्मि वर्मा ने लोगों को शपथ दिलाते हुए कहा कि यह बीमारियां हमारे पास हमारे खान-पान के कारण और परिवार में अगर किसी को होता है तो उसके कारण भी लोगों को होती है। ऐसे में लोगों को इस बीमारी से बचाव के लिए अपने स्वास्थ्य पर काफी ध्यान देने की आवश्यकता है। जिसको भी यह बीमारी हो जाए वह खान-पान पर अपने विशेष रूप से ध्यान दें परहेज करें ताकि उन्हें और दिक्कतों का सामना न करना पड़े। वही रेडबिन हेल्थ केयर के संचालक डॉक्टर आशुतोष मिश्रा और सर्वेश मिश्रा ने कहा कि रन फॉर डायबिटीज कार्यक्रम का आयोजन सिर्फ इसलिए किया गया था ताकि लोगों को इस बीमारी के बारे में जागरूक किया जा सके भारी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं।

सभी लोगों को शपथ दिलाई गई है सभी लोगों ने एक दूसरे को जागरूक करने के लिए यहां पर शपथ ली है हम लोगों का सिर्फ उद्देश्य ही है कि जितना लोग जागरूक होंगे उतनी ही ज्यादा लोग इस बीमारी से दूर रहेंगे। विशेष रूप से लोग अपने खान-पान पर और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें ताकि इस बीमारी से लोग बचे रहे हैं।

गोंडा के प्रतिष्ठित डॉक्टर ओ एन पांडे ने बताया कि लगातार यह बीमारियां पूरे भारत में बढ़ रही है इसके रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक होने की बहुत ही आवश्यकता है अगर लोग जागरुक नहीं होंगे तो आने वाले दिनों में स्थिति काफी खराब होगी। यह बीमारी अगर किसी के अंदर हो जाती है तो अन्य बीमारियां भी उसे व्यक्ति के अंदर आ जाती है फिर उन्हें काफी

जिलाधिकारी के आदेश के बाद भी नहीं लिया वित्त एवं लेखाधिकारी का प्रभार

- *चार दिन पूर्व जिलाधिकारी ने दिया था निर्देश,परिषदीय शिक्षकों को नहीं मिला अक्टूबर माह का वेतन

गोंडा।जिले में तैनात हजारों शिक्षकों, शिक्षामित्रों और रसोइयों को अक्टूबर माह का वेतन अभी तक नहीं मिला है जिसके कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वेतन भुगतान न होने के कारण शिक्षकों द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने गत 12 नवम्बर को एक पत्र जारी कर संभागीय वित्त एवं लेखाधिकारी(खाद्य विभाग) राजीव राय को वित्त एवं लेखा विभाग(बेसिक शिक्षा) का अतिरिक्त प्रभार लेने का निर्देश दिया था।हालांकि जिलाधिकारी के निर्देश के चार दिन बीत जाने के बाद भी राजीव राय द्वारा प्रभार नहीं लिया गया है।वर्तमान प्रभारी वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा) चिकित्सा अवकाश पर हैं,जिसके कारण राजीव राय को यह दायित्व सौंपा गया था।

राजीव राय अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का हवाला देते हुए प्रभार लेने से इन्कार कर रहे हैं तो वहीं कई शिक्षक संगठनों ने उनसे मुलाकात कर प्रभार ग्रहण करने का अनुरोध किया है परन्तु उन्होंने अभी तक पदभार ग्रहण नहीं किया है।जिससे जिले के हजारों शिक्षकों को वेतन नहीं मिल पा रहा है।

जिले में स्थाई वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा) की तैनाती न होने के कारण शिक्षकों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।गौरतलब है कि जिले का कोई भी अधिकारी वित्त एवं लेखा विभाग का प्रभार लेने के लिए तैयार नहीं है,क्योंकि यहाँ पहले से ही जांच एजेंसियां भ्रष्टाचार के मामले की पड़ताल कर रही हैं जिसके दायरे में कई अधिकारी व कर्मचारी हैं और उन्हें पहले ही बयान दर्ज कराने के लिए अभिलेखों के साथ तलब किया है।शिक्षक संघर्ष समिति के संयोजक सतीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि वेतन न मिलने के कारण शिक्षकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

कोई भी लेखा का चार्ज लेने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि लेखा विभाग में काफी भ्रष्टाचार फैला है और कोई अपनी गर्दन नहीं फंसाना चाहता है।हम सरकार से मांग कर रहे हैं कि जिले में स्थाई लेखाधिकारी की तैनाती की जाए और लेखा विभाग में जो भ्रष्टाचार फैला है उसको लेकर कार्रवाई की जाए।

वहां पर जो भी लोग भ्रष्टाचार कर रहे हैं उन पर तत्काल कार्यवाही करके उनको हटाया जाए।विशिष्ट बिटीसी शिक्षक संगठन के जिलाध्यक्ष अनूप कुमार सिंह ने कहा कि वहां पर कई ऐसे लोग तैनात हैं जिनके ऊपर भ्रष्टाचार के मुकदमे दर्ज हैं फिर भी वह पटल पर काम कर रहे हैं।

पंचायत के दौरान खूनी संघर्ष, धारदार हथियार से दबंगों ने किया हमला

गोंडा।जिले के देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के कोयली गांव में पंचायत के दौरान खुनी संघर्ष हो गया जिसमें पूर्व सैनिक आनंद यादव, किशन यादव व दशरथ यादव धारदार हथियारों के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गये।बताते चलें कि गांव के भगवान शंकर उर्फ उत्तम सिंह,गौरी शंकर सिंह, आलोक सिंह,सत्यम उर्फ़ गणेश शंकर सिंह,अतुल सिंह, अंकुश सिंह, राजेश,विजय तिवारी, दीपु तिवारी,श्याम नारायण तिवारी, रवि तिवारी और सौरभ शुक्ला ने एकजुट होकर इन पर धारदार हथियार व अवैध तमंचे से हमला किया है।तीनों घायलों को जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए पूर्व सैनिक आनंद यादव और किशन यादव को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रिफर कर दिया जहाँ उनकी हालत नाजुक बनी हुई है तथा दशरथ यादव का इलाज गोंडा जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज में चल रहा है जहाँ इनकी भी हालत गंभीर बनी हुई है।घटना की सूचना मिलने पर देहात कोतवाल संजय कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच प्रारम्भ कर दी।वहीं पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि घटना का संज्ञान लेते हुए देहात कोतवाली पुलिस को कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं तथा मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जा रही है।दूसरी तरफ गांव में शांति व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।वहीं घटना की सूचना पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल गोंडा मेडिकल कॉलेज पहुंच कर घायलों का हाल चाल लिया तथा सपा जिलाध्यक्ष ने मामले में कठोर कार्यवाही की मांग की है।घटना के संबंध में पीड़ित राजेश यादव ने बताया कि मेरे परिवार का राजकुमार यादव के परिवार से झगड़ा हुआ था जिसके बाद गांव के कुछ लोग पंचायत में गए हुए थे पंचायत के निर्णय से नाराज होकर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

श्रीकृष्ण पांडेय 'आजाद' को मिलेगा प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार

लखनऊ/गोरखपुर, (भाषा) उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित स्माइल रोटी बैंक फाउंडेशन के अध्यक्ष श्रीकृष्ण पांडेय 'आजाद' को प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार-2025 प्रदान किया जाएगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने एक बयान में कहा, ₹प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार-2025 की चयन समिति ने स्माइल रोटी बैंक फाउंडेशन के अध्यक्ष श्रीकृष्ण पांडेय 'आजाद' को इस वर्ष के पुरस्कार के लिए चुना है।₹

बयान के मुताबिक पांडेय बाल भिक्षावृत्ति को रोकने, मानसिक रोग से पीड़ित बेसहारा व्यक्तियों का पुनर्वास और सेवा करने, विभिन्न जेलों में बंद कैदियों को भावनात्मक विकास के लिए परामर्श देने और उन्हें अपराध को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में वापस लाने में मदद करने तथा मादक पदार्थों के सेवन पर अंकुश लगाने के प्रयासों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

'विदेशी' इतिहासकारों ने छिपाये भारत के गौरवशाली क्षण : योगी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक कला और लोक गायन को इतिहास का संरक्षक बताते हुए रविवार को कहा कि 'विदेशी' इतिहासकारों ने भारत के अनेक गौरवशाली क्षणों को देश के इतिहास के साथ जानबूझकर नहीं जोड़ा लेकिन लोक गायन और लोक परंपराओं ने गर्व की उन गाथाओं को जिंदा रखा और उनका संरक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में आयोजित 10 दिवसीय 'उत्तराखण्ड महोत्सव-2025' में अपने संबोधन में कहा कि ऐसे महोत्सव देश की लोक परंपरा और लोक संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का भी एक माध्यम हैं। अगर इस तरह के महोत्सव ना मनाये जाएं तो आज की आपाधापी में बहुत से लोग परंपरा और संस्कृति से विमुख हो जाएंगे।

उन्होंने इतिहासकारों पर भारत के गौरवशाली क्षणों को जानबूझकर देश के इतिहास से नहीं जोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा, ''याद करिए, जब संकट के दौरान यह लोकगीत, यह लोक कला ही इतिहास का संरक्षण करके रखती है। भारत के बहुत सारे ऐसे गौरवशाली क्षण हैं जिन्हें विदेशी इतिहासकारों ने जानबूझकर शरारतन भारत के गौरवशाली इतिहास के साथ नहीं जोड़ा ताकि भारत का सच्चा इतिहास यहां के नागरिकों को प्राप्त ना हो, लेकिन लोक गायन और लोक परंपरा के माध्यम से वह गाथा आज भी हम सबको सुनने और देखने को मिलती है।'' आदित्यनाथ ने कहा, ''हमें अपनी मातृभूमि, अपनी देवभूमि पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। वहां की लोक कला, परंपरा, खान-पान और लोक संस्कृति को संरक्षित करते हुए उसे एक मंच भी देना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड महोत्सव भी अवधि संस्कृति और उत्तराखंड की संस्कृति के बेहतर समन्वय का ही स्वरुप है। इसमें अवध के श्रीराम हैं तो उत्तराखंड के बद्री विशाल भी। उत्तराखंड के चारों धाम भी इसके साथ जुड़कर इस महोत्सव की शोभा को एक नयी ऊंचाई तक पहुंचाने में अपना योगदान देते हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश और देश का गौरव है कि उसी उत्तराखंड ने स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा जी को और स्वर्गीय नारायण दत्त तिवारी जी को भी जन्म दिया, जिन्होंने लंबे समय तक उत्तर प्रदेश और देश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया। देश की स्वाधीनता के आंदोलन में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली का स्मरण हर देशभक्त करता है।

उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत भी उत्तराखंड की देन थे और द्वितीय सीडीएस भी उत्तराखंड की ही देन हैं।

कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया।

जिंदा लोगों को मृत दिखाकर जमीन हड़पने की साजिश, गिरफ्तार

● पुलिस ने फर्जी बैनामा गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार कर भेजे जेल

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद के सदर तहसील के उप-निबंधक कार्यालय में जमीन हड़पने की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। दक्षिण थाना पुलिस ने फर्जी बैनामा कराने पहुंचे एक संगठित गैंग के चार सदस्यों को

मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरोह जिंदा लोगों को मृत दिखाकर लाखों की संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 लाख 80 हजार रुपए का फर्जी ई-स्टाम्प, फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसान प्रमाणपत्र, और फर्जी आधार कार्ड सहित कई कूटरचित दस्तावेज जब्त किए हैं रजिस्ट्रार जंग बहादुर शुक्ल ने दस्तावेजों की जांच कर फजीर्वाड़े की पहचान की और तुरंत पुलिस को सूचना दी।नूर इस्लाम ने फर्जी कागजात के आधार पर मकान खरीदने की कोशिश की। शादमा ने मृत व्यक्ति की पत्नी बनकर संपत्ति बेचने का प्रयास किया।शाकेब खान ने मृत व्यक्ति का बेटा बनकर दस्तावेज पेश किए। मोहर सिंह और प्रदीप कुमार ने गवाह बनकर फर्जी दस्तावेजों का समर्थन किया।पुलिस बैंक विवरण और चेक नंबरों की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं इस फजीर्वाड़े में कोई बैंककर्मी शामिल तो नहीं।दक्षिण थाना पुलिस ने सभी आरोपियों पर केस दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी कर ली है।इस पूरे मामले में गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

थाना रामगढ़ स्थित प्राचीन मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद। शनिवार की रात्रि को जनपद के थाना रामगढ़ में स्थित प्राचीन मंदिर में भगवान श्री राम दरबार की नई मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई। जिसको लेकर नगर में एक भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई यह शोभायात्रा शीतलखा रोड स्थित भोलेनाथ मंदिर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इस दौरान रथ पर सजी मूर्तियां आकर्षण का केंद्र रहीं जिनपर पूरे मार्ग में भक्तों ने जयकारों के साथ आरती की और पुष्पवर्षा भी की । वहीं थाना प्रभारी संजीव कुमार दुबे ने थाना स्टाफ के सहयोग से नई मूर्तियों की व्यवस्था की।

महंतों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मूर्तियों की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई और उन्हें स्थापित किया गया।इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय भक्त भी मौजूद रहे। मंदिर परिसर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया था। इस आयोजन में श्रद्धालु जय श्री राम, जय श्री कृष्ण के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। मंदिर में भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

डीआर कॉलेज की छात्रा साक्षी ने किया विद्यालय का नाम रोशन

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर। शिकोहाबाद । नगर के माधवगंज स्थित डी. आर. इंटर कॉलेज की कक्षा 8 की प्रतिभाशाली छात्रा साक्षी यादव पुत्री राजीव कुमार ने हाल ही में 14 नवम्बर को सम्पन्न हुए खेलो इंडिया अस्मिता एथलेटिक्स लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम ऊँचा किया है। साक्षी ने ट्रायथलॉन में भाग लेते हुए तीनों इवेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें 60 मीटर दौड़ में रजत पदक, 600 मीटर दौड़ में भी रजत पदक, तथा लॉन्ग जंप (5 मीटर अप्रोच) में स्वर्ण पदक हासिल किया है। साक्षी की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश यादव ने बधाई देते हुए उनकी हौसला अफजाई की है। उन्होंने कहा कि साक्षी जैसी छात्राएँ न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ साथ खेलों में भी रुचि लेने का आग्रह किया । इधर साक्षी की इस सफलता ने विद्यालय के छात्रा व छात्राओं को भी खेल के प्रेरित किया है।

केंटर की टक्कर से घायल युवक की मौत

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर । जसराना। सब्जी लेकर घर लौट रहे युवक की बाइक में केंटर ने टक्कर मार दी। गंभीर रुप से घायल युवक ने उपचार के लिए ले जाते समय दम तोड दिया। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के बारे में जानकारी ली। थाना जसराना के गांव नगला तुरसी निवासी सौरभ (30) पुत्र कमलेश सिंह गांव से सब्जी लेने कस्बा पाढ़म गया था। सब्जी लेकर लौटते समय पाढ़म तिराहे पर शिकोहाबाद की तरफ से आ रही केंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर लगने से सौरभ गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने परिजन और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंच गए। आनन-फानन में उपचार के लिए लेकर गए। उपचार के लिए ले जाते समय युवक ने दम तोड दिया। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन ने बताया युवक की पत्नी की मौत पहले ही हो चुकी है। उसके दो बच्चे हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार पांडे ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत हुई है। कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक की हुई दर्दनाक मौत

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। फिरोजाबाद । रविवार को जनपद के थाना जसराना क्षेत्र में एक सड़क हादसे के दौरान 30 वर्षीय युवक सौरभ पुत्र कमलेश की मौत हो गई। निवासी रूप में हुई है। जानकारी करने पर पता चला कि मृतक युवक सौरभ थाना क्षेत्र जसराना के नगला तुलसी के रहने वाला था जो नगला पदम से सब्जी खरीदकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि सौरभ तीन भाइयों में बीच के थे। उनकी पत्नी का पांच वर्ष पूर्व बीमारी के कारण निधन हो गया था। उनके दो छोटे बच्चे हैं। सौरभ ही खेती और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे।इंस्पेक्टर राजेश पांडे ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन की जानकारी की जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

किसी चीज की जिम्मेदारी लेना और उसका सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करना अहम : गडकरी

नागपुर,(भाषा)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि किसी भी कार्य की जिम्मेदारी लेना और उसका सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करना जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। गडकरी ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) नागपुर में युवा भारती फाउंडेशन द्वारा आयोजित चेंजमेकर्स कॉन्क्लेव में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें प्राप्त करने के लिए लगन से काम करना महत्वपूर्ण है। गडकरी ने कहा कि छोटे-छोटे योगदान भी स्थिति बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि छोटे लक्ष्य रखना अपराध है और युवाओं से बड़े सपने देखने, बेहतर भविष्य की कल्पना करने तथा एक मजबूत दृष्टिकोण विकसित करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में सक्षम नेतृत्व तैयार करने में अनुभव और सूझबूझ के महत्व पर जोर दिया। गडकरी ने कहा कि सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है और लोगों की समस्याओं को सही मायने में समझने के लिए उनसे सीधे जुड़ना जरूरी है। गडकरी ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने (नागपुर में) अधिकांश विकास परियोजनाओं की परिकल्पना लोगों की समस्याओं को समझने के बाद की तथा उन्हें क्रियान्वित किया। उन्होंने कहा, किसी भी काम में सफलता के लिए उसकी जिम्मेदारी लेना बहुत महत्वपूर्ण है। आप जो भी कार्य हाथ में लें, उसे पूरी लगन और निष्ठा के साथ पूरा करें।

बीएमसी चुनाव में कांग्रेस और शिवसेना-उबाठा अपने फैसले खुद लेने के लिए स्वतंत्र : उद्धव

मुंबई,(भाषा) शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि कांग्रेस और उनकी पार्टी अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। इससे एक दिन पहले, महा विकास आघाडी (एमवीए) में शामिल कांग्रेस ने वृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की थी। कांग्रेस के एक वर्ग ने राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को एमवीए में शामिल करने और ठाकरे भाइयों के बीच बढ़ती नजदीकियों को लेकर आपत्ति जताई थी। ठाकरे ने बिहार चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिले भारी जनादेश पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के नए गणित को समझना मुश्किल है, जहां (विपक्षी नेताओं की) रैलियों में भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन उम्मीदवार जीत नहीं पाते। ठाकरे ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए सवाल किया कि क्या राजद नेता तेजस्वी यादव को मिला भारी समर्थन असली था या कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए बनाया गया था।कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने शनिवार को कहा कि पार्टी आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने की तैयारी कर रही है। ठाकरे ने संवाददाताओं से कहा, ₹कांग्रेस और मेरी पार्टी स्वतंत्र हैं। कांग्रेस अपना फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है और मेरी पार्टी को भी ऐसा करने की आजादी है। भारत के निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा कि एकजुट विपक्ष ने मतदाता सूची में अनियमितताओं को उजागर किया और मार्च निकाला इसके बावजूद आयोग इन मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा, ₹हम चुनाव का विरोध इसलिए नहीं करते क्योंकि यह राजनीति की जीवनरेखा है। लेकिन अगर चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है, तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जाना चाहिए? उन्होंने भाजपा पर क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की साज़िश रचने का भी आरोप लगाया। ठाकरे ने कहा कि क्षेत्रीय अस्मिता को कुचलने वाली कोई भी पार्टी देश में टिक नहीं पाएगी।

टूंडला में निकाली गई विशाल जन एकता यात्रा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

टूंडला रविवार को लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जयंती के अवसर पर नगर में एक विशाल जन एकता यात्रा का आयोजन किया गया।

उक्त जन एकता यात्रा का शुभारंभ नगर के दीपा के चौराहे से शुरू होकर एटा रोड स्थित गल्ला मंडी स्थल पर समापन

● पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने यात्रा में हुए शामिल

हुआ। आपको बता दें कि जन एकता यात्रा का शुभारंभ दीपा चौराहे से किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में स्कूली बच्चे,भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। यात्रा दीपा के चौराहे से शुरू होकर भारत माता चौक पहुंची वहां से सब्जी मंडी होते हुए सुभाष चौराहे पर यात्रा का स्वागत किया गया। लाइन लगाकर खड़ी जेसीबी मशीनों से कार्यकताओं ने यात्रा पर पुष्प वर्षा की, यात्रा एटा रोड होते हुए मंडी समिति पहुंची। यात्रा के उपरांत मंडी समिति में एक जनसभा का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा नेताओं द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डाला गया और उनके द्वारा किए किए देश हित के कार्यों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

उक्त जन एकता यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह रहे,कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने की तथा संचालन दीपक चौधरी ने किया,यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व विधायक हरिओम यादव, शिव सिंह चक,वृंदावन गुप्ता,मानवेंद्र प्रताप सिंह लोधी,चेयरमैन चौ भंवर सिंह, रामतीर्थ सिंह चक,राजीव गुप्ता,ब्रजेश उपाध्याय,लोकेश जादौन,जितेन्द्र प्रताप सिंह, सुशील पोनियां,तरुण शर्मा, रूपेश शुक्ला,संजय परमार, दुष्यन्त जादौन,सहित अनेकों भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर पदयात्रा का होगा आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । रविवार को भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर निकलने वाली भव्य जन एकता तिरंगा यात्रा के चलते एक प्रेस वार्ता का आयोजन होटल मोनार्क में किया गया । इस दौरान सदर विधायक सदर मनीष असीजा ने कहा कि पटेल जी के जयंती दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हुए जनपद में भाजपा के नेतृत्व में 8 किलोमीटर लंबी एक पद यात्रा को आयोजित की न रही है । यात्रा पूरे नगर में चार चरणों में आयोजित की जा रही है । वहीं महापौर कामिनी राठौर ने पार्षदों,भाजपाइयों तथा समाज के लोगों से यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की । वहीं इस दौरान महानगर अध्यक्ष सतीश दिवाकर ,महानगर महामंत्री राधेश्याम यादव , रामनरेश कटरा ,केशव फौजी, शैलेंद्र गुप्ता शालू ,दीपक गुप्ता कालू ,आकाश गुप्ता ,कार्यक्रम संयोजक अंकित तिवारी ,डॉ एसपी लहरी ,सुनील शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे ।

सड़क हादसे में 55 वर्षीय कमल की मौत

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद । रविवार को जनपद के थाना उत्तर क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में अधेड़ की मौत हो गई । जानकारी करने पर मृतक का नाम कमल उम्र 55 वर्ष बताया गया । मृतक फिरोजाबाद स्थित झील की पुलिया, एस. आर. पेट्रोल पंप के पास के निवासी थे तथा थाना उत्तर क्षेत्र के फिरोजाबाद क्लब से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कमल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया तथा पुलिस ने उनके परिजनों को भी घटना की सूचना दी। मृतक के बेटे सतीश कश्यप ने आरोप लगाया है कि एक ऑटो चालक ने लापरवाही से ऑटो चलाते हुए एक खड़े ट्रक में टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ। वहीं मामले को लेकर थाना प्रभारी निरीक्षक संजुल कुमार पांडे ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है।

पर्यटन मंत्री ने किया 6.45 करोड़ की चार पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण परियोजनाओं का लोकार्पण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद । रविवार को भारतीय जनता पार्टी के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने अपने ग्रह जनपद फिरोजाबाद के सिरसागंज में ?6.45 करोड़ की चार पर्यटन विकास एवं सौंदर्याकरण परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान एक लोकार्पण समारोह सिरसागंज के ग्राम सिरसाखास स्थित नादेश्वर मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। इस दौरान मंत्री जी ने नादेश्वर मंदिर (ग्राम सिरसाखास) का विकास (?242.06 लाख), मौलेश्वर मंदिर (नगला मुरली) का विकास (?184.28 लाख), भोले बाबा और बजरंगबली मंदिर (ग्राम भुताई) का विकास (?153.80 लाख), तथा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर (सिरसागंज) का विकास (?76.32 लाख) कार्यों का लोकार्पण किया ।इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार विरासत और परंपरा को संजोने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र का धार्मिक विकास होगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मंत्री ने फिरोजाबाद को पर्यटन का केंद्र बनाने का लक्ष्य दोहराया, ताकि भावी पीढ़ियां पुरानी धरोहरों से परिचित हो सकें। ये विकास कार्य मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत किए जा रहे हैं। इस दौरान मंत्री जी ने विपक्ष पर भी हमला बोला और सरकार के विकास कार्यों को भी गिनाया। कार्यक्रम के दौरान काफी संख्या में भाजपाई तथा अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे ।

सड़क हादसे में मारे गए व्यक्ति के परिवार को 74 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

ठाणे,(भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने पांच साल पहले सड़क हादसे में मारे गए 45 वर्षीय व्यक्ति के परिवार को लगभग 74 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। एमएसीटी सदस्य आरवी मोहिते ने शुक्रवार को यह आदेश पारित किया। एक निजी कंपनी में काम करने वाले विनोद कुमार भागीरथ चौहान की जून 2020 में मुंबई में एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई थी। उस समय चौहान का सालाना वेतन 6,13,200 रुपये था। न्यायाधिकरण ने इस हादसे के लिए ट्रक चालक को जिम्मेदार ठहराया और उसे तथा वाहन बीमाकर्ता को चौहान के परिवार को संयुक्त रूप से 74 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया।

महिला ने लगाया मारपीट का आरोप, चार के नाम रिपोर्ट दर्ज

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर ।

सिरसागंज। थाना नसीरपुर क्षेत्र के गांव नानेमऊ में एक महिला ने पूर्व प्रधान सहित अन्य पर मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नानेमऊ निवासी महिला बबली ने तहरीर देते हुए बताया कि वह शनिवार शाम 6 बजे अपने घर के बाहर बैठी थी, तभी पूर्व प्रधान सत्येंद्र उर्फ गुड्डू व कन्हैया निवासीगण नगला नरैनी थाना सिरसागंज तथा संगीता देवी , लुकमान सिंह निवासी ग्राम नानेमऊ थाना नसीरपुर जिला फिरोजाबाद एक राह होकर आए और उसके साथ मारपीट करने लगे। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने

चारों के नाम रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्राओं ने रैली निकाल कर दिया नशा मुक्ति का संदेश

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर ।

सिरसागंज। तहसील सिरसागंज के राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने रैली निकाल कर लोगों को नशा मुक्ति का संदेश दिया है।राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसागंज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई का द्वितीय एकदिवसीय शिविर नशा-मुक्त समाज के निर्माण के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सोनल भार्गव के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य विषय एक युद्ध नशे के विरुद्ध था। शिविर के अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने कॉलेज द्वारा गोद लिए गए गाँव सराय लुकमान का भ्रमण किया और एक जनजागरूकता रैली

निकालकर ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। रैली में छात्राओं ने नशा छोड़ो जीवन संवारो, युवाओं को बचाना है, नशा मुक्त बनाना है, नशा है विनाश की डगर, इससे दूर रहें सभी घर, जैसे नारों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया।

स्वयंसेवकों ने घर-घर बांटी पुस्तकें व पत्रक

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

टूंडला।थाना नगला सिंघी के क्षेत्रांतर्गत गांव बजेहरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड प्रचारक व स्वयंसेवकों ने संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर घर घर पत्रक व पुस्तकें वितरित की।

इस दौरान खंड प्रचारक भूपेंद्र ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसने सफलतापूर्वक 100 वर्ष पूरे किए हैं।

संगठन ने देश हित के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य किया है संघ अब पंच परिवर्तन के सिद्धांतों पर कार्य कर रहा है इनमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण,कुटुंब प्रबोधन,स्वयं आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध शामिल है। प्रचारक ने कहा कि पिछले 100 वर्षों से यह महायज्ञ निरंतर चल रहा है इस कार्यक्रम में पुष्पेंद्र सिंह, कपूर चंद्र एडवोकेट, तेजपाल,दामोदर,रंजीत रायपुरिया और ब्रिज रायपुरिया सहित स्वयंसेवक मौजूद रहे।

18 से 21 नवंबर तक लगेगा जीवन प्रमाण पत्र बनवाने हेतु शिविर

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

टूंडला।वरिष्ठ मंडल कार्मिक उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के आदेशा नुसार कॉन्फ्रेंस हॉल कंट्रोल ऑफिस टूंडला में सेवानिवृत रेलवे कर्मचारियों को डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट,जीवन प्रमाण पत्र बनाने हेतु शिवर का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें अधिक से अधिक सेवानिवृत कर्मचारी उपस्थित होकर शिविर का लाभ ले सकते हैं।

पाकिस्तान के सिंध में अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, सात की मौत

करांची,(भाषा)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक अवैध अस्थायी पटाखा निर्माण कारखाने में विस्फोट के कारण कम से कम सात लोग मारे गए और कई घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद शहर के लतीफाबाद इलाके में शनिवार रात एक गैर-लाइसेंसी पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट हुआ। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, लतीफाबाद पुलिस थाने के पास लाघारी गोथ नदी के किनारे एक पटाखा फैक्ट्री में शक्तिशाली विस्फोट की सूचना मिली है। उन्होंने कहा, अब तक मलबे से सात शव निकाले जा चुके हैं।अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के बाद शनिवार रात मकान का एक हिस्सा ढह गया तथा कुछ लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। बचाव दल के प्रवक्ता ने बताया कि बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही विस्फोट का वास्तविक कारण पता चल सकेगा। लतीफाबाद के सहायक आयुक्त सऊद लुंड ने घटनास्थल पर मीडिया से बातचीत में इस बात की पुष्टि की कि पटाखे अवैध रूप से बनाए जा रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि फैक्ट्री का मालिक असद जई फरार है और उसके पास यहां पटाखे बनाने का लाइसेंस भी नहीं था।

अमेरिका की दिव्यांगता अधिकार कार्यकर्ता और लेखिका एलिस वोंग का 51 वर्ष की उम्र में निधन

सैन फ्रांसिस्को,(एपी)। दिव्यांगता के बावजूद अपनी आत्मनिर्भरता और लेखन से दूसरों को प्रेरित करने वाली अमेरिका की दिव्यांगता अधिकार कार्यकर्ता एवं लेखिका एलिस वोंग का निधन हो गया है। वह 51 वर्ष की थीं। वोंग का संक्रमण के कारण शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया। यह जानकारी उनकी करीबी दोस्त सैंडी हो ने दी जो वोंग के परिवार के संपर्क में थीं। हो ने अपनी दोस्त को एक ऐसी शख्सियत बताया जिसने दिव्यांगता न्याय आंदोलन को मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि वोंग एक ऐसी दुनिया चाहती थीं जहां दिव्यांग लोग, खासकर हाशिए पर रहने वाले लोग, एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोग और अप्रवासी स्वतंत्र रूप से रह सकें तथा अपने जीवन और निर्णयों पर उनकी पूर्ण स्वायत्तता हो। हांगकांग के एक अप्रवासी की बेटी वोंग जन्म से मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (मांसपेशियों की कमजोरी से जुड़ी आनुवांशिक बीमारी) से पीड़ित थीं।

यूक्रेन और रूस युद्धबंदियों की अदला बदली पर काम कर रहे हैं : जेलेंस्की

कीव,(एपी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि यूक्रेन और रूस कैदियों की अदला-बदली फिर से शुरू करने के लिए काम कर रहे हैं और इससे 1,200 यूक्रेनी कैदियों की वापसी संभव होगी। जेलेंस्की का यह बयान राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख द्वारा वार्ता में प्रगति की घोषणा के एक दिन बाद आया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, हमें ... युद्धबंदियों की अदला-बदली की प्रक्रिया बहाल होने का भरोसा है। यह सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान में कई बैठकें, वार्ताएं और फोन पर बातचीत हो रही हैं। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में युद्धकैदियों की अदला-बदली दोबारा शुरू करने के लिए बातचीत की है।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष तुर्किये की मध्यस्थता से 1,200 यूक्रेनियों को रिहा करने के लिए कैदी विनिमय समझौतों को बहाल करने पर सहमत हुए हैं। रूस ने इस दावे पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। एक अन्य घटनाक्रम में, यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि उसके ओडेसा क्षेत्र में रविवार रात तक रूसी ड्रोन हमलों से ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचा। क्षतिग्रस्त स्थलों में एक सौर ऊर्जा संयंत्र भी शामिल है। यूक्रेन की वायु सेना ने रविवार को बताया कि रूस ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कुल 176 ड्रोन हमले किये और एक मिसाइल दागी। उसने दावा किया कि यूक्रेन ने 139 ड्रोन को नष्ट कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसके बलों ने गत रात यूक्रेन की ओरे से किए गए 57 ड्रोन हमले नाकाम कर दिये।

इंटरपोल ने इमरान के सहयोगी के खिलाफ मामला बंद किया

लाहौर,(भाषा)। इंटरपोल ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी मूनिस इलाही के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के पाकिस्तान के अनुरोध से संबंधित मामला बंद कर दिया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

पाकिस्तान सरकार ने पूर्व संघीय मंत्री को पकड़ने के लिए इंटरपोल से सहायता मांगी थी, जो लगभग तीन साल पहले खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई के बाद स्पेन चले गए थे।

इंटरपोल के एक बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन - इंटरपोल - का महासचिव यह प्रमाणित करता है कि आज की तारीख में मूनिस इलाही इंटरपोल के नोटिस के अधीन नहीं हैं।पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार ने मूनिस को प्रत्यर्पित करने के लिए इंटरपोल के समक्ष अपना मामला बनाने के लिए उन पर कई ₹फर्जी₹ प्राथमिकी - हत्या, धनशोधन, भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग - दर्ज की थीं। आंतरिक मंत्री और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी इंटरपोल के समक्ष प्रत्यर्पण याचिका पैरवी कर रहे थे, क्योंकि मूनिस अक्सर पाकिस्तान के क्रिकेट परिदृश्य को नष्ट करने और खान के समर्थकों पर कार्रवाई करने के लिए उनकी आलोचना करते थे। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही के बेटे मूनिस ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद पीटीआई प्रमुख खान को बुनियादी अधिकार नहीं देने के लिए मौजूदा मुख्यमंत्री मरियम नवाज की भी आलोचना की थी।एक अधिकारी ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया, इंटरपोल ने मूनिस के खिलाफ पाकिस्तान के मामले को खारिज कर दिया क्योंकि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) उनके खिलाफ हत्या, धन शोधन और अन्य मामलों से संबंधित सबूत पेश करने में विफल रही।उन्होंने कहा कि इंटरपोल ने पाकिस्तान के रुख को स्वीकार नहीं किया, क्योंकि पीटीआई नेता के खिलाफ अधिकांश मामले ₹राजनीतिक प्रकृति₹ के थे। मूनिस के वकील अमीर रॉन ने कहा, इंटरपोल ने गहन तथ्यान्वेषी जांच के बाद पीएमएल-एन सरकार द्वारा लगाए गए सभी निराधार आरोप खारिज कर दिये। उन्होंने कहा कि इलाही परिवार को खान के प्रति निष्ठावान रहने के कारण प्रताड़ित किया गया है।

ब्राजील: लूला के पूर्व मानवाधिकार मंत्री पर यौन दुराचार के औपचारिक रूप से आरोप लगे

रियो डी जेनेरियो,(एपी)। ब्राजील की संघीय पुलिस ने देश राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला दा सिल्वा के पूर्व मानवाधिकार मंत्री सिल्वियो अल्मेडा पर यौन दुराचार का औपचारिक आरोप लगाया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले साल ये आरोप लगने के बाद अल्मेडा को बर्खास्त कर दिया गया था। अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। अब अभियोजक तय करेंगे कि आरोप लगाए जाएं या नहीं। अगर वे ऐसा करते हैं तो इस स्थिति में अल्मेडा पर मुकदमा चलाया जाएगा। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पुलिस ने अल्मेडा पर शुक्रवार को औपचारिक रूप से आरोप लगाए। आरोप लगाए जाने के बाद से अल्मेडा ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि इससे पूर्व वह इस तरह के आरोपों से इनकार कर चुके हैं। यौन हिंसा की शिकार महिलाओं का बचाव करने वाले संगठन मीटू ब्राज़ील ने कहा था कि उसे पूर्व मंत्री द्वारा यौन दुराचार की शिकायतें मिली हैं जिसके बाद लूला ने पिछले साल सितंबर में अल्मेडा को बर्खास्त कर दिया था। मीडिया ने कथित पीड़ितों में से एक के रूप में नस्ली समानता मंत्री एनीले फ्रेंको का नाम लिया था, जिन्होंने बाद में लूला के फैसले की सराहना की। फ्रेंको ने अपनी बहन एवं रियो डी जेनेरियो की पार्षद मारिएल फ्रेंको की हत्या के बाद राजनीति में प्रवेश किया था। मारिएल फ्रेंको की 2018 में हत्या कर दी गई थी। साओ पाउलो राज्य की एक प्रोफेसर इसाबेल रोड्रिग्स ने पिछले साल आरोप लगाया था कि अल्मेडा ने उनका यौन उत्पीड़न किया था। उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर कहा, इस मामले में प्रभावी न्याय मिलने में अभी लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने कहा, एक पीड़ित के रूप में मुझे कुछ कहना है महिलाओं का हाथ मत छोड़ो।

मेक्सिको सिटी में जेन जेड के विरोध ने पकड़ा जोर, हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

मेक्सिको सिटी,(एपी)। मेक्सिको में अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेनरेशन जेड द्वारा आहूत प्रदर्शन के समर्थन में शनिवार को यहां हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। इस विरोध प्रदर्शन का विपक्षी दलों के विभिन्न आयुवर्ग के लोगों ने भी समर्थन किया। प्रदर्शन में कुछ युवाओं की पुलिस से झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरों, पटाखों, लाठियों एवं जंजीरों से हमला किया और पुलिस की ढालें एवं अन्य उपकरण छीन लिए। राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने बताया कि 120 लोग घायल हुए हैं जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी हैं। इस संबंध में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 1990 के दशक के अंत और 2010 के प्रारंभ के बीच जन्मे लोगों ने इस वर्ष कई देशों में असमानता, लोकतांत्रिक पतन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रदर्शन किए हैं। नेपाल में हाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद सितंबर में सबसे बड़ा जेन जेड विरोध प्रदर्शन हुआ था जिसके कारण उस देश के प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। मेक्सिको में कई युवाओं का कहना है कि वे भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों के लिए दंड से मुक्ति जैसी प्रणालीगत समस्याओं से निराश हैं।

जयशंकर ने द्विपक्षीय साझेदारी और क्षेत्रीय विकास के मुद्दे पर बहरीन के विदेश मंत्री के साथ चर्चा की

न्यूयॉर्क,(भाषा)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहरीन के अपने समकक्ष अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी के साथ फोन पर बातचीत की और बहरीन तथा भारत के बीच दीर्घकालिक बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

न्यूयॉर्क के दौरे पर आए जयशंकर ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुलातिफ बिन राशिद अल जायनी से फोन पर बात कर-के अच्छा लगा।

दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कहा, दोनों देशों की दीर्घकालिक बहुआयामी साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरूआत में नयी दिल्ली में व्यापक चर्चा की थी और कहा था कि दोनों देश एक निवेश समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। उस वक्त भारत और बहरीन ने एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने दोहरा कराधान बचाव समझौता (डीटीएए) के लिए बातचीत शुरू करने को लेकर एक आम समझ विकसित करने पर भी सहमति व्यक्त की थी। अधिकारियों ने कहा था कि इससे दोहरे कराधान को खत्म करने, कर निश्चितता प्रदान करने और व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। बहरीन और भारत के बीच पिछले कुछ वर्षों में समग्र द्विपक्षीय संबंधों में तेजी देखी गई है, 2024 और 2025 में दोनों पक्षों का व्यापार 1.64 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। इस खाड़ी देश में लगभग 3,32,000 भारतीय नागरिक रहते हैं, जो उस देश की कुल 15 लाख की आबादी का लगभग एक चौथाई हिस्सा हैं। भारत बहरीन के शीर्ष पांच व्यापारिक साझेदारों में से एक है।

खेल एक्सप्रेस

अपने ही स्पिन चक्रव्यूह में फंसा भारत, दक्षिण अफ्रीका की भारतीय धरती पर 15 साल में पहली जीत

कोलकाता,(भाषा) कप्तान तेम्बा बावुमा के जुझारू अर्धशतक के बाद अनुभवी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की ईडन गार्डस की खतरनाक पिच पर बलखाती गेंदों के जादू से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में तीसरे दिन ही रविवार को यहां 30 रन से हराकर भारतीय धरती पर 15 साल में अपनी पहली जीत दर्ज की।

भारत के सामने 124 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी टीम 35 ओवर में 93 रन पर आउट हो गई। इससे दक्षिण अफ्रीका ने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। गिल की अनुपस्थिति में केवल वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 31 रन) ही कुछ देर तक संघर्ष कर पाए। बाकी बल्लेबाजों को स्पिनरों के लिए अनुकूल विकेट से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई जिससे एक बार फिर से भारतीय टीम की टर्निंग पिचों पर कलई खुल गई।

पिछले छह टेस्ट मैचों में यह भारत की घरेलू मैदान पर चौथी हार थी, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टर्निंग पिचों पर 0-3 से मिली हार भी शामिल है।

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने मैच के बाद कहा, हमें इस लक्ष्य का पीछा करना चाहिए था। दूसरी पारी में दबाव बढ़ता रहा। रिकॉर्ड की बात करें तो यह दूसरा न्यूनतम लक्ष्य है जिसको भारत हासिल करने में नाकाम रहा। इससे पहले वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 1997 में ब्रिजटाउन में 120 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया था। दक्षिण अफ्रीका अपने दूसरे न्यूनतम स्कोर का बचाव करने में सफल रहा। इसकी नींव तेज गेंदबाज मार्को यानसन (15 रन दे कर दो विकेट) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके रखी। हार्मर (21 रन देकर चार विकेट) ने मध्यक्रम झकझोरा जबकि केशव महाराज (37 रन देकर दो विकेट) ने बाकी काम पूरा किया। इस बीच एडेन मार्क्रम ने वाशिंगटन का कीमती विकेट लिया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 153 रन बनाए। उसकी तरफ से कप्तान बावुमा ने नाबाद 55 रन की आकर्षक पारी खेली जो इस टेस्ट मैच में किसी बल्लेबाज का एकमात्र अर्धशतक भी है। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ने चार जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 159 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की बढ़त हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका हालांकि शानदार वापसी करने में सफल रहा और वह अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे मैच में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगा। जिस पिच पर बावुमा ने अपनी दमदार बल्लेबाजी का नमूना पेश किया, वहां भारतीय बल्लेबाज असफल रहे। यानसन ने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके उछाल हासिल की और भारत के दोनों सलामी बल्लेबाजों को लगातार ओवरों में आउट किया। आक्रामक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल केवल चार गेंद का सामना कर पाए और खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। यानसन ने अगले ओवर में राउंड द विकेट गेंदबाजी की और पहली गेंद पर ही केएल राहुल को आउट कर दिया। उनकी गेंद राहुल के दस्तानों को चूमती हुई विकेटकीपर के पास गई। वाशिंगटन ने छठे विकेट के रूप में आउट होने से पहले एक छोर संभाल कर रखा था। उनके अलावा भारतीय बल्लेबाजों में जडेजा (26 गेंद पर 18 रन) और अक्षर पटेल (17 गेंद पर 26 रन) ही कुछ योगदान दे पाए। जडेजा के आउट होने से भारत की हार तय हो गई। अक्षर ने दो छक्के लगाए लेकिन इसे हार का अंतर ही कम हो पाया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सुबह 63 रन की कुल बढ़त के साथ सात विकेट पर 93 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन बावुमा के आत्मविश्वास से भरे प्रयास और नौवें नंबर के बल्लेबाज कोर्बिन बॉश के 37 गेंदों पर 25 रन की बदौलत उसने बढ़त को 100 रन के पार पहुंचा दिया।

इन दोनों के बीच आठवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी ने शुरूआती घंटे में भारत को निराश कर दिया। जब यह दोनों खेल रहे थे तब प्रति ओवर तीन से अधिक रन बन रहे थे। कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत का जसप्रीत बुमराह को अधिक खतरनाक क्लब हाउस छोर से नहीं उतारने का फैसला हैरानी भरा रहा। बुमराह ने पहली पारी में इसी छोर से गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए थे। लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जीत दिलाने के बाद अपना पहला टेस्ट खेल रहे बावुमा ने बुमराह की गेंद पर फाइन लेग पर चौके के साथ मैच का पहला अर्धशतक पूरा किया। बुमराह ने बॉश को बोल्ड करके भारत को दिन की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने अपने एक ओवर में साइमन हार्मर (07) और केशव महाराज (00) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत किया।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच में भारत को 30 रन से हराया

कोलकाता,(भाषा) दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में तीसरे दिन रविवार को यहां भारत को 30 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की। भारत के सामने 124 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी टीम 35 ओवर में 93 रन बनाकर आउट हो गई। कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। भारत की तरफ से वाशिंगटन सुंदर ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने चार विकेट लिए। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 153 रन बनाकर 123 रन की बढ़त हासिल की थी। उसकी तरफ से कप्तान तेम्बा बावुमा ने नाबाद 55 रन बनाए। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ने चार विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 159 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की बढ़त हासिल की थी।

भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता, मुर्तजा को रजत

नयी दिल्ली,(भाषा)। धनुष श्रीकांत ने रविवार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया।

अजीतेश ताइफोंग ओपन गोल्फ में सर्वश्रेष्ठ भारतीय

ताइपे,(भाषा) अजीतेश संधू ताइवान ग्लास ताइफोंग ओपन के चौथे और आखिरी दौर में 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 22वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर रहे। एस चिक्कारंगप्पा (70) संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर रहे। थाईलैंड के एकफारित वू ने अंतिम दौर में स्थानीय खिलाड़ी हंग चिएन-याओ को दो शॉट से हराकर अपने पदार्पण सत्र में एशियाई टूर पर अपना पहला खिताब जीता। 26 वर्षीय वू ने पार-72 कोर्स पर पांच अंडर-पार 67 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर 20 अंडर का रहा। भारत के खालिन जोशी (71) संयुक्त रूप से 42वें स्थान पर रहे, जबकि विराज मदप्पा (72) संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर रहे। पुखराज सिंह गिल (72) संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहे।

हमें इस लक्ष्य को हासिल करना चाहिए था: पंत

कोलकाता, (भाषा)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 124 रन का पीछा नहीं कर पाने पर अफसोस जताते हुए उप कप्तान ऋषभ पंत ने रविवार को कहा कि बल्लेबाजों को ईडन गार्डन्स की मुश्किल पिच पर खेलने की चुनौती के अनुकूल ढल जाना चाहिए था। भारतीय टीम दूसरी पारी में 93 रन पर ढेर हो गई जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन की जीत से दो मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। चोटिल होने के कारण नियमित कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में आए पंत ने कहा इस तरह के मैच के बाद आप इसके बारे में ज्यादा सोचते हुए नहीं रह सकते।

भारत की 124 रन के लक्ष्य के सामने खराब शुरूआत

कोलकाता,(भाषा)। यशस्वी जायसवाल लगातार दूसरी पारी में नाकाम रहे जबकि उनके सलामी जोड़ीदार केएल राहुल भी नहीं चले जिससे भारत ने 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां लंच तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 10 रन बनाए।

विकेट से गेंदबाजों को मदद मिल रही है और ऐसे में भारत ने 13 गेंद के अंदर अपने दोनों सलामी बल्लेबाज जायसवाल (00) और राहुल (01) के विकेट जल्दी गंवा दिए। इन दोनों को तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने विकेट के पीछे कैच कराया। लंच के समय वाशिंगटन सुंदर पांच और ध्रुव जुरेल चार रन पर खेल रहे थे। भारत अभी लक्ष्य से 114 रन पीछे है।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 153 रन बनाए। उसकी तरफ से कप्तान तेम्बा बावुमा ने नाबाद 55 रन की आकर्षक पारी खेली जो इस टेस्ट मैच में किसी बल्लेबाज का पहला अर्धशतक भी है। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ने चार जबकि मोहम्मद सिराज और

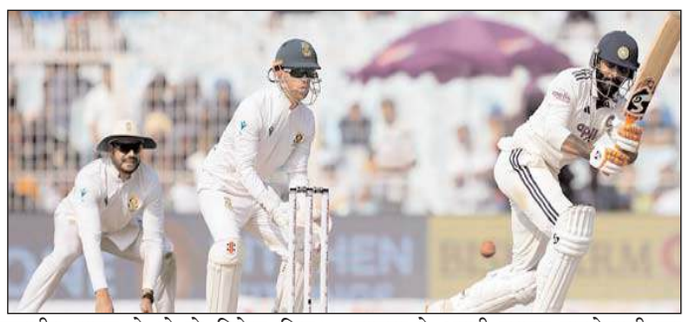

कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला।दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 159 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में आगे नहीं खेल पाएंगे। इस तरह से भारत के अब केवल सात विकेट बचे हैं। गिल की अनुपस्थिति में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे ध्रुव जुरेल ने लेग ग्लांस बाउंड्री के साथ अपनी फॉर्म दिखाई लेकिन वाशिंगटन को अभी तक संघर्ष करना पड़ा है। जिस पिच पर बावुमा ने अपनी दमदार बल्लेबाजी का नमूना पेश किया, वहां भारतीय सलामी बल्लेबाज असफल रहे। यानसन ने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके उछाल हासिल की और भारत के दोनों सलामी बल्लेबाजों को लगातार ओवरों में आउट किया। आक्रामक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल केवल चार गेंद का सामना कर पाए और खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। यानसन की एक तेज गुड-लेंथ गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर काइल वेरिन के हाथों में चली गई। यानसन ने अगले ओवर में राउंड द विकेट गेंदबाजी की और पहली गेंद पर ही केएल राहुल को आउट कर दिया। उनकी गेंद राहुल के दस्तानों को चूमती हुई विकेटकीपर के पास गई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सुबह 63 रन की कुल बढ़त के साथ सात विकेट पर 93 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन बावुमा के आत्मविश्वास से भरे प्रयास और नौवें नंबर के बल्लेबाज कोर्बिन बॉश के 37 गेंदों पर 25 रन की बदौलत उसने बढ़त को 100 रन के पार पहुंचा दिया। इन दोनों के बीच आठवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी ने शुरूआती घंटे में भारत को निराश कर दिया। जब यह दोनों खेल रहे थे तब प्रति ओवर तीन से अधिक रन बन रहे थे। कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत का जसप्रीत बुमराह को अधिक खतरनाक क्लब हाउस छोर से नहीं उतारने का फैसला हैरानी भरा रहा। बुमराह ने पहली पारी में इसी छोर से गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए थे। लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जीत दिलाने के बाद अपना पहला टेस्ट खेल रहे बावुमा ने बुमराह की गेंद पर फाइन लेग पर चौके के साथ मैच का पहला अर्धशतक पूरा किया।

अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पहला ओवर न देना सवालों के घेरे में: कुंबले

कोलकाता,(भाषा)। अपने जमाने के दिग्गज क्रिकेटर अनिल कुंबले ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भारत की 30 रन से हार के बाद कहा कि ईडन गार्डन्स की चुनौतीपूर्ण पिच पर तीसरे दिन का खेल के शुरू में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को गेंद नहीं सौंपना सवाल पैदा करता है। भारतीय टीम 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गई और इस तरह से पहला टेस्ट मैच तीसरे दिन दूसरे सत्र में ही समाप्त हो गया।

कुंबले ने जियो हॉटस्टार पर कहा, 124 रन का लक्ष्य थोड़ा ज्यादा था। दक्षिण अफ्रीका को दिन की शुरूआत में केवल 63 रन की बढ़त हासिल थी और उसके तीन विकेट बचे हुए थे। तेम्बा बावुमा अभी खेल रहे थे। ऐसी परिस्थितियों में फैला हुआ क्षेत्ररक्षण और अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पहला ओवर न देना सवाल खड़े करता है। दक्षिण अफ्रीका के आज गिरे तीनों विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए। कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस साल की शुरूआत में टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जीत दिलाने के बावजूद उन्हें हमेशा वह श्रेय नहीं मिलता जिसके वह हकदार हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर भारत दक्षिण अफ्रीका से पिछड़ गया। इसका श्रेय बावुमा को जाता है। उन्हें कप्तान के रूप में वह पहचान नहीं मिली जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान के रूप में 11 में से 10 टेस्ट मैच जीते हैं और उनके लिए टेस्ट चैम्पियनशिप जीती है। उन्हें उस तरह का श्रेय नहीं मिलता जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के अन्य कप्तानों को मिलता है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, बल्लेबाज के रूप में भी उन्होंने दो बेहतरीन पारियां खेली हैं। पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में और दूसरी अब यहां। उन्होंने एक खिलाड़ी और कप्तान दोनों रूप में शानदार प्रदर्शन किया है।

नई दिल्ली, सोमवार 17 नवंबर 2025

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

FRONT PAGE 2

''लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में आपका सत्य, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के प्रति समर्पण समाज को एक नयी दिशा देने के साथ ही जन-विश्वास को भी सशक्त बनाता है।''

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उ.प्र.

दयाशंकर सिंह ने लखनऊ स्थित आवास पर आए हुए आगंतुकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुना व उचित कार्रवाई सुनिश्चित किया।

सनातन इंटेलिजेंस: सच्ची, अच्छी और वास्तविक जानकारी का नया स्तंभ-सनातन संत सम्मेलन में हुआ भव्य उद्घोष

लोकमानिलाल एवं दयाकांति देवी पुरस्कार-2025: शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मान समारोह

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

5 नवंबर 2025 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली के भारत मंडपम में ॐ सनातन न्यास द्वारा सनातन संत सम्मेलन–2025 दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा, अद्भुत भव्यता और राष्ट्रीय भाव से ओतप्रोत माहौल के साथ सम्पन्न हुआराष्ट्रसंत परम पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज की पावन अध्यक्षता में आयोजित इस विराट सम्मेलन में देशभर से 300 से अधिक प्रमुख संतों की उपस्थिति ने इसे सनातन संस्कृति का ऐतिहासिक पर्व बना दिया।

इस सम्मेलन का मूल उद्देश्य था, सनातन संस्कृति के संरक्षण–संवर्धन, उसकी गौरवपूर्ण परंपराओं के पुनर्जागरण और भारतीय समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के पुनः प्रतिष्ठापन का संदेश जन-जन तक पहुँचाना।स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज ने अपने आशीषपूर्ण उद्बोधन में कहा कि-"समय की मांग है कि हम सभी एक होकर सनातन को विश्वभर में पुनर्स्थापित करें। यह संस्कृति केवल परंपरा नहीं, बल्कि मानवता का मार्ग है। इसे आने वाली पीढ़ियों तक सशक्त रूप में पहुँचाना हम सभी का कर्तव्य है।" उन्होंने सभी संतों एवं उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए एकता, प्रेम और सामाजिक जागरण का संदेश दिया।सभी संतों ने एक स्वर में कहा कि—"सनातन संस्कृति शाश्वत है, समावेशी है और विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है।"

परम पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज की अध्यक्षता में एकल अभियान – भारत लोक शिक्षा परिषद को "सनातन रत्न सम्मान" प्रदान किया गया। साथ ही तीन अन्य प्रमुख संस्थाओं को "सनातन गौरव सम्मान" से अलंकृत किया गया।जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि जी (विश्व शांति दूत) ने वैश्विक चुनौतियों पर सारगर्भित विचार रखते हुए कहा कि सनातन संस्कृति ही मानवता को शांति, सद्भाव और समाधान का मार्ग दिखा सकती है।प्रसिद्ध कथावाचक परम पूज्य श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने सनातन धर्म की एकता और शक्ति पर प्रेरणादायी संदेश दिया तथा समाज में आध्यात्मिक जागरण की अलख जगाई।श्री गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सलाहकार सरदार परमजीत सिंह जी ने युवाओं को सनातन जीवन-मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी को राष्ट्र एकता और सद्भाव के लिए प्रेरित किया।महंत श्री रवींद्र पूरी जी महाराज ने राष्ट्र और संस्कृति के उत्थान में संत समाज की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अपने ओजस्वी उद्बोधन से सभी को प्रेरित किया।परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज ने राष्ट्रीय एकता, प्राकृतिक संरक्षण, मानव सेवा और सनातन के संरक्षण-संवर्धन का सारगर्भित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि "सनातन न तो आरंभ हुआ, न कभी समाप्त होगा — यह अनादि, अनंत और विश्व कल्याण की आधारशिला है।" स्वामी जी ने मानवता को प्रेम, करुणा और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।इस राष्ट्रीय आयोजन में भारत सहित विदेशों से भी ब्यूरोक्रेट्स, ज्यूडिशरी के वरिष्ठ सदस्य, उद्योगपति, समाजसेवी, शिक्षाविद, वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता शामिल हुए, जिससे यह सम्मेलन एक विचार–संवाद और संस्कृति–संवर्धन का वैश्विक मंच बन गया।पूरे कार्यक्रम का संचालन श्री नीरज रायजादा जी और युवा चेहरा सुश्री स्मृति कुच्छल जी ने अत्यंत सौम्यता, संतुलन और गरिमा के साथ किया।वहीं कई विद्यालयों के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित संतों व अतिथियों को भावविभोर कर दिया। बच्चों की वेशभूषा, नृत्य और संगीत ने मानो सनातन परंपरा को पुनः सजीव कर दिया।इस भव्य सम्मेलन का समापन संत समाज द्वारासनातन के पुनर्जागरण, राष्ट्र के उत्थान, और भावी पीढ़ियों तक सांस्कृतिक विरासत के संवहन के संकल्प के साथ हुआ।यह दिव्य आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि भारत की आत्मा—सनातन संस्कृति—का महापर्व बनकर उपस्थित हुआ,जिसकी गूंज आने वाले समय में विश्वभर में प्रेरणा का प्रकाश बनेगी।

- सनातन जागेगा तो भारत बचेगा–परम पूज्य स्वामी गोविन्द देव जी महाराज
- विश्व की चेतना का केंद्र है सनातन - पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी
- सनातन है तो संसार वसुधैव कुटुंब है सर्वे भवन्तु सुखिन से विश्व में मानवता है -जैन मुनि आचार्य लोकेश जी
- सनातन को अपने घर भारत को पहले अंदर से ठीक करना होगा - देवकीनंदन जी महाराज

दिल्ली में पिछले तीन वर्षों में नवंबर का सबसे ठंडा दिन, पारा गिरकर नौ डिग्री तक पहुंचा

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.5 डिग्री कम है और यह शहर में पिछले तीन वर्षों में नवंबर का सबसे ठंडा दिन बन गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी।

यह 29 नवंबर 2022 के बाद से महीने का सबसे ठंडा दिन था जब दिल्ली में तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वर्ष 2023 में 23 नवंबर को पारा सबसे कम 9.2 डिग्री तक गिर गया था और 2024 में 29 नवंबर को न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री दर्ज किया गया था जो सबसे ठंडा दिन था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को हल्का कोहरा छाए रहने तथा अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई है।

कामधेनु गोधाम में विराजे रमण बिहारी जी व कामेश्वर महाराज हिंदू धर्म के प्रचार प्रसार के लिए आगे आए : गोविंददेव गिरी जी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

परम पूज्य प्रातः स्मरणीय स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज, परम वन्दनीय गोभक्त श्रद्धेय श्री संजीव कृष्ण ठाकुर जी महाराज, ब्रह्मर्षि योगीराज शिवस्वरूप श्री शिवकुमार जी महाराज,मन्त्र महर्षि श्री योगभूषण जी महाराज, संस्थापक, धर्म योग फाउंडेशन, परम पूज्य आचार्य डॉ. लोकेश मुनि जी, गोस्वामी सुशील जी महाराज, राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय सर्वधर्म संसद, स्वस्तिश्री धर्मसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी जी, सौरभ सागर जी महाराज, माननीय शंकर लाल जी, पूर्व अखिल भारतीय गोसेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्री प्रताप जी, हरियाणा प्रान्त संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, हमारे क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक तेजपाल तंवर जी,उपस्थित सभी संतवृंद, सभी विद्वान ब्राह्मण जनों की उपस्थिति में कामधेनु गो धाम में रमण बिहारी व कामेश्वर महादेव विराजमान हो गए। सबको आशीर्वाद देते हुए गोविंद गिरी महाराज जी ने कहा आज आवश्यकता है सनातन धर्म के सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाने की।अब कामधेनु गोधा म इसकी जन जागृति में आगे आयेगा,कामधेनु गोदाम के संस्थापक श्री एस पी गुप्ता जी ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा किआज हमारे लिए अत्यन्त हर्ष का दिन है, कामधेनु आरोग्य संस्थान में नवनिर्मित मंदिर के उद्घाटन समारोह में परम पूज्य स्वामी जी का आगमन हुआ यह हमारा अहोभाग्य है, पूज्य श्रद्धेय संजीव कृष्ण ठाकुर जी की प्रेरणा से इस कामधेनु गोधाम में मन्दिर का निर्माण हो गया, भागवत कथा के साथ भगवान जी मन्दिर में आज विराजमान हो गये, और हमारे भारत भूमि के महान संत श्रद्धेय गोविन्द देव गिरी जी महाराज की पावन उपस्थिति में लोकार्पण समारोह हुआ यह हम सभी गो भक्तों व कामधेनु परिवार के लिए अत्यन्त सौभाग्य की बात है। सेवानिवृत्ति के पश्चात्गोमाता व माता-पिता की असीम अनुकम्पा से इस क्षेत्र में आकर गोसेवा की प्रेरणा मिली। आज भागवत कथा के साथ भगवान का मन्दिर बन गया ।

इस अवधि में देश शीर्षस्थ संतजन, राजनेता, हर क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं का यहाँ आगमन हुआ, अनेकों महानुभावों के विशेष सहयोग से ही यह सब संभव हो रहा है, 300 से अधिक बेसहारा गोवंश का निवास यहाँ है। उनकी दैनिक देखभाल का कार्य भी गोधाम व गोभक्तों के सहयोग से हो रहा है।आज इस प्रांगण में भक्त व भगवान दोनों का ही आगमन हो गया यह सब प्रभु की असीम कृपा से ही हो पाया, मेरा पूरा परिवार आज बहुत भावुक है, हमारे माता-पिता के असीम आशीर्वाद तथा गुरुकृपा से ही हो रहा है । इस सप्तदिवसीय भागवत कथा में हमारे मित्र, पारिवारिक जनों ने यजमान बनकर सेवा कार्य किया एवं अनेक परिवारिक जनों के सहयोग से यह सब संभव हो पाया, अब भगवान से यही प्रार्थना है कि वह हमें शक्ति प्रदान करे ताकि हम समाज व राष्ट्र की सेवा और कर सकें।

पूज्य स्वामी जी के प्रति, हमारे अत्यन्त प्रिय कामधेनु गोधाम से अनुराग रखने वाले, प्रेरणा देने वाले श्रद्धेय संजीव कृष्ण ठाकुर जी के प्रति तो हमारे पास कोई शब्द ही नहीं है, उनकी प्रेरणा, मार्गदर्शन हमें इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा ॥पुनः मैं सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।-पूज्य पाठक जी के प्रति अत्यन्त कृतज्ञता, जिनका ज्ञान अनन्त है, वैदिक मन्त्रों द्वारा विधिवत उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के कार्य को संपादित किया, उनकी पूरी टीम को बहुत - बहुत नमन ।

राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपनी धर्मपत्नी इंदिरा देवी देवनानी के निधन पर आत्मीय संवेदनाओं के लिए कृतज्ञता प्रकट की

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

जयपुर। राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपनी धर्मपत्नी इंदिरा देवी देवनानी के निधन पर समाज के सभी वर्गों और स्वजनों द्वारा प्रकट की गई आत्मीय संवेदनाओं और श्रद्धांजलि के लिए विनम्र भाव से कृतज्ञता प्रकट की है। देवनानी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि किसी प्रिय के जाने का दुःख जीवन का सबसे गहरा दर्द होता है। ऐसे समय में आप सभी लोगों द्वारा दिया गया मानवीय स्पर्श, हिम्मत और संवेदना मेरे लिए अमूल्य है। आपके शब्दों, आपकी प्रार्थनाओं और आपकी उपस्थिति ने मेरे मन को शक्ति प्रदान की है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि मेरी धर्मपत्नी स्वर्गीय इंदिरा देवी देवनानी का जीवन सादगी, संस्कार, करुणा और सेवा की भावना से परिपूर्ण था। उनके व्यक्तित्व में प्रेम, समझ और परिवार के प्रति समर्पण की अद्भुत शक्ति थी। आज भले ही वे भौतिक रूप से हमारे मध्य नहीं हैं, परंतु उनके विचारों, मूल्यों एवं संस्कारों से हमारा समस्त परिवार अनुप्राणित है। गत 12 दिनों में प्रदेशभर के लोगों ने देवनानी के अजमेर स्थित वरुण सागर रोड की संत कंवर राम कॉलोनी के आवास पर पहुंचकर इंदिरा देवनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की। 14 नवंबर को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अजमेर आकर इंदिरा देवनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की । चार नवंबर को अंतिम संस्कार वाले दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी अजमेर पहुँचे ।

प्रदेश के अधिकांश सांसद विधायक, मंत्रियों और राजनीतिक दलों से जुड़े पदाधिकारियों ने अजमेर पहुंचकर दिवंगत इन्दिरा देवनानी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री, प्रशासनिक और पुलिस तथा विधान सभा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अजमेर पहुँच अपनी शोक संवेदनाएँ प्रकट की । स्वयं देवनानी भी लगातार अजमेर में ही रहे।देवनानी ने हृदय के अंतर्तल से सभी का आभार जताया है।उल्लेखनीय है कि देवनानी के अजमेर आवास पर शोक की नियमित बैठक रविवार को पूरी हो गई ।अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी की पत्नी इंदिरा देवनानी (74) का गत 3 नवंबर को निधन हुआ था, तभी से देवनानी के अजमेर स्थित आवास पर प्रतिदिन श्रद्धांजलि सभा हो रही थी।15 नवंबर को निवास पर ही 12वें की धार्मिक रस्म संपन्न हुई। सभी धार्मिक रस्में उनके पुत्र महेश देवनानी द्वारा संपन्न कराई गई। इससे पहले 14 नवंबर को श्रीमती देवनानी की अस्थियों को हरिद्वार में गंगा नदी में विसर्जित किया गया।15 नवंबर को धार्मिक अनुष्ठान पूरे होने के बाद देवनानी ने राजकीय कार्य भी शुरू कर दिए। देवनानी ने विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों से भी संवाद किया। उन्होंने रविवार को भारत विकास परिषद, उत्तर पश्चिम क्षेत्र द्वारा अजमेर में आयोजित क्षेत्र स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता में भी मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार देवनानी सोमवार 17 नवंबर को जयपुर स्थित विधानसभा सचिवालय भी जाएंगे। देवनानी का कुछ दिन जयपुर में ही रहने का कार्यक्रम है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया और एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन का भव्य समारोह संपन्न, देश के वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया गया

देश में 'मीडिया काउंसिल' का गठन कर प्रकाश को संपादक को व पत्रकारों के हितों की रक्षा हो : गौतम लाहिरी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

राष्ट्रीय प्रेस दिवस–2025 के अवसर पर एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन और प्रेस क्लब ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भव्य राष्ट्रीय समारोह प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। देशभर से आए वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथियों ने मीडिया की भूमिका और चुनौतियों पर अपने महत्वपूर्ण विचार रखे।मुख्य अतिथि :श्री स्वदेश भूषण ने कहा,पत्रकारिता का मूल स्वभाव सत्य की खोज है। डिजिटल युग में यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, क्योंकि सूचना सिर्फ तेज नहीं, सटीक भी होनी चाहिए।"श्री के. शिवकुमार ने कहा, "आज पत्रकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता बनाए रखने की है। तकनीक सहायता करती है, लेकिन पत्रकार का विवेक ही उसके काम को दिशा देता है।"

श्री सुधीर महाजन (से.नि. IAS) ने कहा,लोकतंत्र तभी मजबूत बनता है जब पत्रकारिता निष्पक्ष और निर्भीक हो। मीडिया राष्ट्र का दर्पण भी है और दिशा देने वाली शक्ति भी।"श्री अनिल कुमार सक्सेना (IIS) ने कहा, "पत्रकारिता केवल पेशा नहीं बल्कि जनसेवा का माध्यम है। हमें वही सूचना समाज तक पहुंचानी चाहिए जो राष्ट्रहित को सशक्त करे।"एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा, राष्ट्रीय प्रेस दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मावलोकन का अवसर है। जनहित, साहस और निष्पक्षता—यही पत्रकारिता की असली शक्ति है।"प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के महासचिव श्री नीरज ठाकुर ने कहा, "तेजी से बदलते मीडिया परिदृश्य में पत्रकारों को डिजिटल मीडिया, डेटा पत्रकारिता और तकनीकी दक्षता के साथ आगे बढ़ना होगा।"प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री गौतम लाहिरी ने "मीडिया की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। पत्रकारों का निर्भीक होना ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।"

श्री लाहिरी ने समाचार पत्र प्रकाशको खासकर मध्यम एवं लघु समाचार पत्रों व संपादकों, पत्रकारो फोटो जर्नलिस्ट के हितों की रक्षा के लिए देश की सरकार से ₹मीडिया काउंसिल₹ बनाने की मांग करते हुए कहा कि इसमें संसद में बिल पास करके ₹जीएसटी काउंसिल₹ की तरह समाचार पत्रों के मालिकों उसमें काम करने वाले संपादकों और पत्रकारों फोटोग्राफरों के हितों की रक्षा की जाए जिससे सामाजिक सुरक्षा व आर्थिक रूप से भी मजबूत एवं सुरक्षित रहे। कार्यक्रम का सबसे विशेष आकर्षण था—देशभर के प्रतिष्ठित पत्रकारों का सम्मान।सम्मानित पत्रकारों में नेशनल एक्सप्रेस प्रकाशन समूह के संस्थापक व भारतीय मतदाता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गुप्ता, श्री दिलबर गोठी, श्री संजीव उपाध्याय, श्री राकेश थापलियाल, श्री राम दास, श्री मानस बनर्जी, श्री सुशील झलानी, श्री गुरु बसावैया, श्री शिकोह आज़ाद, सुश्री विनीता यादव, श्री कृष्ण कुमार तिवारी, मोहम्मद इलियास, श्री सुशील कुमार, डॉ. सुनील पराशर, श्री सुनील शर्मा, श्री राहुल शर्मा, श्री ओ.पी. गौतम सहित कई अन्य वरिष्ठ पत्रकार।कार्यक्रम का संचालन Eminent Journalist श्री संजीव उपाध्याय ने किया, जिनकी प्रभावशाली एंकरिंग ने समारोह को गरिमामय बनाया।कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में श्री जगन नेगी और श्री अनिल मंचंदा का सराहनीय योगदान रहा, जिन्होंने पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकारों और सहयोगियों के प्रति महासचिव श्री कोड़ले चन्नप्पा ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बधाई दी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पत्रकारों को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। योगी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, ''निष्पक्ष, निर्भीक और लोक-कल्याण के प्रति समर्पित पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने वाले सभी सम्मानित पत्रकार साथियों को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!'' योगी आदित्यनाथ ने अपने पोस्ट में कहा, ''लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में आपका सत्य, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के प्रति समर्पण समाज को एक नयी दिशा देने के साथ ही जन-विश्वास को भी सशक्त बनाता है।''

स्वामी वी.पी.एल. मीडिया प्रा. लि. के लिए प्रकाशक व मुद्रक वेंकटेश गुप्ता द्वारा आर.डी प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स प्रा. लि. ए-41, सेक्टर 8, नोयडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित व फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048 से प्रकाशित। DELHIN/2015/65411, संपादक : विपिन कुमार गुप्ता।
संपादकीय कार्यालय- फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048,ईमेल -news.vpl@gmail.com फोन नं.-011 49066569। प्रसार व विज्ञापन विभाग -ईमेल vplmedia@yahoo.com, समस्त विवाद के लिए न्याय क्षेत्र नई दिल्ली ही मान्य होगा।